जन्म पत्रिका

Rakesh Khanna

तारीख	01/01/2016
दिन	शुक्रवार
समय	11:34:29
स्थान	DELHI - India
अक्षांश	028:39:N
रेखांक्ष	077:13:E
लग्न	मीन
चन्द्र राशि	कन्या
नक्षत्र	उ फाल्गुनी
चरण	3

Generated Through Horosoft Professional Edition v5.0

AstroBasic
astrobasicjk@gmail.com
www.astrobasic.com

नाम	Rakesh Khanna	दादा का नाम	
लिंग	पुरुष	पिता का नाम	
जन्म तिथि	01/01/2016	माता का नाम	
दिन वार	शुक्रवार	जाति	
जन्म समय	11:34:29 घन्टे	गोत्र	
(समय घटी में)	10:51:50 घटी		
जन्म स्थान	DELHI		
अक्षांश	028%39 उत्तर	विक्रमी संवत्	2072
रेखांश	077%13 पूर्व	शक संवत्	1937
समयक्षेत्र	.05.30 घन्टे	मास	पौष
समय संशोधन	00.00 घन्टे	पक्ष	कृष्ण
स्थानीय समय	11:13:21 घन्टे	चन्द्र तिथि	7
स्थानीय तिथि	01/01/2016	सूर्योदय कालीन तिथि	22
सूर्योदय	7: 13: 44 घन्टे	तिथि समाप्ति काल	21:39:31
सूर्यास्त	17: 37: 48 घन्टे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र	उ फाल्गुनी
दिनमान	10: 24: 3 घन्टे	नक्षत्र समाप्ति काल	20:27:20
विषुव काल	17: 54: 42 घन्टे	सूर्योदय कालीन योग	सौभाग्य
भयात	45:10:32 घटी	योग समाप्ति काल	14:28:16
भभोग	67:22:57 घटी	सूर्योदय कालीन करण	विष्टि
ऋतु	हेमन्त	करण समाप्ति काल	8:20:46
भोग्य दशा	सूर्य 1व 11मा 20दि		

अवकहड़ा चक्र

लग्न	मीन
लग्नेश	गुरु
राशि	कन्या
राशीश	बुध
नक्षत्र	उ फाल्गुनी
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
चरण	3
पाया (चंद्र-नक्षत्र)	तांबा-चांदी
योग	सौभाग्य
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आदि
वर्ण	वैश्य
वश्य	मनुष्य
वर्ग	मूषक
नामाक्षर	पा
युंजा	मध्य
हंसक तत्व	भूमि

घात चक्र

मास	भाद्रपद
तिथि	5- 10- 15
दिन	शनिवार
नक्षत्र	श्रवण
योग	शुक्ल
करण	कौलव
प्रहर	1
वर्ग	बिलाव
चन्द्र	मिथुन

शुभ दिन, वार, रत्न

शुभ दिन	मंगलवार
शुभांक	8
शुभ रंग	गहरा लाल
शुभ रत्न	मूंगा
रत्न धातु	तांबा
रत्न धारक अंगुली	अनामिका (अंगूठें से तीसरी)

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	मीन	04°01'53''		गुरु	उ भाद्रपद	1	शनि	शनि
सूर्य	धनु	16°09'35''	मित्र	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	सूर्य
चन्द्र	कन्या	05°37'24''	मित्र	बुध	उ फाल्गुनी	3	सूर्य	बुध
मंगल	तुला	04°37'00''	सम	शुक्र	चित्रा	4	मंगल	शुक्र
बुध	मकर	05°22'55''	सम	शनि	उत्तराषाढ़ा	3	सूर्य	बुध
गुरु	सिंह	29°04'48''	मित्र	सूर्य	उ फाल्गुनी	1	सूर्य	मंगल
शुक्र	वृश्चिक	08°17'05''	सम	मंगल	अनुराधा	2	शनि	शुक्र
शनि	वृश्चिक	17°05'23''	शत्रु	मंगल	ज्येष्ठा	1	बुध	बुध
राहु-व	कन्या	00°47'59''	सम	बुध	उ फाल्गुनी	2	सूर्य	राहु
केतु-व	मीन	00°47'59''	सम	गुरु	पू भाद्रपद	4	गुरु	मंगल
यूरे	मीन	22°29'37''		गुरु	रेवती	2	बुध	चन्द्र
नेप्च	कुम्भ	13°28'16''		शनि	शतभिषा	3	राहु	बुध
प्लूटो	धनु	20°58'36''		गुरु	पूर्वाषाढ़ा	3	शुक्र	गुरु

चित्रपक्षीय अयनांश 24: 4: 50 अंश
राहु व केतु के स्पष्ट अंश हैं

जन्म लग्न

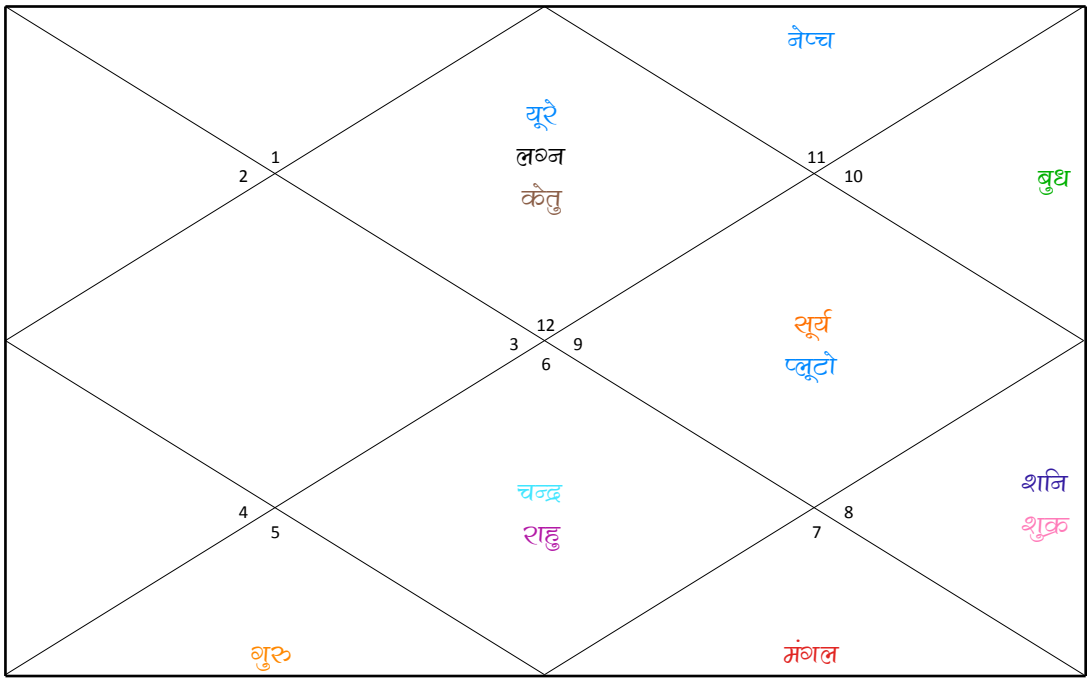

कारकत्व एवं अवस्थाएं

ग्रह	कारक		अवस्थाएं	
	चर कारक	स्थिर कारक	बालादि	शयानादि
सूर्य	भ्रातृ	पिता	युवा	सभा
चन्द्र	पुत्र	माता	मृत	कौतुक
मंगल	दारा	पराक्रम	बाल	कौतुक
बुध	ज्ञाति	बुद्धि	मृत	कौतुक
गुरु	आत्म	धन	मृत	कौतुक
शुक्र	मातृ	कलत्र	वृद्ध	कौतुक
शनि	अमात्य	आयुष्य	युवा	गमनेच्छा
राहु		भ्रम	मृत	कौतुक
केतु		मोक्ष	मृत	कौतुक

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
उ फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़
उत्तराषाढ़	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू भाद्रपद	उ भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी
कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आरद्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	मघा	पू फाल्गुनी

चन्द्र लग्न

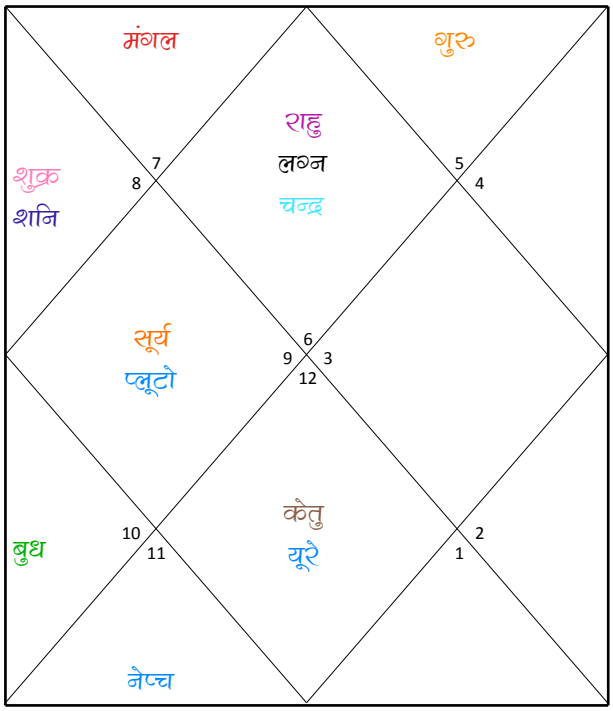

नवमांश

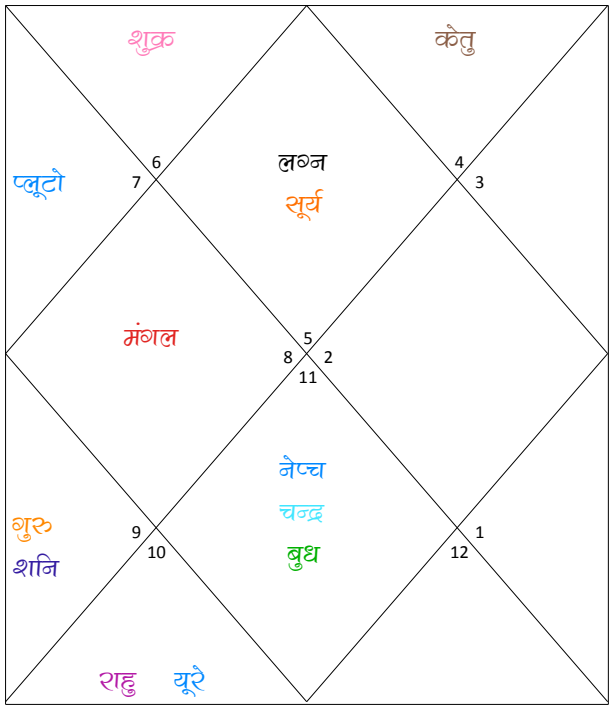

भाव एवं निरयण भाव (कस्प)

भाव	आरम्भ		मध्य	
1	कुम्भ	19:08'	मीन	04:01'
2	मीन	19:08'	मेष	04:15'
3	मेष	19:22'	वृष	04:28'
4	वृष	19:35'	मिथुन	04:42'
5	मिथुन	19:35'	कर्क	04:28'
6	कर्क	19:22'	सिंह	04:15'
7	सिंह	19:08'	कन्या	04:01'
8	कन्या	19:08'	तुला	04:15'
9	तुला	19:22'	वृश्चिक	04:28'
10	वृश्चिक	19:35'	धनु	04:42'
11	धनु	19:35'	मकर	04:28'
12	मकर	19:22'	कुम्भ	04:15'

भाव	राशि	अंश
1	मीन	4:1'53"
2	मेष	11:56'43"
3	वृष	10:36'20"
4	मिथुन	4:42'23"
5	मिथुन	28:38'24"
6	कर्क	26:46'31"
7	कन्या	4:1'53"
8	तुला	11:56'43"
9	वृश्चिक	10:36'20"
10	धनु	4:42'23"
11	धनु	28:38'24"
12	मकर	26:46'31"

चलित

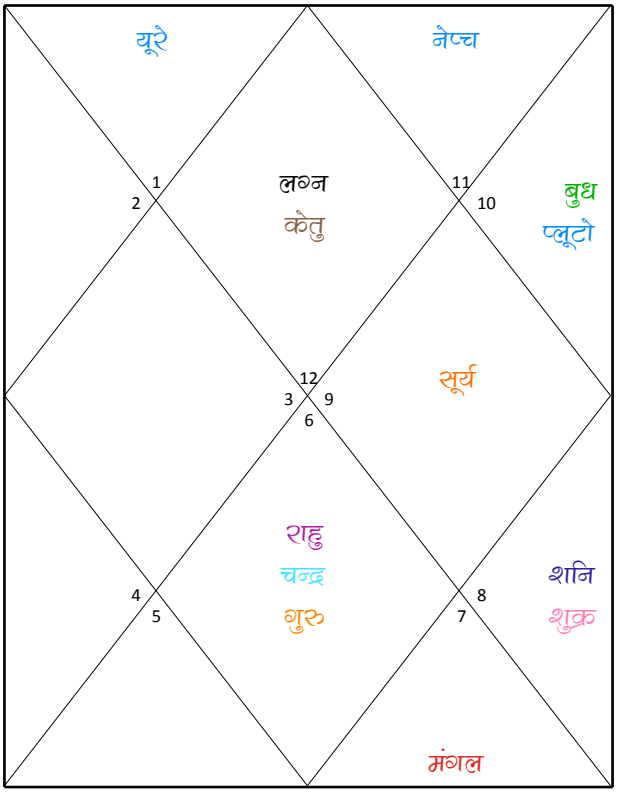

निरयण भाव (कस्प)

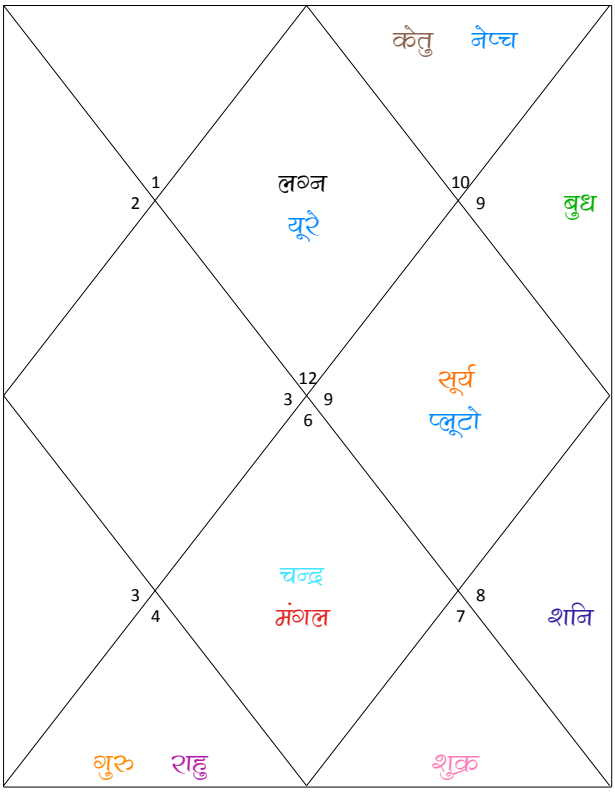

जन्म लग्न

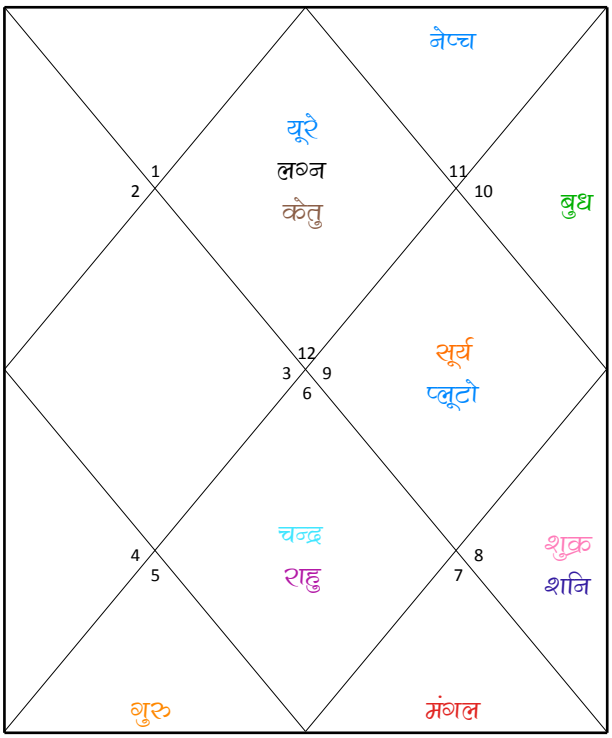

होरा "सम्पति के लिए"

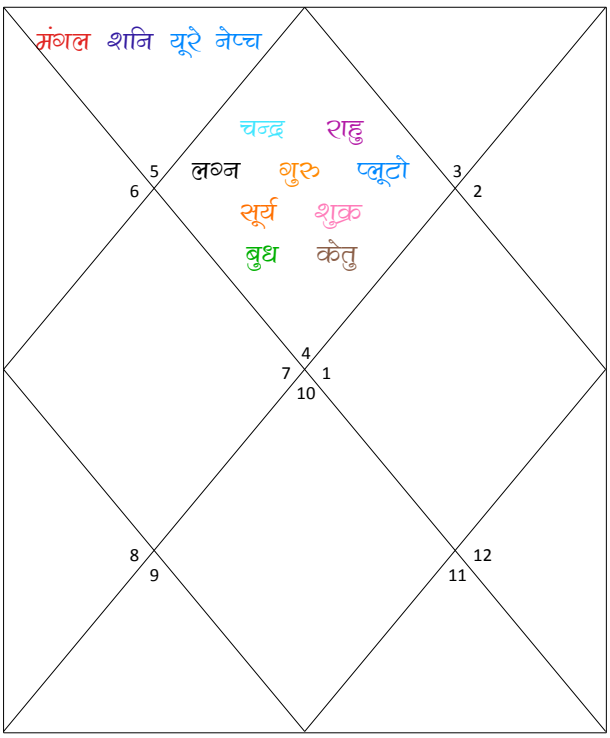

द्रेष्काण "भाई व बहनों के लिए"

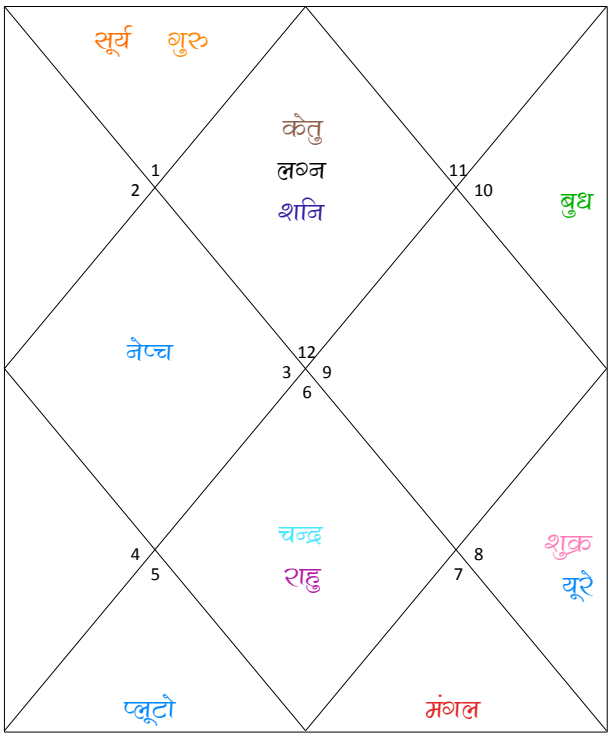

चतुर्थांश "भाग्य के लिए"

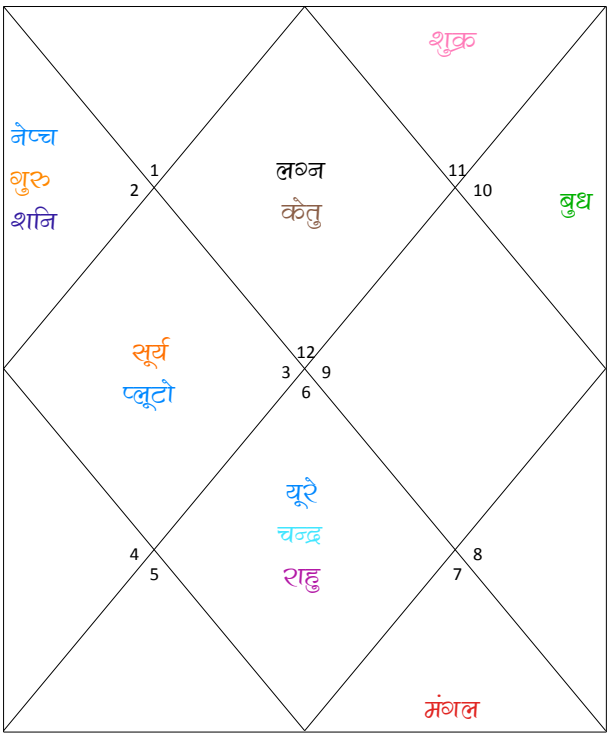

सप्तमांश "बच्चों के लिए"

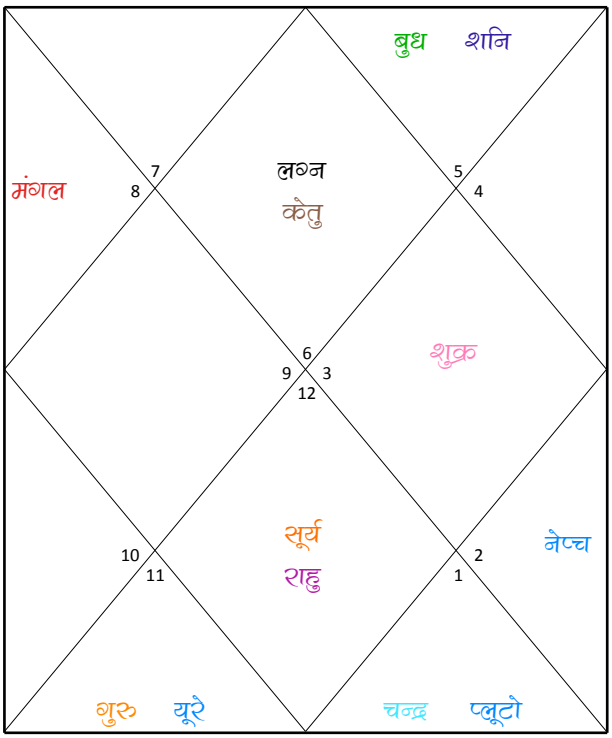

नवमांश

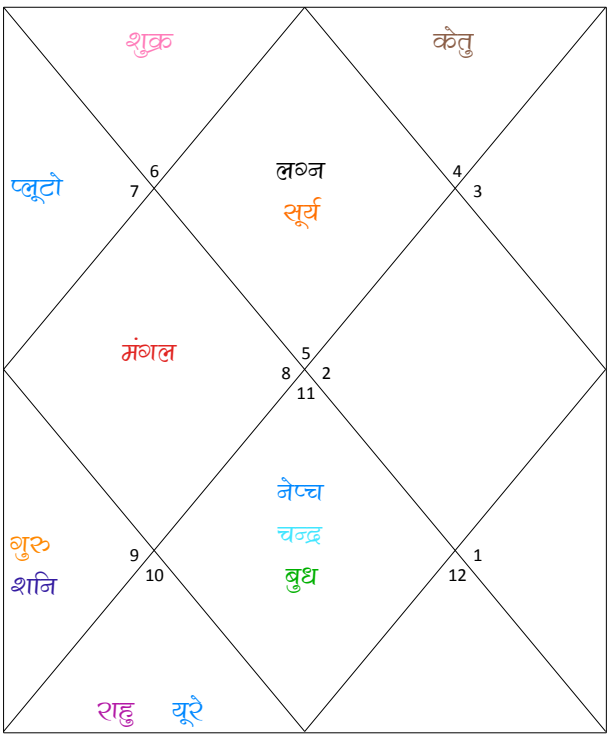

दशमांश "जीवन यापन के लिए"

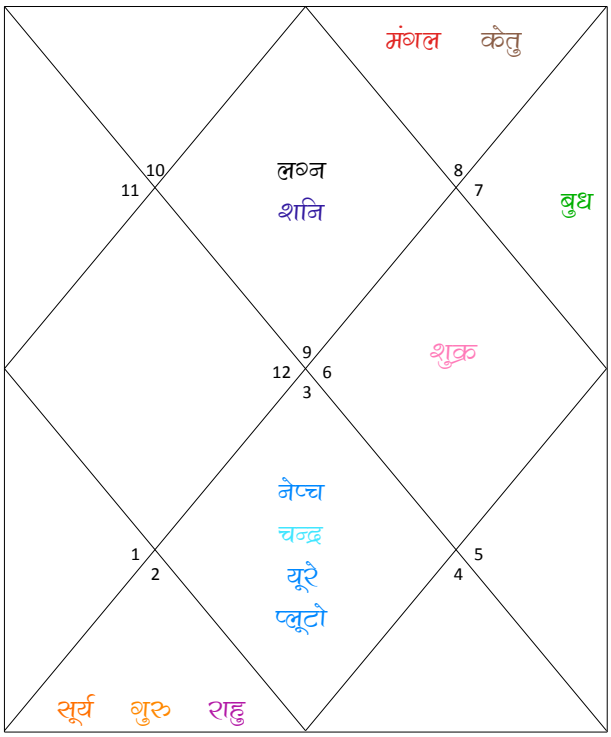

द्वादशांश "माता पिता के लिए"

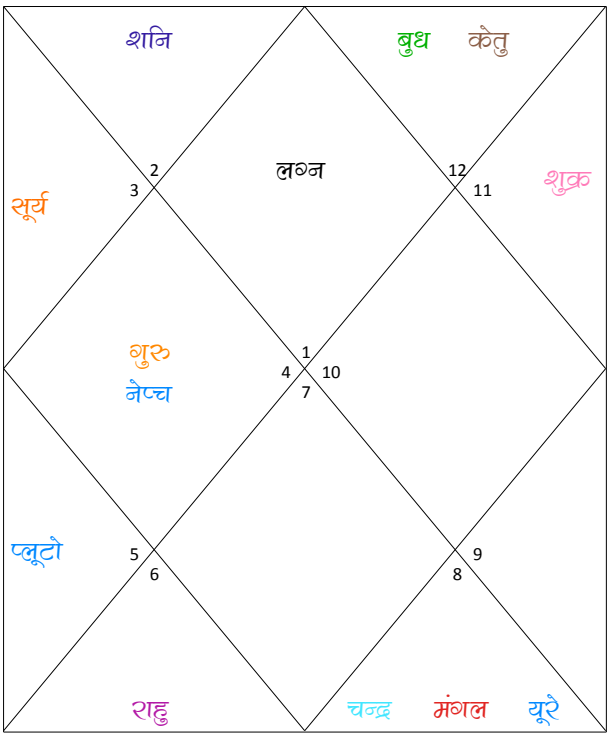

षोडशांश "वाहन के लिए"

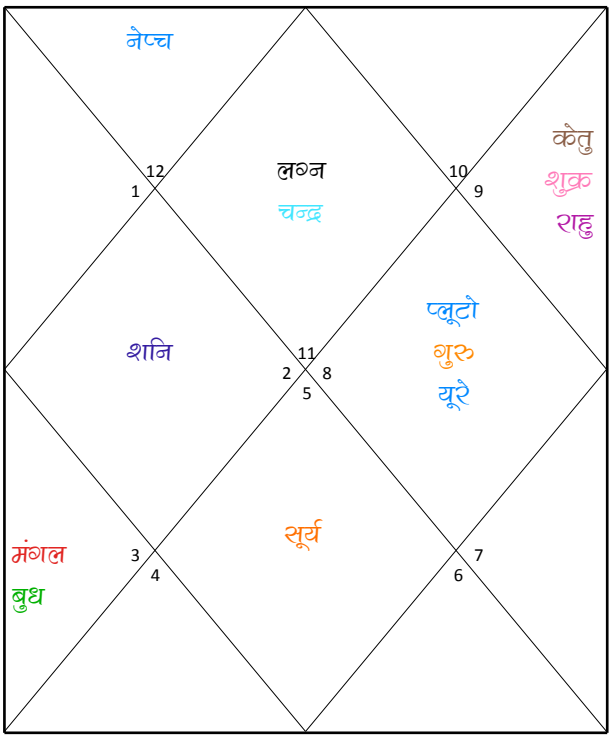

विशांश "धार्मिक प्रवृति के लिए"

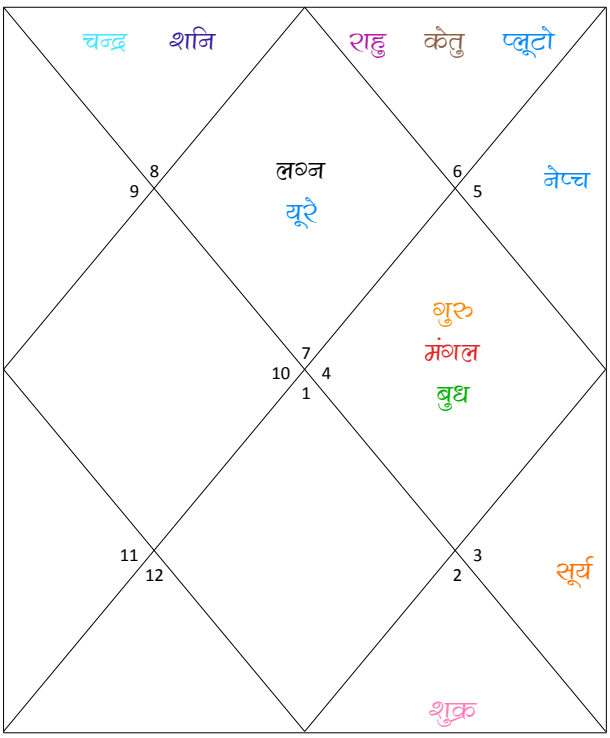

चतुर्विशांश "विद्या के लिए"

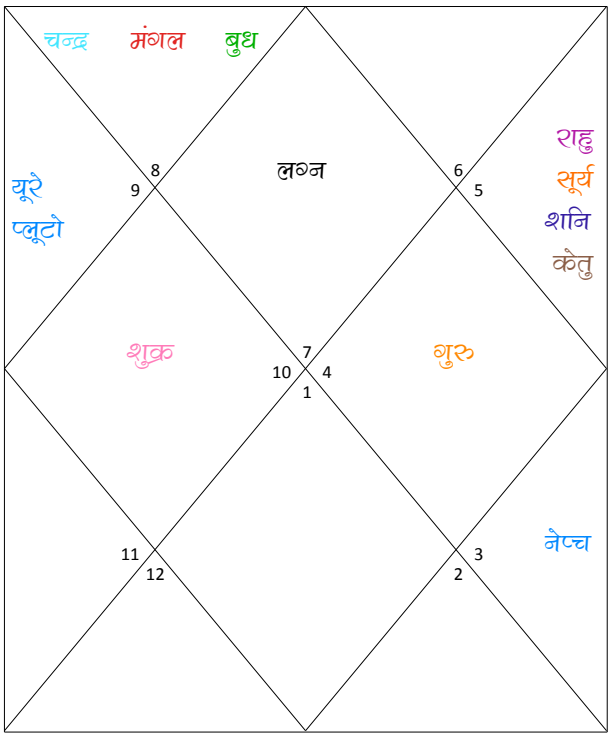

सप्तविशांश "बलाबल के लिए"

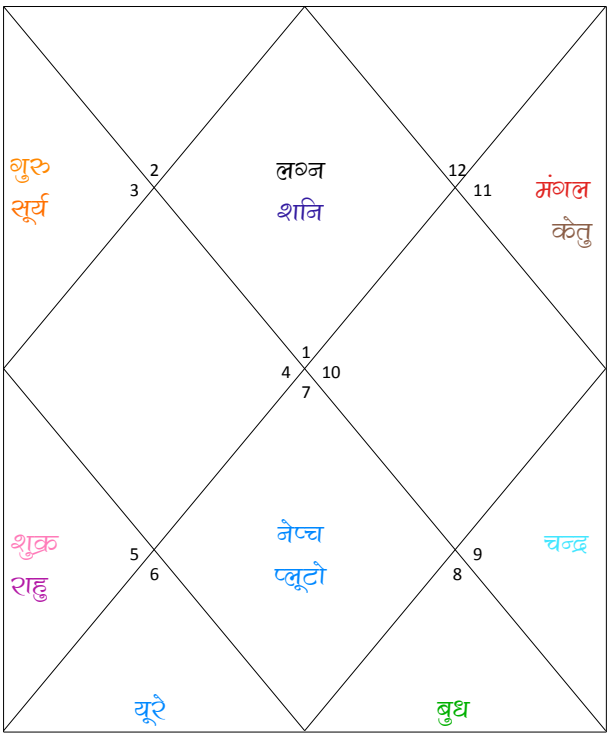

त्रिंशांशा "अरिष्ट के लिए"

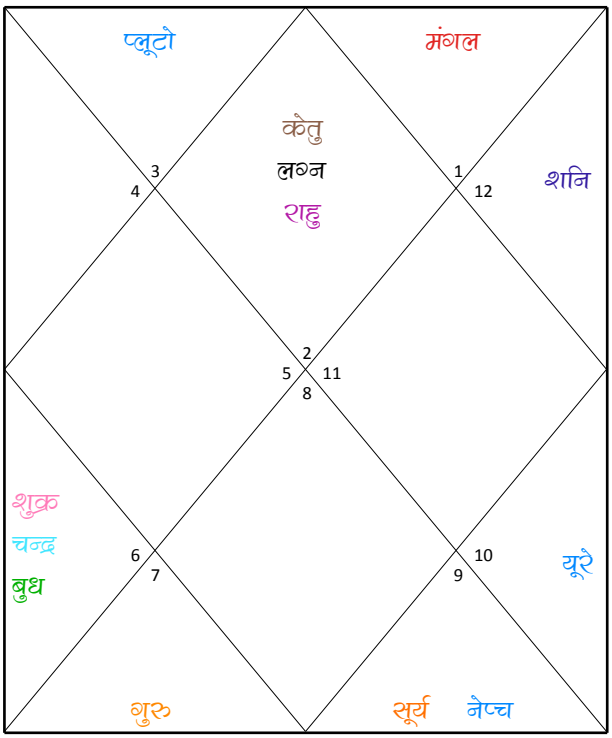

खवेदांश "शुभ के लिए"

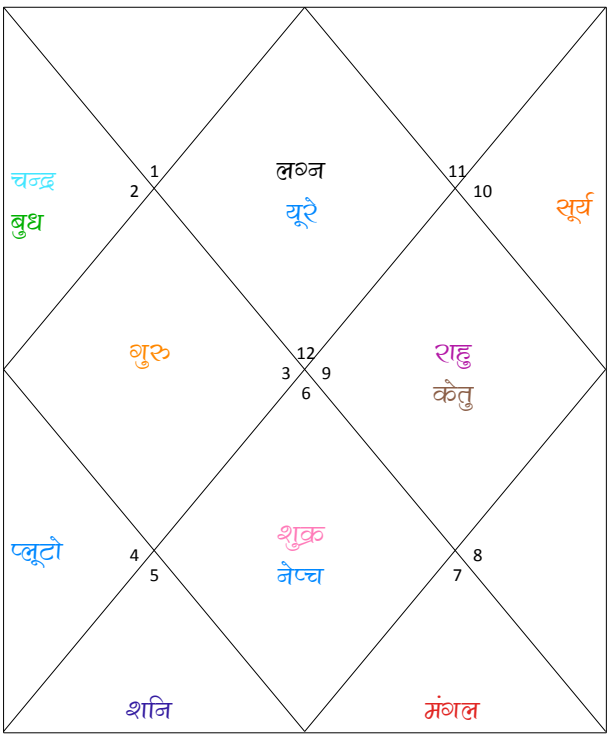

अक्षवेदांश "सर्वास्थिति के लिए"

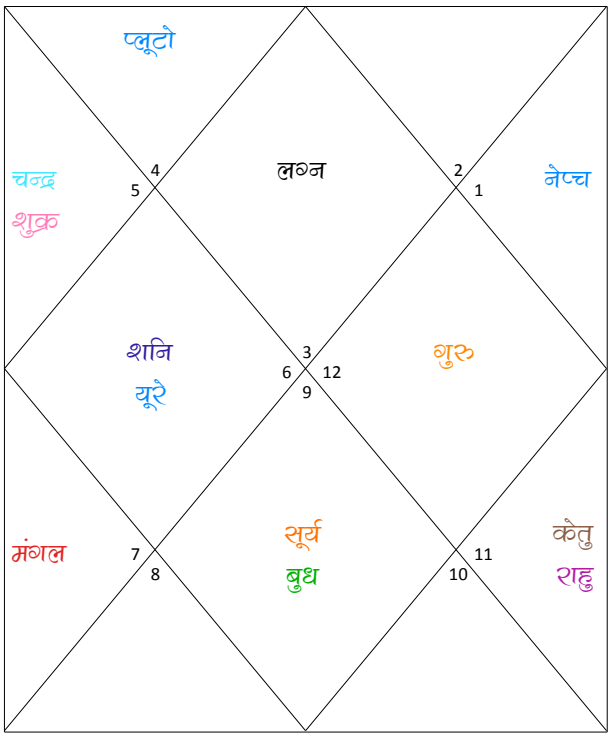

षष्ट्यंश "सर्वास्थिति के लिए"

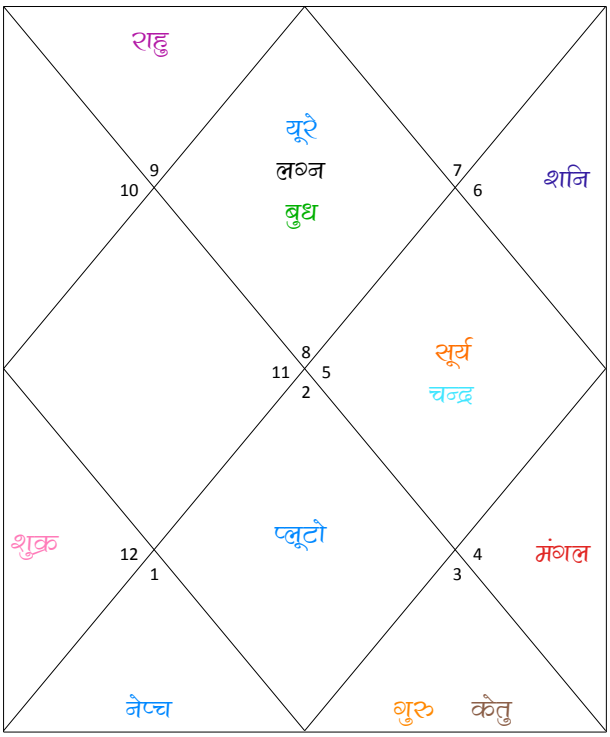

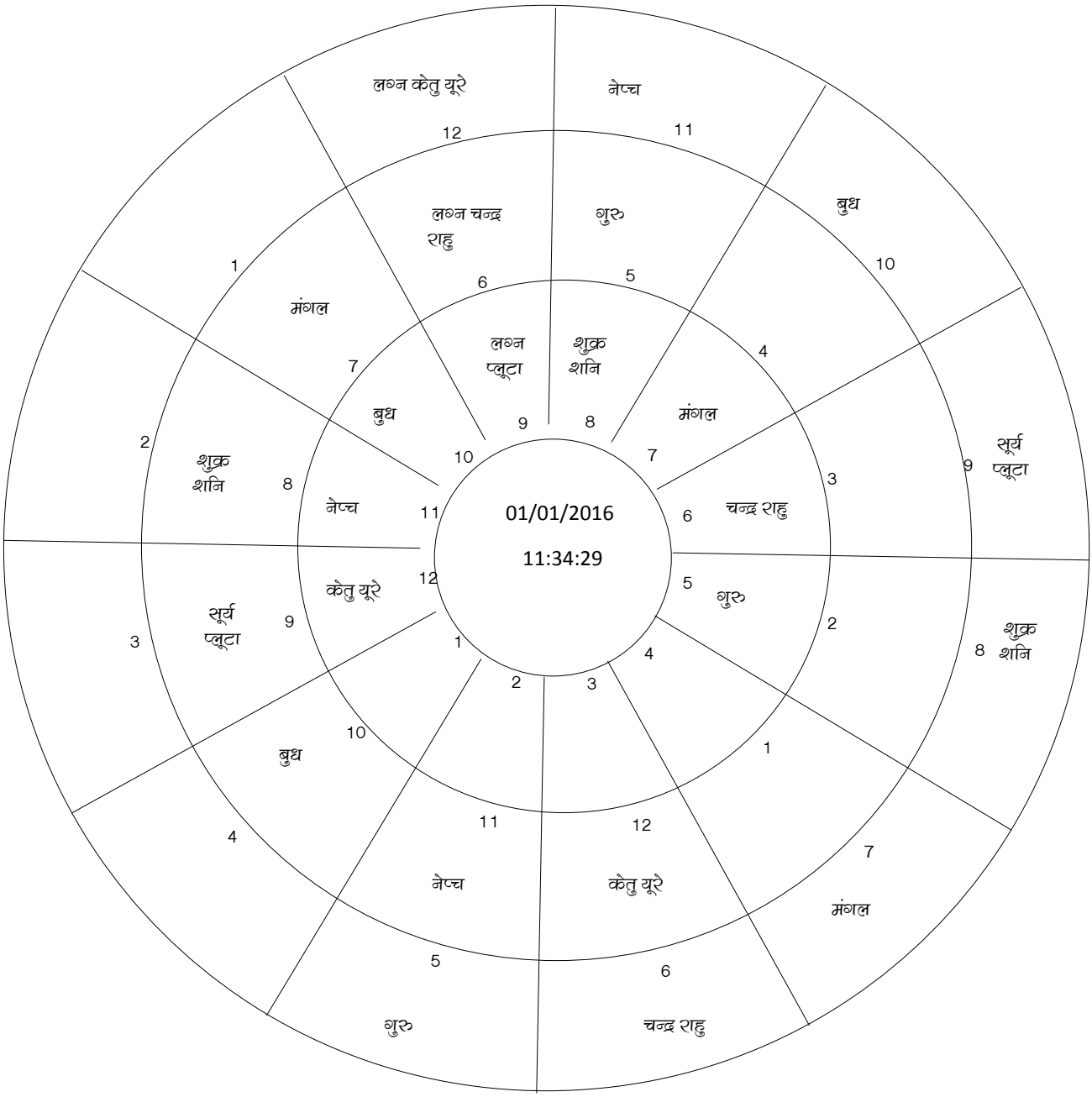

01/01/2016
11:34:29
लग्न केतु यूरे
नेप्चू
बुध
सूर्य प्लूटा
शुक्र शनि
मंगल
चन्द्र राहु
गुरु
नेप्चू
बुध
सूर्य प्लूटा
शुक्र शनि
मंगल
लग्न चन्द्र राहु
गुरु
मंगल
चन्द्र राहु
गुरु
केतु यूरे
नेप्चू
बुध
लग्न प्लूटा
शुक्र शनि
मंगल
चन्द्र राहु
गुरु
केतु यूरे
सूर्य प्लूटा
बुध
नेप्चू
शुक्र शनि

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म लग्न	मीन	धनु	कन्या	तुला	मकर	सिंह	वृश्चिक	वृश्चिक	कन्या	मीन
होरा	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	मीन	मेष	कन्या	तुला	मकर	मेष	वृश्चिक	मीन	कन्या	मीन
चतुर्थांश	मीन	मिथुन	कन्या	तुला	मकर	वृष	कुम्भ	वृष	कन्या	मीन
सप्तमांश	कन्या	मीन	मेष	वृश्चिक	सिंह	कुम्भ	मिथुन	सिंह	मीन	कन्या
नवमांश	सिंह	सिंह	कुम्भ	वृश्चिक	कुम्भ	धनु	कन्या	धनु	मकर	कर्क
दशमांश	धनु	वृष	मिथुन	वृश्चिक	तुला	वृष	कन्या	धनु	वृष	वृश्चिक
द्वादशांश	मेष	मिथुन	वृश्चिक	वृश्चिक	मीन	कर्क	कुम्भ	वृष	कन्या	मीन
षोडशांश	कुम्भ	सिंह	कुम्भ	मिथुन	मिथुन	वृश्चिक	धनु	वृष	धनु	धनु
विशांश	तुला	मिथुन	वृश्चिक	कर्क	कर्क	कर्क	वृष	वृश्चिक	सिंह	सिंह
चतुर्विशांश	तुला	सिंह	वृश्चिक	वृश्चिक	वृश्चिक	कर्क	मकर	सिंह	कर्क	कर्क
सप्तविशांश	मेष	मिथुन	धनु	कुम्भ	वृश्चिक	मिथुन	सिंह	मेष	कर्क	मकर
त्रिंशांशा	वृष	धनु	कन्या	मेष	कन्या	तुला	कन्या	मीन	वृष	वृष
खवेदांश	मीन	मकर	वृष	तुला	वृष	मिथुन	कन्या	सिंह	वृश्चिक	वृश्चिक
अक्षवेदांश	मिथुन	धनु	सिंह	तुला	धनु	मीन	सिंह	कन्या	मकर	मकर
षष्ट्यंश	वृश्चिक	सिंह	सिंह	कर्क	वृश्चिक	मिथुन	मीन	कन्या	तुला	मेष

विंशोपक बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	15.40	12.75	17.30	13.45	15.70	14.90	12.50	10.10	6.45
सप्तवर्ग	14.38	13.00	17.80	12.85	15.30	14.20	11.88	9.68	7.25
दशवर्ग	15.58	14.25	17.48	14.85	12.28	15.15	13.50	13.28	8.50
षोडशवर्ग	16.05	14.30	16.83	14.83	12.83	15.08	13.18	12.90	7.63

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य 6 वर्ष

सूर्य	00/00/0000 - 00/00/0000
चन्द्र	00/00/0000 - 00/00/0000
मंगल	00/00/0000 - 00/00/0000
राहु	00/00/0000 - 00/00/0000
गुरु	00/00/0000 - 00/00/0000
शनि	00/00/0000 - 00/00/0000
बुध	01/01/2016 - 15/08/2016
केतु	15/08/2016 - 20/12/2016
शुक्र	20/12/2016 - 21/12/2017

चन्द्र 10 वर्ष

चन्द्र	21/12/2017 - 21/10/2018
मंगल	21/10/2018 - 22/05/2019
राहु	22/05/2019 - 20/11/2020
गुरु	20/11/2020 - 22/03/2022
शनि	22/03/2022 - 21/10/2023
बुध	21/10/2023 - 22/03/2025
केतु	22/03/2025 - 21/10/2025
शुक्र	21/10/2025 - 21/06/2027
सूर्य	21/06/2027 - 21/12/2027

मंगल 7 वर्ष

मंगल	21/12/2027 - 18/05/2028
राहु	18/05/2028 - 06/06/2029
गुरु	06/06/2029 - 12/05/2030
शनि	12/05/2030 - 21/06/2031
बुध	21/06/2031 - 18/06/2032
केतु	18/06/2032 - 14/11/2032
शुक्र	14/11/2032 - 14/01/2034
सूर्य	14/01/2034 - 22/05/2034
चन्द्र	22/05/2034 - 21/12/2034

राहु 18 वर्ष

राहु	21/12/2034 - 02/09/2037
गुरु	02/09/2037 - 27/01/2040
शनि	27/01/2040 - 03/12/2042
बुध	03/12/2042 - 21/06/2045
केतु	21/06/2045 - 10/07/2046
शुक्र	10/07/2046 - 10/07/2049
सूर्य	10/07/2049 - 03/06/2050
चन्द्र	03/06/2050 - 03/12/2051
मंगल	03/12/2051 - 21/12/2052

गुरु 16 वर्ष

गुरु	21/12/2052 - 08/02/2055
शनि	08/02/2055 - 21/08/2057
बुध	21/08/2057 - 27/11/2059
केतु	27/11/2059 - 02/11/2060
शुक्र	02/11/2060 - 04/07/2063
सूर्य	04/07/2063 - 21/04/2064
चन्द्र	21/04/2064 - 21/08/2065
मंगल	21/08/2065 - 28/07/2066
राहु	28/07/2066 - 21/12/2068

शनि 19 वर्ष

शनि	21/12/2068 - 24/12/2071
बुध	24/12/2071 - 03/09/2074
केतु	03/09/2074 - 12/10/2075
शुक्र	12/10/2075 - 12/12/2078
सूर्य	12/12/2078 - 24/11/2079
चन्द्र	24/11/2079 - 24/06/2081
मंगल	24/06/2081 - 03/08/2082
राहु	03/08/2082 - 09/06/2085
गुरु	09/06/2085 - 21/12/2087

बुध 17 वर्ष

बुध	21/12/2087 - 18/05/2090
केतु	18/05/2090 - 16/05/2091
शुक्र	16/05/2091 - 15/03/2094
सूर्य	15/03/2094 - 20/01/2095
चन्द्र	20/01/2095 - 20/06/2096
मंगल	20/06/2096 - 18/06/2097
राहु	18/06/2097 - 05/01/2100
गुरु	05/01/2100 - 13/04/2102
शनि	13/04/2102 - 21/12/2104

केतु 7 वर्ष

केतु	21/12/2104 - 19/05/2105
शुक्र	19/05/2105 - 19/07/2106
सूर्य	19/07/2106 - 24/11/2106
चन्द्र	24/11/2106 - 25/06/2107
मंगल	25/06/2107 - 21/11/2107
राहु	21/11/2107 - 08/12/2108
गुरु	08/12/2108 - 14/11/2109
शनि	14/11/2109 - 24/12/2110
बुध	24/12/2110 - 21/12/2111

शुक्र 20 वर्ष

शुक्र	21/12/2111 - 21/04/2115
सूर्य	21/04/2115 - 21/04/2116
चन्द्र	21/04/2116 - 20/12/2117
मंगल	20/12/2117 - 19/02/2119
राहु	19/02/2119 - 19/02/2122
गुरु	19/02/2122 - 20/10/2124
शनि	20/10/2124 - 21/12/2127
बुध	21/12/2127 - 21/10/2130
केतु	21/10/2130 - 21/12/2131

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - बुध

बुध	00/00/0000 - 00/00/0000
केतु	00/00/0000 - 00/00/0000
शुक्र	01/01/2016 - 31/01/2016
सूर्य	31/01/2016 - 15/02/2016
चन्द्र	15/02/2016 - 12/03/2016
मंगल	12/03/2016 - 30/03/2016
राहु	30/03/2016 - 16/05/2016
गुरु	16/05/2016 - 26/06/2016
शनि	26/06/2016 - 15/08/2016

सूर्य - केतु

केतु	15/08/2016 - 22/08/2016
शुक्र	22/08/2016 - 12/09/2016
सूर्य	12/09/2016 - 19/09/2016
चन्द्र	19/09/2016 - 29/09/2016
मंगल	29/09/2016 - 07/10/2016
राहु	07/10/2016 - 26/10/2016
गुरु	26/10/2016 - 12/11/2016
शनि	12/11/2016 - 02/12/2016
बुध	02/12/2016 - 20/12/2016

सूर्य - शुक्र

शुक्र	20/12/2016 - 19/02/2017
सूर्य	19/02/2017 - 10/03/2017
चन्द्र	10/03/2017 - 09/04/2017
मंगल	09/04/2017 - 30/04/2017
राहु	30/04/2017 - 24/06/2017
गुरु	24/06/2017 - 12/08/2017
शनि	12/08/2017 - 09/10/2017
बुध	09/10/2017 - 30/11/2017
केतु	30/11/2017 - 21/12/2017

चन्द्र - चन्द्र

चन्द्र	21/12/2017 - 15/01/2018
मंगल	15/01/2018 - 02/02/2018
राहु	02/02/2018 - 20/03/2018
गुरु	20/03/2018 - 29/04/2018
शनि	29/04/2018 - 16/06/2018
बुध	16/06/2018 - 29/07/2018
केतु	29/07/2018 - 16/08/2018
शुक्र	16/08/2018 - 06/10/2018
सूर्य	06/10/2018 - 21/10/2018

चन्द्र - मंगल

मंगल	21/10/2018 - 03/11/2018
राहु	03/11/2018 - 05/12/2018
गुरु	05/12/2018 - 02/01/2019
शनि	02/01/2019 - 05/02/2019
बुध	05/02/2019 - 07/03/2019
केतु	07/03/2019 - 19/03/2019
शुक्र	19/03/2019 - 24/04/2019
सूर्य	24/04/2019 - 04/05/2019
चन्द्र	04/05/2019 - 22/05/2019

चन्द्र - राहु

राहु	22/05/2019 - 12/08/2019
गुरु	12/08/2019 - 24/10/2019
शनि	24/10/2019 - 19/01/2020
बुध	19/01/2020 - 06/04/2020
केतु	06/04/2020 - 08/05/2020
शुक्र	08/05/2020 - 07/08/2020
सूर्य	07/08/2020 - 03/09/2020
चन्द्र	03/09/2020 - 19/10/2020
मंगल	19/10/2020 - 20/11/2020

चन्द्र - गुरु

गुरु	20/11/2020 - 24/01/2021
शनि	24/01/2021 - 11/04/2021
बुध	11/04/2021 - 19/06/2021
केतु	19/06/2021 - 17/07/2021
शुक्र	17/07/2021 - 07/10/2021
सूर्य	07/10/2021 - 31/10/2021
चन्द्र	31/10/2021 - 10/12/2021
मंगल	10/12/2021 - 08/01/2022
राहु	08/01/2022 - 22/03/2022

चन्द्र - शनि

शनि	22/03/2022 - 21/06/2022
बुध	21/06/2022 - 11/09/2022
केतु	11/09/2022 - 15/10/2022
शुक्र	15/10/2022 - 19/01/2023
सूर्य	19/01/2023 - 17/02/2023
चन्द्र	17/02/2023 - 07/04/2023
मंगल	07/04/2023 - 10/05/2023
राहु	10/05/2023 - 05/08/2023
गुरु	05/08/2023 - 21/10/2023

चन्द्र - बुध

बुध	21/10/2023 - 02/01/2024
केतु	02/01/2024 - 02/02/2024
शुक्र	02/02/2024 - 28/04/2024
सूर्य	28/04/2024 - 24/05/2024
चन्द्र	24/05/2024 - 06/07/2024
मंगल	06/07/2024 - 05/08/2024
राहु	05/08/2024 - 22/10/2024
गुरु	22/10/2024 - 30/12/2024
शनि	30/12/2024 - 22/03/2025

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

चन्द्र - केतु

केतु	22/03/2025 - 03/04/2025
शुक्र	03/04/2025 - 08/05/2025
सूर्य	08/05/2025 - 19/05/2025
चन्द्र	19/05/2025 - 06/06/2025
मंगल	06/06/2025 - 18/06/2025
राहु	18/06/2025 - 20/07/2025
गुरु	20/07/2025 - 18/08/2025
शनि	18/08/2025 - 20/09/2025
बुध	20/09/2025 - 21/10/2025

चन्द्र - शुक्र

शुक्र	21/10/2025 - 30/01/2026
सूर्य	30/01/2026 - 01/03/2026
चन्द्र	01/03/2026 - 21/04/2026
मंगल	21/04/2026 - 27/05/2026
राहु	27/05/2026 - 26/08/2026
गुरु	26/08/2026 - 15/11/2026
शनि	15/11/2026 - 19/02/2027
बुध	19/02/2027 - 17/05/2027
केतु	17/05/2027 - 21/06/2027

चन्द्र - सूर्य

सूर्य	21/06/2027 - 30/06/2027
चन्द्र	30/06/2027 - 16/07/2027
मंगल	16/07/2027 - 26/07/2027
राहु	26/07/2027 - 23/08/2027
गुरु	23/08/2027 - 16/09/2027
शनि	16/09/2027 - 15/10/2027
बुध	15/10/2027 - 10/11/2027
केतु	10/11/2027 - 20/11/2027
शुक्र	20/11/2027 - 21/12/2027

मंगल - मंगल

मंगल	21/12/2027 - 30/12/2027
राहु	30/12/2027 - 21/01/2028
गुरु	21/01/2028 - 10/02/2028
शनि	10/02/2028 - 04/03/2028
बुध	04/03/2028 - 26/03/2028
केतु	26/03/2028 - 03/04/2028
शुक्र	03/04/2028 - 28/04/2028
सूर्य	28/04/2028 - 06/05/2028
चन्द्र	06/05/2028 - 18/05/2028

मंगल - राहु

राहु	18/05/2028 - 15/07/2028
गुरु	15/07/2028 - 04/09/2028
शनि	04/09/2028 - 03/11/2028
बुध	03/11/2028 - 28/12/2028
केतु	28/12/2028 - 19/01/2029
शुक्र	19/01/2029 - 24/03/2029
सूर्य	24/03/2029 - 12/04/2029
चन्द्र	12/04/2029 - 14/05/2029
मंगल	14/05/2029 - 06/06/2029

मंगल - गुरु

गुरु	06/06/2029 - 21/07/2029
शनि	21/07/2029 - 13/09/2029
बुध	13/09/2029 - 31/10/2029
केतु	31/10/2029 - 20/11/2029
शुक्र	20/11/2029 - 16/01/2030
सूर्य	16/01/2030 - 02/02/2030
चन्द्र	02/02/2030 - 02/03/2030
मंगल	02/03/2030 - 22/03/2030
राहु	22/03/2030 - 12/05/2030

मंगल - शनि

शनि	12/05/2030 - 16/07/2030
बुध	16/07/2030 - 11/09/2030
केतु	11/09/2030 - 05/10/2030
शुक्र	05/10/2030 - 11/12/2030
सूर्य	11/12/2030 - 31/12/2030
चन्द्र	31/12/2030 - 03/02/2031
मंगल	03/02/2031 - 27/02/2031
राहु	27/02/2031 - 28/04/2031
गुरु	28/04/2031 - 21/06/2031

मंगल - बुध

बुध	21/06/2031 - 12/08/2031
केतु	12/08/2031 - 02/09/2031
शुक्र	02/09/2031 - 01/11/2031
सूर्य	01/11/2031 - 19/11/2031
चन्द्र	19/11/2031 - 19/12/2031
मंगल	19/12/2031 - 10/01/2032
राहु	10/01/2032 - 04/03/2032
गुरु	04/03/2032 - 21/04/2032
शनि	21/04/2032 - 18/06/2032

मंगल - केतु

केतु	18/06/2032 - 26/06/2032
शुक्र	26/06/2032 - 21/07/2032
सूर्य	21/07/2032 - 29/07/2032
चन्द्र	29/07/2032 - 10/08/2032
मंगल	10/08/2032 - 19/08/2032
राहु	19/08/2032 - 10/09/2032
गुरु	10/09/2032 - 30/09/2032
शनि	30/09/2032 - 24/10/2032
बुध	24/10/2032 - 14/11/2032

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - बुध - शनि

शनि	04/07/2016 17:35:08
बुध	11/07/2016 16:45:21
केतु	14/07/2016 13:35:26
शुक्र	22/07/2016 18:15:42
सूर्य	25/07/2016 05:15:46
चन्द्र	29/07/2016 07:35:54
मंगल	01/08/2016 04:25:59
राहु	08/08/2016 13:26:13
गुरु	15/08/2016 02:46:25

सूर्य - केतु - केतु

केतु	15/08/2016 13:13:01
शुक्र	16/08/2016 19:03:09
सूर्य	17/08/2016 04:00:11
चन्द्र	17/08/2016 18:55:15
मंगल	18/08/2016 05:21:47
राहु	19/08/2016 08:12:54
गुरु	20/08/2016 08:05:00
शनि	21/08/2016 12:25:37
बुध	22/08/2016 13:47:13

सूर्य - केतु - शुक्र

शुक्र	26/08/2016 03:01:57
सूर्य	27/08/2016 04:36:21
चन्द्र	28/08/2016 23:13:41
मंगल	30/08/2016 05:03:49
राहु	02/09/2016 09:47:01
गुरु	05/09/2016 05:58:45
शनि	08/09/2016 14:57:41
बुध	11/09/2016 15:25:09
केतु	12/09/2016 21:15:17

सूर्य - केतु - सूर्य

सूर्य	13/09/2016 04:55:36
चन्द्र	13/09/2016 17:42:48
मंगल	14/09/2016 02:39:50
राहु	15/09/2016 01:40:47
गुरु	15/09/2016 22:08:18
शनि	16/09/2016 22:25:58
बुध	17/09/2016 20:10:12
केतु	18/09/2016 05:07:14
शुक्र	19/09/2016 06:41:38

सूर्य - केतु - चन्द्र

चन्द्र	20/09/2016 04:00:21
मंगल	20/09/2016 18:55:25
राहु	22/09/2016 09:17:01
गुरु	23/09/2016 19:22:53
शनि	25/09/2016 11:52:21
बुध	27/09/2016 00:06:05
केतु	27/09/2016 15:01:09
शुक्र	29/09/2016 09:38:29
सूर्य	29/09/2016 22:25:41

सूर्य - केतु - मंगल

मंगल	30/09/2016 08:52:13
राहु	01/10/2016 11:43:20
गुरु	02/10/2016 11:35:26
शनि	03/10/2016 15:56:03
बुध	04/10/2016 17:17:39
केतु	05/10/2016 03:44:11
शुक्र	06/10/2016 09:34:19
सूर्य	06/10/2016 18:31:21
चन्द्र	07/10/2016 09:26:25

सूर्य - केतु - राहु

राहु	10/10/2016 06:29:21
गुरु	12/10/2016 19:51:54
शनि	15/10/2016 20:44:56
बुध	18/10/2016 13:57:39
केतु	19/10/2016 16:48:46
शुक्र	22/10/2016 21:31:58
सूर्य	23/10/2016 20:32:55
चन्द्र	25/10/2016 10:54:31
मंगल	26/10/2016 13:45:38

सूर्य - केतु - गुरु

गुरु	28/10/2016 20:19:04
शनि	31/10/2016 13:06:12
बुध	02/11/2016 23:04:10
केतु	03/11/2016 22:56:16
शुक्र	06/11/2016 19:08:00
सूर्य	07/11/2016 15:35:31
चन्द्र	09/11/2016 01:41:23
मंगल	10/11/2016 01:33:29
राहु	12/11/2016 14:56:02

सूर्य - केतु - शनि

शनि	15/11/2016 19:52:04
बुध	18/11/2016 16:42:09
केतु	19/11/2016 21:02:46
शुक्र	23/11/2016 06:01:42
सूर्य	24/11/2016 06:19:22
चन्द्र	25/11/2016 22:48:50
मंगल	27/11/2016 03:09:27
राहु	30/11/2016 04:02:29
गुरु	02/12/2016 20:49:37

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - केतु - बुध

बुध	05/12/2016 10:25:01
केतु	06/12/2016 11:46:37
शुक्र	09/12/2016 12:14:05
सूर्य	10/12/2016 09:58:19
चन्द्र	11/12/2016 22:12:03
मंगल	12/12/2016 23:33:39
राहु	15/12/2016 16:46:22
गुरु	18/12/2016 02:44:20
शनि	20/12/2016 23:34:25

सूर्य - शुक्र - शुक्र

शुक्र	31/12/2016 03:07:49
सूर्य	03/01/2017 04:11:49
चन्द्र	08/01/2017 05:58:29
मंगल	11/01/2017 19:13:09
राहु	20/01/2017 22:25:09
गुरु	29/01/2017 01:15:49
शनि	07/02/2017 16:38:29
बुध	16/02/2017 07:39:49
केतु	19/02/2017 20:54:29

सूर्य - शुक्र - सूर्य

सूर्य	20/02/2017 18:49:41
चन्द्र	22/02/2017 07:21:41
मंगल	23/02/2017 08:56:05
राहु	26/02/2017 02:41:41
गुरु	28/02/2017 13:08:53
शनि	03/03/2017 10:33:41
बुध	06/03/2017 00:40:05
केतु	07/03/2017 02:14:29
शुक्र	10/03/2017 03:18:29

सूर्य - शुक्र - चन्द्र

चन्द्र	12/03/2017 16:11:49
मंगल	14/03/2017 10:49:09
राहु	19/03/2017 00:25:09
गुरु	23/03/2017 01:50:29
शनि	27/03/2017 21:31:49
बुध	01/04/2017 05:02:29
केतु	02/04/2017 23:39:49
शुक्र	08/04/2017 01:26:29
सूर्य	09/04/2017 13:58:29

सूर्य - शुक्र - मंगल

मंगल	10/04/2017 19:48:37
राहु	14/04/2017 00:31:49
गुरु	16/04/2017 20:43:33
शनि	20/04/2017 05:42:29
बुध	23/04/2017 06:09:57
केतु	24/04/2017 12:00:05
शुक्र	28/04/2017 01:14:45
सूर्य	29/04/2017 02:49:09
चन्द्र	30/04/2017 21:26:29

सूर्य - शुक्र - राहु

राहु	09/05/2017 02:43:17
गुरु	16/05/2017 10:04:53
शनि	25/05/2017 02:19:17
बुध	01/06/2017 20:38:29
केतु	05/06/2017 01:21:41
शुक्र	14/06/2017 04:33:41
सूर्य	16/06/2017 22:19:17
चन्द्र	21/06/2017 11:55:17
मंगल	24/06/2017 16:38:29

सूर्य - शुक्र - गुरु

गुरु	01/07/2017 04:31:01
शनि	08/07/2017 21:37:09
बुध	15/07/2017 19:14:13
केतु	18/07/2017 15:25:57
शुक्र	26/07/2017 18:16:37
सूर्य	29/07/2017 04:43:49
चन्द्र	02/08/2017 06:09:09
मंगल	05/08/2017 02:20:53
राहु	12/08/2017 09:42:29

सूर्य - शुक्र - शनि

शनि	21/08/2017 13:31:01
बुध	29/08/2017 18:11:17
केतु	02/09/2017 03:10:13
शुक्र	11/09/2017 18:32:53
सूर्य	14/09/2017 15:57:41
चन्द्र	19/09/2017 11:39:01
मंगल	22/09/2017 20:37:57
राहु	01/10/2017 12:52:21
गुरु	09/10/2017 05:58:29

सूर्य - शुक्र - बुध

बुध	16/10/2017 13:56:37
केतु	19/10/2017 14:24:05
शुक्र	28/10/2017 05:25:25
सूर्य	30/10/2017 19:31:49
चन्द्र	04/11/2017 03:02:29
मंगल	07/11/2017 03:29:57
राहु	14/11/2017 21:49:09
गुरु	21/11/2017 19:26:13
शनि	30/11/2017 00:06:29

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - बुध - शनि - सूर्य

सूर्य	22/07/2016 21:12:42
चन्द्र	23/07/2016 02:07:42
मंगल	23/07/2016 05:34:12
राहु	23/07/2016 14:25:12
गुरु	23/07/2016 22:17:12
शनि	24/07/2016 07:37:42
बुध	24/07/2016 15:59:12
केतु	24/07/2016 19:25:42
शुक्र	25/07/2016 05:15:42

सूर्य - बुध - शनि - चन्द्र

चन्द्र	25/07/2016 13:27:26
मंगल	25/07/2016 19:11:36
राहु	26/07/2016 09:56:37
गुरु	26/07/2016 23:03:18
शनि	27/07/2016 14:37:29
बुध	28/07/2016 04:33:20
केतु	28/07/2016 10:17:30
शुक्र	29/07/2016 02:40:51
सूर्य	29/07/2016 07:35:51

सूर्य - बुध - शनि - मंगल

मंगल	29/07/2016 11:36:49
राहु	29/07/2016 21:56:19
गुरु	30/07/2016 07:06:59
शनि	30/07/2016 18:00:54
बुध	31/07/2016 03:45:59
केतु	31/07/2016 07:46:54
शुक्र	31/07/2016 19:15:14
सूर्य	31/07/2016 22:41:44
चन्द्र	01/08/2016 04:25:54

सूर्य - बुध - शनि - राहु

राहु	02/08/2016 06:59:01
गुरु	03/08/2016 06:35:02
शनि	04/08/2016 10:36:34
बुध	05/08/2016 11:41:05
केतु	05/08/2016 22:00:35
शुक्र	07/08/2016 03:30:37
सूर्य	07/08/2016 12:21:37
चन्द्र	08/08/2016 03:06:38
मंगल	08/08/2016 13:26:08

सूर्य - बुध - शनि - गुरु

गुरु	09/08/2016 10:24:54
शनि	10/08/2016 11:19:35
बुध	11/08/2016 09:36:56
केतु	11/08/2016 18:47:36
शुक्र	12/08/2016 21:00:58
सूर्य	13/08/2016 04:52:58
चन्द्र	13/08/2016 17:59:39
मंगल	14/08/2016 03:10:19
राहु	15/08/2016 02:46:20

सूर्य - केतु - केतु - केतु

केतु	15/08/2016 03:23:01
शुक्र	15/08/2016 05:07:26
सूर्य	15/08/2016 05:38:45
चन्द्र	15/08/2016 06:30:57
मंगल	15/08/2016 07:07:29
राहु	15/08/2016 08:41:27
गुरु	15/08/2016 10:04:59
शनि	15/08/2016 11:44:11
बुध	15/08/2016 13:12:56

सूर्य - केतु - केतु - शुक्र

शुक्र	15/08/2016 18:11:22
सूर्य	15/08/2016 19:40:52
चन्द्र	15/08/2016 22:10:02
मंगल	15/08/2016 23:54:27
राहु	16/08/2016 04:22:58
गुरु	16/08/2016 08:21:39
शनि	16/08/2016 13:05:05
बुध	16/08/2016 17:18:41
केतु	16/08/2016 19:03:06

सूर्य - केतु - केतु - सूर्य

सूर्य	16/08/2016 19:30:00
चन्द्र	16/08/2016 20:14:45
मंगल	16/08/2016 20:46:04
राहु	16/08/2016 22:06:37
गुरु	16/08/2016 23:18:13
शनि	17/08/2016 00:43:14
बुध	17/08/2016 01:59:18
केतु	17/08/2016 02:30:37
शुक्र	17/08/2016 04:00:07

सूर्य - केतु - केतु - चन्द्र

चन्द्र	17/08/2016 05:14:46
मंगल	17/08/2016 06:06:58
राहु	17/08/2016 08:21:13
गुरु	17/08/2016 10:20:33
शनि	17/08/2016 12:42:16
बुध	17/08/2016 14:49:04
केतु	17/08/2016 15:41:16
शुक्र	17/08/2016 18:10:26
सूर्य	17/08/2016 18:55:11

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - केतु - केतु - मंगल

मंगल	17/08/2016 19:31:47
राहु	17/08/2016 21:05:45
गुरु	17/08/2016 22:29:17
शनि	18/08/2016 00:08:29
बुध	18/08/2016 01:37:14
केतु	18/08/2016 02:13:46
शुक्र	18/08/2016 03:58:11
सूर्य	18/08/2016 04:29:30
चन्द्र	18/08/2016 05:21:42

सूर्य - केतु - केतु - राहु

राहु	18/08/2016 09:23:27
गुरु	18/08/2016 12:58:15
शनि	18/08/2016 17:13:20
बुध	18/08/2016 21:01:34
केतु	18/08/2016 22:35:32
शुक्र	19/08/2016 03:04:03
सूर्य	19/08/2016 04:24:36
चन्द्र	19/08/2016 06:38:51
मंगल	19/08/2016 08:12:49

सूर्य - केतु - केतु - गुरु

गुरु	19/08/2016 11:23:50
शनि	19/08/2016 15:10:34
बुध	19/08/2016 18:33:26
केतु	19/08/2016 19:56:58
शुक्र	19/08/2016 23:55:39
सूर्य	20/08/2016 01:07:15
चन्द्र	20/08/2016 03:06:35
मंगल	20/08/2016 04:30:07
राहु	20/08/2016 08:04:55

सूर्य - केतु - केतु - शनि

शनि	20/08/2016 12:34:15
बुध	20/08/2016 16:35:10
केतु	20/08/2016 18:14:22
शुक्र	20/08/2016 22:57:48
सूर्य	21/08/2016 00:22:49
चन्द्र	21/08/2016 02:44:32
मंगल	21/08/2016 04:23:44
राहु	21/08/2016 08:38:49
गुरु	21/08/2016 12:25:33

सूर्य - केतु - केतु - बुध

बुध	21/08/2016 16:01:10
केतु	21/08/2016 17:29:55
शुक्र	21/08/2016 21:43:31
सूर्य	21/08/2016 22:59:35
चन्द्र	22/08/2016 01:06:23
मंगल	22/08/2016 02:35:08
राहु	22/08/2016 06:23:22
गुरु	22/08/2016 09:46:14
शनि	22/08/2016 13:47:09

सूर्य - केतु - शुक्र - शुक्र

शुक्र	23/08/2016 03:59:43
सूर्य	23/08/2016 08:15:27
चन्द्र	23/08/2016 15:21:40
मंगल	23/08/2016 20:20:01
राहु	24/08/2016 09:07:13
गुरु	24/08/2016 20:29:10
शनि	25/08/2016 09:58:59
बुध	25/08/2016 22:03:33
केतु	26/08/2016 03:01:54

सूर्य - केतु - शुक्र - सूर्य

सूर्य	26/08/2016 04:18:40
चन्द्र	26/08/2016 06:26:32
मंगल	26/08/2016 07:56:02
राहु	26/08/2016 11:46:11
गुरु	26/08/2016 15:10:46
शनि	26/08/2016 19:13:42
बुध	26/08/2016 22:51:04
केतु	27/08/2016 00:20:34
शुक्र	27/08/2016 04:36:18

सूर्य - केतु - शुक्र - चन्द्र

चन्द्र	27/08/2016 08:09:27
मंगल	27/08/2016 10:38:37
राहु	27/08/2016 17:02:13
गुरु	27/08/2016 22:43:11
शनि	28/08/2016 05:28:05
बुध	28/08/2016 11:30:22
केतु	28/08/2016 13:59:32
शुक्र	28/08/2016 21:05:45
सूर्य	28/08/2016 23:13:37

सूर्य - केतु - शुक्र - मंगल

मंगल	29/08/2016 00:58:06
राहु	29/08/2016 05:26:37
गुरु	29/08/2016 09:25:18
शनि	29/08/2016 14:08:44
बुध	29/08/2016 18:22:20
केतु	29/08/2016 20:06:45
शुक्र	30/08/2016 01:05:06
सूर्य	30/08/2016 02:34:36
चन्द्र	30/08/2016 05:03:46

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - केतु - शुक्र - राहु

राहु	30/08/2016 16:34:17
गुरु	31/08/2016 02:48:02
शनि	31/08/2016 14:56:52
बुध	01/09/2016 01:48:59
केतु	01/09/2016 06:17:30
शुक्र	01/09/2016 19:04:42
सूर्य	01/09/2016 22:54:51
चन्द्र	02/09/2016 05:18:27
मंगल	02/09/2016 09:46:58

सूर्य - केतु - शुक्र - गुरु

गुरु	02/09/2016 18:52:34
शनि	03/09/2016 05:40:25
बुध	03/09/2016 15:20:04
केतु	03/09/2016 19:18:45
शुक्र	04/09/2016 06:40:42
सूर्य	04/09/2016 10:05:17
चन्द्र	04/09/2016 15:46:15
मंगल	04/09/2016 19:44:56
राहु	05/09/2016 05:58:41

सूर्य - केतु - शुक्र - शनि

शनि	05/09/2016 18:48:04
बुध	06/09/2016 06:16:24
केतु	06/09/2016 10:59:50
शुक्र	07/09/2016 00:29:39
सूर्य	07/09/2016 04:32:35
चन्द्र	07/09/2016 11:17:29
मंगल	07/09/2016 16:00:55
राहु	08/09/2016 04:09:45
गुरु	08/09/2016 14:57:36

सूर्य - केतु - शुक्र - बुध

बुध	09/09/2016 01:13:34
केतु	09/09/2016 05:27:10
शुक्र	09/09/2016 17:31:44
सूर्य	09/09/2016 21:09:06
चन्द्र	10/09/2016 03:11:23
मंगल	10/09/2016 07:24:59
राहु	10/09/2016 18:17:06
गुरु	11/09/2016 03:56:45
शनि	11/09/2016 15:25:05

सूर्य - केतु - शुक्र - केतु

केतु	11/09/2016 17:09:34
शुक्र	11/09/2016 22:07:55
सूर्य	11/09/2016 23:37:25
चन्द्र	12/09/2016 02:06:35
मंगल	12/09/2016 03:51:00
राहु	12/09/2016 08:19:31
गुरु	12/09/2016 12:18:12
शनि	12/09/2016 17:01:38
बुध	12/09/2016 21:15:14

सूर्य - केतु - सूर्य - सूर्य

सूर्य	12/09/2016 21:38:17
चन्द्र	12/09/2016 22:16:38
मंगल	12/09/2016 22:43:29
राहु	12/09/2016 23:52:31
गुरु	13/09/2016 00:53:53
शनि	13/09/2016 02:06:46
बुध	13/09/2016 03:11:58
केतु	13/09/2016 03:38:49
शुक्र	13/09/2016 04:55:32

सूर्य - केतु - सूर्य - चन्द्र

चन्द्र	13/09/2016 05:59:32
मंगल	13/09/2016 06:44:17
राहु	13/09/2016 08:39:21
गुरु	13/09/2016 10:21:38
शनि	13/09/2016 12:23:06
बुध	13/09/2016 14:11:47
केतु	13/09/2016 14:56:32
शुक्र	13/09/2016 17:04:24
सूर्य	13/09/2016 17:42:45

सूर्य - केतु - सूर्य - मंगल

मंगल	13/09/2016 18:14:07
राहु	13/09/2016 19:34:40
गुरु	13/09/2016 20:46:16
शनि	13/09/2016 22:11:17
बुध	13/09/2016 23:27:21
केतु	13/09/2016 23:58:40
शुक्र	14/09/2016 01:28:10
सूर्य	14/09/2016 01:55:01
चन्द्र	14/09/2016 02:39:46

सूर्य - केतु - सूर्य - राहु

राहु	14/09/2016 06:06:58
गुरु	14/09/2016 09:11:05
शनि	14/09/2016 12:49:44
बुध	14/09/2016 16:05:22
केतु	14/09/2016 17:25:55
शुक्र	14/09/2016 21:16:04
सूर्य	14/09/2016 22:25:06
चन्द्र	15/09/2016 00:20:10
मंगल	15/09/2016 01:40:43

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - केतु - सूर्य - गुरु

गुरु	15/09/2016 04:24:27
शनि	15/09/2016 07:38:48
बुध	15/09/2016 10:32:41
केतु	15/09/2016 11:44:17
शुक्र	15/09/2016 15:08:52
सूर्य	15/09/2016 16:10:14
चन्द्र	15/09/2016 17:52:31
मंगल	15/09/2016 19:04:07
राहु	15/09/2016 22:08:14

सूर्य - केतु - सूर्य - शनि

शनि	16/09/2016 01:59:05
बुध	16/09/2016 05:25:35
केतु	16/09/2016 06:50:36
शुक्र	16/09/2016 10:53:32
सूर्य	16/09/2016 12:06:25
चन्द्र	16/09/2016 14:07:53
मंगल	16/09/2016 15:32:54
राहु	16/09/2016 19:11:33
गुरु	16/09/2016 22:25:54

सूर्य - केतु - सूर्य - बुध

बुध	17/09/2016 01:30:43
केतु	17/09/2016 02:46:47
शुक्र	17/09/2016 06:24:09
सूर्य	17/09/2016 07:29:21
चन्द्र	17/09/2016 09:18:02
मंगल	17/09/2016 10:34:06
राहु	17/09/2016 13:49:44
गुरु	17/09/2016 16:43:37
शनि	17/09/2016 20:10:07

सूर्य - केतु - सूर्य - केतु

केतु	17/09/2016 20:41:31
शुक्र	17/09/2016 22:11:01
सूर्य	17/09/2016 22:37:52
चन्द्र	17/09/2016 23:22:37
मंगल	17/09/2016 23:53:56
राहु	18/09/2016 01:14:29
गुरु	18/09/2016 02:26:05
शनि	18/09/2016 03:51:06
बुध	18/09/2016 05:07:10

सूर्य - केतु - सूर्य - शुक्र

शुक्र	18/09/2016 09:22:58
सूर्य	18/09/2016 10:39:41
चन्द्र	18/09/2016 12:47:33
मंगल	18/09/2016 14:17:03
राहु	18/09/2016 18:07:12
गुरु	18/09/2016 21:31:47
शनि	19/09/2016 01:34:43
बुध	19/09/2016 05:12:05
केतु	19/09/2016 06:41:35

सूर्य - केतु - चन्द्र - चन्द्र

चन्द्र	19/09/2016 08:28:14
मंगल	19/09/2016 09:42:49
राहु	19/09/2016 12:54:37
गुरु	19/09/2016 15:45:06
शनि	19/09/2016 19:07:33
बुध	19/09/2016 22:08:41
केतु	19/09/2016 23:23:16
शुक्र	20/09/2016 02:56:22
सूर्य	20/09/2016 04:00:18

सूर्य - केतु - चन्द्र - मंगल

मंगल	20/09/2016 04:52:33
राहु	20/09/2016 07:06:48
गुरु	20/09/2016 09:06:08
शनि	20/09/2016 11:27:51
बुध	20/09/2016 13:34:39
केतु	20/09/2016 14:26:51
शुक्र	20/09/2016 16:56:01
सूर्य	20/09/2016 17:40:46
चन्द्र	20/09/2016 18:55:21

सूर्य - केतु - चन्द्र - राहु

राहु	21/09/2016 00:40:39
गुरु	21/09/2016 05:47:31
शनि	21/09/2016 11:51:56
बुध	21/09/2016 17:17:59
केतु	21/09/2016 19:32:14
शुक्र	22/09/2016 01:55:50
सूर्य	22/09/2016 03:50:54
चन्द्र	22/09/2016 07:02:42
मंगल	22/09/2016 09:16:57

सूर्य - केतु - चन्द्र - गुरु

गुरु	22/09/2016 13:49:47
शनि	22/09/2016 19:13:42
बुध	23/09/2016 00:03:31
केतु	23/09/2016 02:02:51
शुक्र	23/09/2016 07:43:49
सूर्य	23/09/2016 09:26:06
चन्द्र	23/09/2016 12:16:35
मंगल	23/09/2016 14:15:55
राहु	23/09/2016 19:22:47

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - केतु - चन्द्र - शनि

शनि	24/09/2016 01:47:32
बुध	24/09/2016 07:31:42
केतु	24/09/2016 09:53:25
शुक्र	24/09/2016 16:38:19
सूर्य	24/09/2016 18:39:47
चन्द्र	24/09/2016 22:02:14
मंगल	25/09/2016 00:23:57
राहु	25/09/2016 06:28:22
गुरु	25/09/2016 11:52:17

सूर्य - केतु - चन्द्र - बुध

बुध	25/09/2016 17:00:17
केतु	25/09/2016 19:07:05
शुक्र	26/09/2016 01:09:22
सूर्य	26/09/2016 02:58:03
चन्द्र	26/09/2016 05:59:11
मंगल	26/09/2016 08:05:59
राहु	26/09/2016 13:32:02
गुरु	26/09/2016 18:21:51
शनि	27/09/2016 00:06:01

सूर्य - केतु - चन्द्र - केतु

केतु	27/09/2016 00:58:17
शुक्र	27/09/2016 03:27:27
सूर्य	27/09/2016 04:12:12
चन्द्र	27/09/2016 05:26:47
मंगल	27/09/2016 06:18:59
राहु	27/09/2016 08:33:14
गुरु	27/09/2016 10:32:34
शनि	27/09/2016 12:54:17
बुध	27/09/2016 15:01:05

सूर्य - केतु - चन्द्र - शुक्र

शुक्र	27/09/2016 22:07:22
सूर्य	28/09/2016 00:15:14
चन्द्र	28/09/2016 03:48:20
मंगल	28/09/2016 06:17:30
राहु	28/09/2016 12:41:06
गुरु	28/09/2016 18:22:04
शनि	29/09/2016 01:06:58
बुध	29/09/2016 07:09:15
केतु	29/09/2016 09:38:25

सूर्य - केतु - चन्द्र - सूर्य

सूर्य	29/09/2016 10:16:50
चन्द्र	29/09/2016 11:20:46
मंगल	29/09/2016 12:05:31
राहु	29/09/2016 14:00:35
गुरु	29/09/2016 15:42:52
शनि	29/09/2016 17:44:20
बुध	29/09/2016 19:33:01
केतु	29/09/2016 20:17:46
शुक्र	29/09/2016 22:25:38

सूर्य - केतु - मंगल - मंगल

मंगल	29/09/2016 23:02:13
राहु	30/09/2016 00:36:11
गुरु	30/09/2016 01:59:43
शनि	30/09/2016 03:38:55
बुध	30/09/2016 05:07:40
केतु	30/09/2016 05:44:12
शुक्र	30/09/2016 07:28:37
सूर्य	30/09/2016 07:59:56
चन्द्र	30/09/2016 08:52:08

सूर्य - केतु - मंगल - राहु

राहु	30/09/2016 12:53:53
गुरु	30/09/2016 16:28:41
शनि	30/09/2016 20:43:46
बुध	01/10/2016 00:32:00
केतु	01/10/2016 02:05:58
शुक्र	01/10/2016 06:34:29
सूर्य	01/10/2016 07:55:02
चन्द्र	01/10/2016 10:09:17
मंगल	01/10/2016 11:43:15

सूर्य - केतु - मंगल - गुरु

गुरु	01/10/2016 14:54:16
शनि	01/10/2016 18:41:00
बुध	01/10/2016 22:03:52
केतु	01/10/2016 23:27:24
शुक्र	02/10/2016 03:26:05
सूर्य	02/10/2016 04:37:41
चन्द्र	02/10/2016 06:37:01
मंगल	02/10/2016 08:00:33
राहु	02/10/2016 11:35:21

सूर्य - केतु - मंगल - शनि

शनि	02/10/2016 16:04:41
बुध	02/10/2016 20:05:36
केतु	02/10/2016 21:44:48
शुक्र	03/10/2016 02:28:14
सूर्य	03/10/2016 03:53:15
चन्द्र	03/10/2016 06:14:58
मंगल	03/10/2016 07:54:10
राहु	03/10/2016 12:09:15
गुरु	03/10/2016 15:55:59

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - केतु - मंगल - बुध

बुध	03/10/2016 19:31:36
केतु	03/10/2016 21:00:21
शुक्र	04/10/2016 01:13:57
सूर्य	04/10/2016 02:30:01
चन्द्र	04/10/2016 04:36:49
मंगल	04/10/2016 06:05:34
राहु	04/10/2016 09:53:48
गुरु	04/10/2016 13:16:40
शनि	04/10/2016 17:17:35

सूर्य - केतु - मंगल - केतु

केतु	04/10/2016 17:54:11
शुक्र	04/10/2016 19:38:36
सूर्य	04/10/2016 20:09:55
चन्द्र	04/10/2016 21:02:07
मंगल	04/10/2016 21:38:39
राहु	04/10/2016 23:12:37
गुरु	05/10/2016 00:36:09
शनि	05/10/2016 02:15:21
बुध	05/10/2016 03:44:06

सूर्य - केतु - मंगल - शुक्र

शुक्र	05/10/2016 08:42:32
सूर्य	05/10/2016 10:12:02
चन्द्र	05/10/2016 12:41:12
मंगल	05/10/2016 14:25:37
राहु	05/10/2016 18:54:08
गुरु	05/10/2016 22:52:49
शनि	06/10/2016 03:36:15
बुध	06/10/2016 07:49:51
केतु	06/10/2016 09:34:16

सूर्य - केतु - मंगल - सूर्य

सूर्य	06/10/2016 10:01:10
चन्द्र	06/10/2016 10:45:55
मंगल	06/10/2016 11:17:14
राहु	06/10/2016 12:37:47
गुरु	06/10/2016 13:49:23
शनि	06/10/2016 15:14:24
बुध	06/10/2016 16:30:28
केतु	06/10/2016 17:01:47
शुक्र	06/10/2016 18:31:17

सूर्य - केतु - मंगल - चन्द्र

चन्द्र	06/10/2016 19:45:56
मंगल	06/10/2016 20:38:08
राहु	06/10/2016 22:52:23
गुरु	07/10/2016 00:51:43
शनि	07/10/2016 03:13:26
बुध	07/10/2016 05:20:14
केतु	07/10/2016 06:12:26
शुक्र	07/10/2016 08:41:36
सूर्य	07/10/2016 09:26:21

सूर्य - केतु - राहु - राहु

राहु	07/10/2016 19:47:54
गुरु	08/10/2016 05:00:16
शनि	08/10/2016 15:56:13
बुध	09/10/2016 01:43:07
केतु	09/10/2016 05:44:47
शुक्र	09/10/2016 17:15:15
सूर्य	09/10/2016 20:42:23
चन्द्र	10/10/2016 02:27:37
मंगल	10/10/2016 06:29:17

सूर्य - केतु - राहु - गुरु

गुरु	10/10/2016 14:40:21
शनि	11/10/2016 00:23:25
बुध	11/10/2016 09:05:06
केतु	11/10/2016 12:39:54
शुक्र	11/10/2016 22:53:39
सूर्य	12/10/2016 01:57:46
चन्द्र	12/10/2016 07:04:38
मंगल	12/10/2016 10:39:26
राहु	12/10/2016 19:51:48

सूर्य - केतु - राहु - शनि

शनि	13/10/2016 07:24:17
बुध	13/10/2016 17:43:47
केतु	13/10/2016 21:58:52
शुक्र	14/10/2016 10:07:42
सूर्य	14/10/2016 13:46:21
चन्द्र	14/10/2016 19:50:46
मंगल	15/10/2016 00:05:51
राहु	15/10/2016 11:01:48
गुरु	15/10/2016 20:44:52

सूर्य - केतु - राहु - बुध

बुध	16/10/2016 05:59:14
केतु	16/10/2016 09:47:28
शुक्र	16/10/2016 20:39:35
सूर्य	16/10/2016 23:55:13
चन्द्र	17/10/2016 05:21:16
मंगल	17/10/2016 09:09:30
राहु	17/10/2016 18:56:24
गुरु	18/10/2016 03:38:05
शनि	18/10/2016 13:57:35

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - केतु - राहु - केतु

केतु	18/10/2016 15:31:37
शुक्र	18/10/2016 20:00:08
सूर्य	18/10/2016 21:20:41
चन्द्र	18/10/2016 23:34:56
मंगल	19/10/2016 01:08:54
राहु	19/10/2016 05:10:34
गुरु	19/10/2016 08:45:22
शनि	19/10/2016 13:00:27
बुध	19/10/2016 16:48:41

सूर्य - केतु - राहु - शुक्र

शुक्र	20/10/2016 05:35:58
सूर्य	20/10/2016 09:26:07
चन्द्र	20/10/2016 15:49:43
मंगल	20/10/2016 20:18:14
राहु	21/10/2016 07:48:42
गुरु	21/10/2016 18:02:27
शनि	22/10/2016 06:11:17
बुध	22/10/2016 17:03:24
केतु	22/10/2016 21:31:55

सूर्य - केतु - राहु - सूर्य

सूर्य	22/10/2016 22:41:00
चन्द्र	23/10/2016 00:36:04
मंगल	23/10/2016 01:56:37
राहु	23/10/2016 05:23:45
गुरु	23/10/2016 08:27:52
शनि	23/10/2016 12:06:31
बुध	23/10/2016 15:22:09
केतु	23/10/2016 16:42:42
शुक्र	23/10/2016 20:32:51

सूर्य - केतु - राहु - चन्द्र

चन्द्र	23/10/2016 23:44:43
मंगल	24/10/2016 01:58:58
राहु	24/10/2016 07:44:12
गुरु	24/10/2016 12:51:04
शनि	24/10/2016 18:55:29
बुध	25/10/2016 00:21:32
केतु	25/10/2016 02:35:47
शुक्र	25/10/2016 08:59:23
सूर्य	25/10/2016 10:54:27

सूर्य - केतु - राहु - मंगल

मंगल	25/10/2016 12:28:29
राहु	25/10/2016 16:30:09
गुरु	25/10/2016 20:04:57
शनि	26/10/2016 00:20:02
बुध	26/10/2016 04:08:16
केतु	26/10/2016 05:42:14
शुक्र	26/10/2016 10:10:45
सूर्य	26/10/2016 11:31:18
चन्द्र	26/10/2016 13:45:33

सूर्य - केतु - गुरु - गुरु

गुरु	26/10/2016 21:02:08
शनि	27/10/2016 05:40:25
बुध	27/10/2016 13:24:08
केतु	27/10/2016 16:35:04
शुक्र	28/10/2016 01:40:37
सूर्य	28/10/2016 04:24:17
चन्द्र	28/10/2016 08:57:03
मंगल	28/10/2016 12:07:59
राहु	28/10/2016 20:18:59

सूर्य - केतु - गुरु - शनि

शनि	29/10/2016 06:34:31
बुध	29/10/2016 15:45:11
केतु	29/10/2016 19:31:55
शुक्र	30/10/2016 06:19:46
सूर्य	30/10/2016 09:34:07
चन्द्र	30/10/2016 14:58:02
मंगल	30/10/2016 18:44:46
राहु	31/10/2016 04:27:50
गुरु	31/10/2016 13:06:07

सूर्य - केतु - गुरु - बुध

बुध	31/10/2016 21:18:54
केतु	01/11/2016 00:41:46
शुक्र	01/11/2016 10:21:25
सूर्य	01/11/2016 13:15:18
चन्द्र	01/11/2016 18:05:07
मंगल	01/11/2016 21:27:59
राहु	02/11/2016 06:09:40
गुरु	02/11/2016 13:53:23
शनि	02/11/2016 23:04:03

सूर्य - केतु - गुरु - केतु

केतु	03/11/2016 00:27:42
शुक्र	03/11/2016 04:26:23
सूर्य	03/11/2016 05:37:59
चन्द्र	03/11/2016 07:37:19
मंगल	03/11/2016 09:00:51
राहु	03/11/2016 12:35:39
गुरु	03/11/2016 15:46:35
शनि	03/11/2016 19:33:19
बुध	03/11/2016 22:56:11

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - केतु - गुरु - शुक्र

शुक्र	04/11/2016 10:18:13
सूर्य	04/11/2016 13:42:48
चन्द्र	04/11/2016 19:23:46
मंगल	04/11/2016 23:22:27
राहु	05/11/2016 09:36:12
गुरु	05/11/2016 18:41:45
शनि	06/11/2016 05:29:36
बुध	06/11/2016 15:09:15
केतु	06/11/2016 19:07:56

सूर्य - केतु - गुरु - सूर्य

सूर्य	06/11/2016 20:09:22
चन्द्र	06/11/2016 21:51:39
मंगल	06/11/2016 23:03:15
राहु	07/11/2016 02:07:22
गुरु	07/11/2016 04:51:02
शनि	07/11/2016 08:05:23
बुध	07/11/2016 10:59:16
केतु	07/11/2016 12:10:52
शुक्र	07/11/2016 15:35:27

सूर्य - केतु - गुरु - चन्द्र

चन्द्र	07/11/2016 18:26:00
मंगल	07/11/2016 20:25:20
राहु	08/11/2016 01:32:12
गुरु	08/11/2016 06:04:58
शनि	08/11/2016 11:28:53
बुध	08/11/2016 16:18:42
केतु	08/11/2016 18:18:02
शुक्र	08/11/2016 23:59:00
सूर्य	09/11/2016 01:41:17

सूर्य - केतु - गुरु - मंगल

मंगल	09/11/2016 03:04:55
राहु	09/11/2016 06:39:43
गुरु	09/11/2016 09:50:39
शनि	09/11/2016 13:37:23
बुध	09/11/2016 17:00:15
केतु	09/11/2016 18:23:47
शुक्र	09/11/2016 22:22:28
सूर्य	09/11/2016 23:34:04
चन्द्र	10/11/2016 01:33:24

सूर्य - केतु - गुरु - राहु

राहु	10/11/2016 10:45:51
गुरु	10/11/2016 18:56:51
शनि	11/11/2016 04:39:55
बुध	11/11/2016 13:21:36
केतु	11/11/2016 16:56:24
शुक्र	12/11/2016 03:10:09
सूर्य	12/11/2016 06:14:16
चन्द्र	12/11/2016 11:21:08
मंगल	12/11/2016 14:55:56

सूर्य - केतु - शनि - शनि

शनि	13/11/2016 03:06:56
बुध	13/11/2016 14:00:51
केतु	13/11/2016 18:30:06
शुक्र	14/11/2016 07:19:25
सूर्य	14/11/2016 11:10:12
चन्द्र	14/11/2016 17:34:51
मंगल	14/11/2016 22:04:06
राहु	15/11/2016 09:36:29
गुरु	15/11/2016 19:51:56

सूर्य - केतु - शनि - बुध

बुध	16/11/2016 05:37:09
केतु	16/11/2016 09:38:04
शुक्र	16/11/2016 21:06:24
सूर्य	17/11/2016 00:32:54
चन्द्र	17/11/2016 06:17:04
मंगल	17/11/2016 10:17:59
राहु	17/11/2016 20:37:29
गुरु	18/11/2016 05:48:09
शनि	18/11/2016 16:42:04

सूर्य - केतु - शनि - केतु

केतु	18/11/2016 18:21:21
शुक्र	18/11/2016 23:04:47
सूर्य	19/11/2016 00:29:48
चन्द्र	19/11/2016 02:51:31
मंगल	19/11/2016 04:30:43
राहु	19/11/2016 08:45:48
गुरु	19/11/2016 12:32:32
शनि	19/11/2016 17:01:47
बुध	19/11/2016 21:02:42

सूर्य - केतु - शनि - शुक्र

शुक्र	20/11/2016 10:32:35
सूर्य	20/11/2016 14:35:31
चन्द्र	20/11/2016 21:20:25
मंगल	21/11/2016 02:03:51
राहु	21/11/2016 14:12:41
गुरु	22/11/2016 01:00:32
शनि	22/11/2016 13:49:51
बुध	23/11/2016 01:18:11
केतु	23/11/2016 06:01:37

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - केतु - शनि - सूर्य

सूर्य	23/11/2016 07:14:35
चन्द्र	23/11/2016 09:16:03
मंगल	23/11/2016 10:41:04
राहु	23/11/2016 14:19:43
गुरु	23/11/2016 17:34:04
शनि	23/11/2016 21:24:51
बुध	24/11/2016 00:51:21
केतु	24/11/2016 02:16:22
शुक्र	24/11/2016 06:19:18

सूर्य - केतु - शनि - चन्द्र

चन्द्र	24/11/2016 09:41:49
मंगल	24/11/2016 12:03:32
राहु	24/11/2016 18:07:57
गुरु	24/11/2016 23:31:52
शनि	25/11/2016 05:56:31
बुध	25/11/2016 11:40:41
केतु	25/11/2016 14:02:24
शुक्र	25/11/2016 20:47:18
सूर्य	25/11/2016 22:48:46

सूर्य - केतु - शनि - मंगल

मंगल	26/11/2016 00:28:02
राहु	26/11/2016 04:43:07
गुरु	26/11/2016 08:29:51
शनि	26/11/2016 12:59:06
बुध	26/11/2016 17:00:01
केतु	26/11/2016 18:39:13
शुक्र	26/11/2016 23:22:39
सूर्य	27/11/2016 00:47:40
चन्द्र	27/11/2016 03:09:23

सूर्य - केतु - शनि - राहु

राहु	27/11/2016 14:05:24
गुरु	27/11/2016 23:48:28
शनि	28/11/2016 11:20:51
बुध	28/11/2016 21:40:21
केतु	29/11/2016 01:55:26
शुक्र	29/11/2016 14:04:16
सूर्य	29/11/2016 17:42:55
चन्द्र	29/11/2016 23:47:20
मंगल	30/11/2016 04:02:25

सूर्य - केतु - शनि - गुरु

गुरु	30/11/2016 12:40:46
शनि	30/11/2016 22:56:13
बुध	01/12/2016 08:06:53
केतु	01/12/2016 11:53:37
शुक्र	01/12/2016 22:41:28
सूर्य	02/12/2016 01:55:49
चन्द्र	02/12/2016 07:19:44
मंगल	02/12/2016 11:06:28
राहु	02/12/2016 20:49:32

सूर्य - केतु - बुध - बुध

बुध	03/12/2016 05:33:11
केतु	03/12/2016 09:08:44
शुक्र	03/12/2016 19:24:37
सूर्य	03/12/2016 22:29:23
चन्द्र	04/12/2016 03:37:19
मंगल	04/12/2016 07:12:52
राहु	04/12/2016 16:27:10
गुरु	05/12/2016 00:39:52
शनि	05/12/2016 10:24:57

सूर्य - केतु - बुध - केतु

केतु	05/12/2016 11:53:46
शुक्र	05/12/2016 16:07:22
सूर्य	05/12/2016 17:23:26
चन्द्र	05/12/2016 19:30:14
मंगल	05/12/2016 20:58:59
राहु	06/12/2016 00:47:13
गुरु	06/12/2016 04:10:05
शनि	06/12/2016 08:11:00
बुध	06/12/2016 11:46:33

सूर्य - केतु - बुध - शुक्र

शुक्र	06/12/2016 23:51:11
सूर्य	07/12/2016 03:28:33
चन्द्र	07/12/2016 09:30:50
मंगल	07/12/2016 13:44:26
राहु	08/12/2016 00:36:33
गुरु	08/12/2016 10:16:12
शनि	08/12/2016 21:44:32
बुध	09/12/2016 08:00:25
केतु	09/12/2016 12:14:01

सूर्य - केतु - बुध - सूर्य

सूर्य	09/12/2016 13:19:17
चन्द्र	09/12/2016 15:07:58
मंगल	09/12/2016 16:24:02
राहु	09/12/2016 19:39:40
गुरु	09/12/2016 22:33:33
शनि	10/12/2016 02:00:03
बुध	10/12/2016 05:04:48
केतु	10/12/2016 06:20:52
शुक्र	10/12/2016 09:58:14

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - केतु - बुध - चन्द्र

चन्द्र	10/12/2016 12:59:27
मंगल	10/12/2016 15:06:15
राहु	10/12/2016 20:32:18
गुरु	11/12/2016 01:22:07
शनि	11/12/2016 07:06:17
बुध	11/12/2016 12:14:13
केतु	11/12/2016 14:21:01
शुक्र	11/12/2016 20:23:18
सूर्य	11/12/2016 22:11:59

सूर्य - केतु - बुध - मंगल

मंगल	11/12/2016 23:40:48
राहु	12/12/2016 03:29:02
गुरु	12/12/2016 06:51:54
शनि	12/12/2016 10:52:49
बुध	12/12/2016 14:28:22
केतु	12/12/2016 15:57:07
शुक्र	12/12/2016 20:10:43
सूर्य	12/12/2016 21:26:47
चन्द्र	12/12/2016 23:33:35

सूर्य - केतु - बुध - राहु

राहु	13/12/2016 09:20:33
गुरु	13/12/2016 18:02:14
शनि	14/12/2016 04:21:44
बुध	14/12/2016 13:36:02
केतु	14/12/2016 17:24:16
शुक्र	15/12/2016 04:16:23
सूर्य	15/12/2016 07:32:01
चन्द्र	15/12/2016 12:58:04
मंगल	15/12/2016 16:46:18

सूर्य - केतु - बुध - गुरु

गुरु	16/12/2016 00:30:05
शनि	16/12/2016 09:40:45
बुध	16/12/2016 17:53:27
केतु	16/12/2016 21:16:19
शुक्र	17/12/2016 06:55:58
सूर्य	17/12/2016 09:49:51
चन्द्र	17/12/2016 14:39:40
मंगल	17/12/2016 18:02:32
राहु	18/12/2016 02:44:13

सूर्य - केतु - बुध - शनि

शनि	18/12/2016 13:38:15
बुध	18/12/2016 23:23:20
केतु	19/12/2016 03:24:15
शुक्र	19/12/2016 14:52:35
सूर्य	19/12/2016 18:19:05
चन्द्र	20/12/2016 00:03:15
मंगल	20/12/2016 04:04:10
राहु	20/12/2016 14:23:40
गुरु	20/12/2016 23:34:20

सूर्य - शुक्र - शुक्र - शुक्र

शुक्र	22/12/2016 16:10:02
सूर्य	23/12/2016 04:20:42
चन्द्र	24/12/2016 00:38:28
मंगल	24/12/2016 14:50:54
राहु	26/12/2016 03:22:54
गुरु	27/12/2016 11:51:20
शनि	29/12/2016 02:25:06
बुध	30/12/2016 12:55:19
केतु	31/12/2016 03:07:45

सूर्य - शुक्र - शुक्र - सूर्य

सूर्य	31/12/2016 06:47:01
चन्द्र	31/12/2016 12:52:21
मंगल	31/12/2016 17:08:05
राहु	01/01/2017 04:05:41
गुरु	01/01/2017 13:50:13
शनि	02/01/2017 01:24:21
बुध	02/01/2017 11:45:25
केतु	02/01/2017 16:01:09
शुक्र	03/01/2017 04:11:49

सूर्य - शुक्र - शुक्र - चन्द्र

चन्द्र	03/01/2017 14:20:42
मंगल	03/01/2017 21:26:55
राहु	04/01/2017 15:42:55
गुरु	05/01/2017 07:57:08
शनि	06/01/2017 03:14:01
बुध	06/01/2017 20:29:07
केतु	07/01/2017 03:35:20
शुक्र	07/01/2017 23:53:06
सूर्य	08/01/2017 05:58:26

सूर्य - शुक्र - शुक्र - मंगल

मंगल	08/01/2017 10:56:50
राहु	08/01/2017 23:44:02
गुरु	09/01/2017 11:05:59
शनि	10/01/2017 00:35:48
बुध	10/01/2017 12:40:22
केतु	10/01/2017 17:38:43
शुक्र	11/01/2017 07:51:09
सूर्य	11/01/2017 12:06:53
चन्द्र	11/01/2017 19:13:06

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - शुक्र - शुक्र - राहु

राहु	13/01/2017 04:05:57
गुरु	14/01/2017 09:19:33
शनि	15/01/2017 20:01:57
बुध	17/01/2017 03:05:09
केतु	17/01/2017 15:52:21
शुक्र	19/01/2017 04:24:21
सूर्य	19/01/2017 15:21:57
चन्द्र	20/01/2017 09:37:57
मंगल	20/01/2017 22:25:09

सूर्य - शुक्र - शुक्र - गुरु

गुरु	22/01/2017 00:23:54
शनि	23/01/2017 07:14:55
बुध	24/01/2017 10:51:05
केतु	24/01/2017 22:13:02
शुक्र	26/01/2017 06:41:28
सूर्य	26/01/2017 16:26:00
चन्द्र	27/01/2017 08:40:13
मंगल	27/01/2017 20:02:10
राहु	29/01/2017 01:15:46

सूर्य - शुक्र - शुक्र - शनि

शनि	30/01/2017 13:53:54
बुध	31/01/2017 22:40:36
केतु	01/02/2017 12:10:25
शुक्र	03/02/2017 02:44:11
सूर्य	03/02/2017 14:18:19
चन्द्र	04/02/2017 09:35:12
मंगल	04/02/2017 23:05:01
राहु	06/02/2017 09:47:25
गुरु	07/02/2017 16:38:26

सूर्य - शुक्र - शुक्र - बुध

बुध	08/02/2017 21:58:10
केतु	09/02/2017 10:02:44
शुक्र	10/02/2017 20:32:57
सूर्य	11/02/2017 06:54:01
चन्द्र	12/02/2017 00:09:07
मंगल	12/02/2017 12:13:41
राहु	13/02/2017 19:16:53
गुरु	14/02/2017 22:53:03
शनि	16/02/2017 07:39:45

सूर्य - शुक्र - शुक्र - केतु

केतु	16/02/2017 12:38:10
शुक्र	17/02/2017 02:50:36
सूर्य	17/02/2017 07:06:20
चन्द्र	17/02/2017 14:12:33
मंगल	17/02/2017 19:10:54
राहु	18/02/2017 07:58:06
गुरु	18/02/2017 19:20:03
शनि	19/02/2017 08:49:52
बुध	19/02/2017 20:54:26

सूर्य - शुक्र - सूर्य - सूर्य

सूर्य	19/02/2017 22:00:14
चन्द्र	19/02/2017 23:49:50
मंगल	20/02/2017 01:06:33
राहु	20/02/2017 04:23:49
गुरु	20/02/2017 07:19:10
शनि	20/02/2017 10:47:24
बुध	20/02/2017 13:53:43
केतु	20/02/2017 15:10:26
शुक्र	20/02/2017 18:49:38

सूर्य - शुक्र - सूर्य - चन्द्र

चन्द्र	20/02/2017 21:52:21
मंगल	21/02/2017 00:00:13
राहु	21/02/2017 05:29:01
गुरु	21/02/2017 10:21:17
शनि	21/02/2017 16:08:21
बुध	21/02/2017 21:18:53
केतु	21/02/2017 23:26:45
शुक्र	22/02/2017 05:32:05
सूर्य	22/02/2017 07:21:41

सूर्य - शुक्र - सूर्य - मंगल

मंगल	22/02/2017 08:51:11
राहु	22/02/2017 12:41:20
गुरु	22/02/2017 16:05:55
शनि	22/02/2017 20:08:51
बुध	22/02/2017 23:46:13
केतु	23/02/2017 01:15:43
शुक्र	23/02/2017 05:31:27
सूर्य	23/02/2017 06:48:10
चन्द्र	23/02/2017 08:56:02

सूर्य - शुक्र - सूर्य - राहु

राहु	23/02/2017 18:47:55
गुरु	24/02/2017 03:33:59
शनि	24/02/2017 13:58:42
बुध	24/02/2017 23:17:39
केतु	25/02/2017 03:07:48
शुक्र	25/02/2017 14:05:24
सूर्य	25/02/2017 17:22:40
चन्द्र	25/02/2017 22:51:28
मंगल	26/02/2017 02:41:37

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - शुक्र - सूर्य - गुरु

गुरु	26/02/2017 10:29:18
शनि	26/02/2017 19:44:36
बुध	27/02/2017 04:01:27
केतु	27/02/2017 07:26:02
शुक्र	27/02/2017 17:10:34
सूर्य	27/02/2017 20:05:55
चन्द्र	28/02/2017 00:58:11
मंगल	28/02/2017 04:22:46
राहु	28/02/2017 13:08:50

सूर्य - शुक्र - सूर्य - शनि

शनि	01/03/2017 00:08:18
बुध	01/03/2017 09:58:18
केतु	01/03/2017 14:01:14
शुक्र	02/03/2017 01:35:22
सूर्य	02/03/2017 05:03:36
चन्द्र	02/03/2017 10:50:40
मंगल	02/03/2017 14:53:36
राहु	03/03/2017 01:18:19
गुरु	03/03/2017 10:33:37

सूर्य - शुक्र - सूर्य - बुध

बुध	03/03/2017 19:21:35
केतु	03/03/2017 22:58:57
शुक्र	04/03/2017 09:20:01
सूर्य	04/03/2017 12:26:20
चन्द्र	04/03/2017 17:36:52
मंगल	04/03/2017 21:14:14
राहु	05/03/2017 06:33:11
गुरु	05/03/2017 14:50:02
शनि	06/03/2017 00:40:02

सूर्य - शुक्र - सूर्य - केतु

केतु	06/03/2017 02:09:35
शुक्र	06/03/2017 06:25:19
सूर्य	06/03/2017 07:42:02
चन्द्र	06/03/2017 09:49:54
मंगल	06/03/2017 11:19:24
राहु	06/03/2017 15:09:33
गुरु	06/03/2017 18:34:08
शनि	06/03/2017 22:37:04
बुध	07/03/2017 02:14:26

सूर्य - शुक्र - सूर्य - शुक्र

शुक्र	07/03/2017 14:25:09
सूर्य	07/03/2017 18:04:21
चन्द्र	08/03/2017 00:09:41
मंगल	08/03/2017 04:25:25
राहु	08/03/2017 15:23:01
गुरु	09/03/2017 01:07:33
शनि	09/03/2017 12:41:41
बुध	09/03/2017 23:02:45
केतु	10/03/2017 03:18:29

सूर्य - शुक्र - चन्द्र - चन्द्र

चन्द्र	10/03/2017 08:22:55
मंगल	10/03/2017 11:56:01
राहु	10/03/2017 21:04:01
गुरु	11/03/2017 05:11:07
शनि	11/03/2017 14:49:33
बुध	11/03/2017 23:27:06
केतु	12/03/2017 03:00:12
शुक्र	12/03/2017 13:09:05
सूर्य	12/03/2017 16:11:45

सूर्य - शुक्र - चन्द्र - मंगल

मंगल	12/03/2017 18:40:59
राहु	13/03/2017 01:04:35
गुरु	13/03/2017 06:45:33
शनि	13/03/2017 13:30:27
बुध	13/03/2017 19:32:44
केतु	13/03/2017 22:01:54
शुक्र	14/03/2017 05:08:07
सूर्य	14/03/2017 07:15:59
चन्द्र	14/03/2017 10:49:05

सूर्य - शुक्र - चन्द्र - राहु

राहु	15/03/2017 03:15:33
गुरु	15/03/2017 17:52:21
शनि	16/03/2017 11:13:33
बुध	17/03/2017 02:45:09
केतु	17/03/2017 09:08:45
शुक्र	18/03/2017 03:24:45
सूर्य	18/03/2017 08:53:33
चन्द्र	18/03/2017 18:01:33
मंगल	19/03/2017 00:25:09

सूर्य - शुक्र - चन्द्र - गुरु

गुरु	19/03/2017 13:24:31
शनि	20/03/2017 04:50:01
बुध	20/03/2017 18:38:06
केतु	21/03/2017 00:19:04
शुक्र	21/03/2017 16:33:17
सूर्य	21/03/2017 21:25:33
चन्द्र	22/03/2017 05:32:39
मंगल	22/03/2017 11:13:37
राहु	23/03/2017 01:50:25

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - शुक्र - चन्द्र - शनि

शनि	23/03/2017 20:09:31
बुध	24/03/2017 12:32:52
केतु	24/03/2017 19:17:46
शुक्र	25/03/2017 14:34:39
सूर्य	25/03/2017 20:21:43
चन्द्र	26/03/2017 06:00:09
मंगल	26/03/2017 12:45:03
राहु	27/03/2017 06:06:15
गुरु	27/03/2017 21:31:45

सूर्य - शुक्र - चन्द्र - बुध

बुध	28/03/2017 12:11:39
केतु	28/03/2017 18:13:56
शुक्र	29/03/2017 11:29:02
सूर्य	29/03/2017 16:39:34
चन्द्र	30/03/2017 01:17:07
मंगल	30/03/2017 07:19:24
राहु	30/03/2017 22:51:00
गुरु	31/03/2017 12:39:05
शनि	01/04/2017 05:02:26

सूर्य - शुक्र - चन्द्र - केतु

केतु	01/04/2017 07:31:39
शुक्र	01/04/2017 14:37:52
सूर्य	01/04/2017 16:45:44
चन्द्र	01/04/2017 20:18:50
मंगल	01/04/2017 22:48:00
राहु	02/04/2017 05:11:36
गुरु	02/04/2017 10:52:34
शनि	02/04/2017 17:37:28
बुध	02/04/2017 23:39:45

सूर्य - शुक्र - चन्द्र - शुक्र

शुक्र	03/04/2017 19:57:35
सूर्य	04/04/2017 02:02:55
चन्द्र	04/04/2017 12:11:48
मंगल	04/04/2017 19:18:01
राहु	05/04/2017 13:34:01
गुरु	06/04/2017 05:48:14
शनि	07/04/2017 01:05:07
बुध	07/04/2017 18:20:13
केतु	08/04/2017 01:26:26

सूर्य - शुक्र - चन्द्र - सूर्य

सूर्य	08/04/2017 03:16:05
चन्द्र	08/04/2017 06:18:45
मंगल	08/04/2017 08:26:37
राहु	08/04/2017 13:55:25
गुरु	08/04/2017 18:47:41
शनि	09/04/2017 00:34:45
बुध	09/04/2017 05:45:17
केतु	09/04/2017 07:53:09
शुक्र	09/04/2017 13:58:29

सूर्य - शुक्र - मंगल - मंगल

मंगल	09/04/2017 15:42:54
राहु	09/04/2017 20:11:25
गुरु	10/04/2017 00:10:06
शनि	10/04/2017 04:53:32
बुध	10/04/2017 09:07:08
केतु	10/04/2017 10:51:33
शुक्र	10/04/2017 15:49:54
सूर्य	10/04/2017 17:19:24
चन्द्र	10/04/2017 19:48:34

सूर्य - शुक्र - मंगल - राहु

राहु	11/04/2017 07:19:05
गुरु	11/04/2017 17:32:50
शनि	12/04/2017 05:41:40
बुध	12/04/2017 16:33:47
केतु	12/04/2017 21:02:18
शुक्र	13/04/2017 09:49:30
सूर्य	13/04/2017 13:39:39
चन्द्र	13/04/2017 20:03:15
मंगल	14/04/2017 00:31:46

सूर्य - शुक्र - मंगल - गुरु

गुरु	14/04/2017 09:37:22
शनि	14/04/2017 20:25:13
बुध	15/04/2017 06:04:52
केतु	15/04/2017 10:03:33
शुक्र	15/04/2017 21:25:30
सूर्य	16/04/2017 00:50:05
चन्द्र	16/04/2017 06:31:03
मंगल	16/04/2017 10:29:44
राहु	16/04/2017 20:43:29

सूर्य - शुक्र - मंगल - शनि

शनि	17/04/2017 09:32:52
बुध	17/04/2017 21:01:12
केतु	18/04/2017 01:44:38
शुक्र	18/04/2017 15:14:27
सूर्य	18/04/2017 19:17:23
चन्द्र	19/04/2017 02:02:17
मंगल	19/04/2017 06:45:43
राहु	19/04/2017 18:54:33
गुरु	20/04/2017 05:42:24

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - शुक्र - मंगल - बुध

बुध	20/04/2017 15:58:22
केतु	20/04/2017 20:11:58
शुक्र	21/04/2017 08:16:32
सूर्य	21/04/2017 11:53:54
चन्द्र	21/04/2017 17:56:11
मंगल	21/04/2017 22:09:47
राहु	22/04/2017 09:01:54
गुरु	22/04/2017 18:41:33
शनि	23/04/2017 06:09:53

सूर्य - शुक्र - मंगल - केतु

केतु	23/04/2017 07:54:22
शुक्र	23/04/2017 12:52:43
सूर्य	23/04/2017 14:22:13
चन्द्र	23/04/2017 16:51:23
मंगल	23/04/2017 18:35:48
राहु	23/04/2017 23:04:19
गुरु	24/04/2017 03:03:00
शनि	24/04/2017 07:46:26
बुध	24/04/2017 12:00:02

सूर्य - शुक्र - मंगल - शुक्र

शुक्र	25/04/2017 02:12:31
सूर्य	25/04/2017 06:28:15
चन्द्र	25/04/2017 13:34:28
मंगल	25/04/2017 18:32:49
राहु	26/04/2017 07:20:01
गुरु	26/04/2017 18:41:58
शनि	27/04/2017 08:11:47
बुध	27/04/2017 20:16:21
केतु	28/04/2017 01:14:42

सूर्य - शुक्र - मंगल - सूर्य

सूर्य	28/04/2017 02:31:28
चन्द्र	28/04/2017 04:39:20
मंगल	28/04/2017 06:08:50
राहु	28/04/2017 09:58:59
गुरु	28/04/2017 13:23:34
शनि	28/04/2017 17:26:30
बुध	28/04/2017 21:03:52
केतु	28/04/2017 22:33:22
शुक्र	29/04/2017 02:49:06

सूर्य - शुक्र - मंगल - चन्द्र

चन्द्र	29/04/2017 06:22:15
मंगल	29/04/2017 08:51:25
राहु	29/04/2017 15:15:01
गुरु	29/04/2017 20:55:59
शनि	30/04/2017 03:40:53
बुध	30/04/2017 09:43:10
केतु	30/04/2017 12:12:20
शुक्र	30/04/2017 19:18:33
सूर्य	30/04/2017 21:26:25

सूर्य - शुक्र - राहु - राहु

राहु	02/05/2017 03:02:00
गुरु	03/05/2017 05:20:14
शनि	04/05/2017 12:34:23
बुध	05/05/2017 16:31:15
केतु	06/05/2017 04:01:43
शुक्र	07/05/2017 12:54:31
सूर्य	07/05/2017 22:46:21
चन्द्र	08/05/2017 15:12:45
मंगल	09/05/2017 02:43:13

सूर्य - शुक्र - राहु - गुरु

गुरु	10/05/2017 02:06:09
शनि	11/05/2017 05:52:04
बुध	12/05/2017 06:42:37
केतु	12/05/2017 16:56:22
शुक्र	13/05/2017 22:09:58
सूर्य	14/05/2017 06:56:02
चन्द्र	14/05/2017 21:32:50
मंगल	15/05/2017 07:46:35
राहु	16/05/2017 10:04:49

सूर्य - शुक्र - राहु - शनि

शनि	17/05/2017 19:03:09
बुध	19/05/2017 00:33:11
केतु	19/05/2017 12:42:01
शुक्र	20/05/2017 23:24:25
सूर्य	21/05/2017 09:49:08
चन्द्र	22/05/2017 03:10:20
मंगल	22/05/2017 15:19:10
राहु	23/05/2017 22:33:19
गुरु	25/05/2017 02:19:14

सूर्य - शुक्र - राहु - बुध

बुध	26/05/2017 04:43:00
केतु	26/05/2017 15:35:07
शुक्र	27/05/2017 22:38:19
सूर्य	28/05/2017 07:57:16
चन्द्र	28/05/2017 23:28:52
मंगल	29/05/2017 10:20:59
राहु	30/05/2017 14:17:51
गुरु	31/05/2017 15:08:24
शनि	01/06/2017 20:38:26

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - शुक्र - राहु - केतु

केतु	02/06/2017 01:07:00
शुक्र	02/06/2017 13:54:12
सूर्य	02/06/2017 17:44:21
चन्द्र	03/06/2017 00:07:57
मंगल	03/06/2017 04:36:28
राहु	03/06/2017 16:06:56
गुरु	04/06/2017 02:20:41
शनि	04/06/2017 14:29:31
बुध	05/06/2017 01:21:38

सूर्य - शुक्र - राहु - शुक्र

शुक्र	06/06/2017 13:53:41
सूर्य	07/06/2017 00:51:17
चन्द्र	07/06/2017 19:07:17
मंगल	08/06/2017 07:54:29
राहु	09/06/2017 16:47:17
गुरु	10/06/2017 22:00:53
शनि	12/06/2017 08:43:17
बुध	13/06/2017 15:46:29
केतु	14/06/2017 04:33:41

सूर्य - शुक्र - राहु - सूर्य

सूर्य	14/06/2017 07:50:57
चन्द्र	14/06/2017 13:19:45
मंगल	14/06/2017 17:09:54
राहु	15/06/2017 03:01:44
गुरु	15/06/2017 11:47:48
शनि	15/06/2017 22:12:31
बुध	16/06/2017 07:31:28
केतु	16/06/2017 11:21:37
शुक्र	16/06/2017 22:19:13

सूर्य - शुक्र - राहु - चन्द्र

चन्द्र	17/06/2017 07:27:17
मंगल	17/06/2017 13:50:53
राहु	18/06/2017 06:17:17
गुरु	18/06/2017 20:54:05
शनि	19/06/2017 14:15:17
बुध	20/06/2017 05:46:53
केतु	20/06/2017 12:10:29
शुक्र	21/06/2017 06:26:29
सूर्य	21/06/2017 11:55:17

सूर्य - शुक्र - राहु - मंगल

मंगल	21/06/2017 16:23:48
राहु	22/06/2017 03:54:16
गुरु	22/06/2017 14:08:01
शनि	23/06/2017 02:16:51
बुध	23/06/2017 13:08:58
केतु	23/06/2017 17:37:29
शुक्र	24/06/2017 06:24:41
सूर्य	24/06/2017 10:14:50
चन्द्र	24/06/2017 16:38:26

सूर्य - शुक्र - गुरु - गुरु

गुरु	25/06/2017 13:25:29
शनि	26/06/2017 14:06:18
बुध	27/06/2017 12:11:14
केतु	27/06/2017 21:16:47
शुक्र	28/06/2017 23:15:32
सूर्य	29/06/2017 07:03:09
चन्द्र	29/06/2017 20:02:31
मंगल	30/06/2017 05:08:04
राहु	01/07/2017 04:30:56

सूर्य - शुक्र - गुरु - शनि

शनि	02/07/2017 09:49:29
बुध	03/07/2017 12:02:51
केतु	03/07/2017 22:50:42
शुक्र	05/07/2017 05:41:43
सूर्य	05/07/2017 14:57:01
चन्द्र	06/07/2017 06:22:31
मंगल	06/07/2017 17:10:22
राहु	07/07/2017 20:56:17
गुरु	08/07/2017 21:37:06

सूर्य - शुक्र - गुरु - बुध

बुध	09/07/2017 21:04:54
केतु	10/07/2017 06:44:33
शुक्र	11/07/2017 10:20:43
सूर्य	11/07/2017 18:37:34
चन्द्र	12/07/2017 08:25:39
मंगल	12/07/2017 18:05:18
राहु	13/07/2017 18:55:51
गुरु	14/07/2017 17:00:47
शनि	15/07/2017 19:14:09

सूर्य - शुक्र - गुरु - केतु

केतु	15/07/2017 23:12:54
शुक्र	16/07/2017 10:34:51
सूर्य	16/07/2017 13:59:26
चन्द्र	16/07/2017 19:40:24
मंगल	16/07/2017 23:39:05
राहु	17/07/2017 09:52:50
गुरु	17/07/2017 18:58:23
शनि	18/07/2017 05:46:14
बुध	18/07/2017 15:25:53

भोग्य दशा - सूर्य 1वर्ष 11मास 20दिन

सूर्य - शुक्र - गुरु - शुक्र

शुक्र	19/07/2017 23:54:23
सूर्य	20/07/2017 09:38:55
चन्द्र	21/07/2017 01:53:08
मंगल	21/07/2017 13:15:05
राहु	22/07/2017 18:28:41
गुरु	23/07/2017 20:27:26
शनि	25/07/2017 03:18:27
बुध	26/07/2017 06:54:37
केतु	26/07/2017 18:16:34

सूर्य - शुक्र - गुरु - सूर्य

सूर्य	26/07/2017 21:11:58
चन्द्र	27/07/2017 02:04:14
मंगल	27/07/2017 05:28:49
राहु	27/07/2017 14:14:53
गुरु	27/07/2017 22:02:30
शनि	28/07/2017 07:17:48
बुध	28/07/2017 15:34:39
केतु	28/07/2017 18:59:14
शुक्र	29/07/2017 04:43:46

सूर्य - शुक्र - गुरु - चन्द्र

चन्द्र	29/07/2017 12:50:55
मंगल	29/07/2017 18:31:53
राहु	30/07/2017 09:08:41
गुरु	30/07/2017 22:08:03
शनि	31/07/2017 13:33:33
बुध	01/08/2017 03:21:38
केतु	01/08/2017 09:02:36
शुक्र	02/08/2017 01:16:49
सूर्य	02/08/2017 06:09:05

सूर्य - शुक्र - गुरु - मंगल

मंगल	02/08/2017 10:07:50
राहु	02/08/2017 20:21:35
गुरु	03/08/2017 05:27:08
शनि	03/08/2017 16:14:59
बुध	04/08/2017 01:54:38
केतु	04/08/2017 05:53:19
शुक्र	04/08/2017 17:15:16
सूर्य	04/08/2017 20:39:51
चन्द्र	05/08/2017 02:20:49

सूर्य - शुक्र - गुरु - राहु

राहु	06/08/2017 04:39:07
गुरु	07/08/2017 04:01:59
शनि	08/08/2017 07:47:54
बुध	09/08/2017 08:38:27
केतु	09/08/2017 18:52:12
शुक्र	11/08/2017 00:05:48
सूर्य	11/08/2017 08:51:52
चन्द्र	11/08/2017 23:28:40
मंगल	12/08/2017 09:42:25

सूर्य - शुक्र - शनि - शनि

शनि	13/08/2017 20:30:40
बुध	15/08/2017 03:39:02
केतु	15/08/2017 16:28:21
शुक्र	17/08/2017 05:06:26
सूर्य	17/08/2017 16:05:51
चन्द्र	18/08/2017 10:24:53
मंगल	18/08/2017 23:14:12
राहु	20/08/2017 08:12:28
गुरु	21/08/2017 13:30:56

सूर्य - शुक्र - शनि - बुध

बुध	22/08/2017 17:22:43
केतु	23/08/2017 04:51:03
शुक्र	24/08/2017 13:37:45
सूर्य	24/08/2017 23:27:45
चन्द्र	25/08/2017 15:51:06
मंगल	26/08/2017 03:19:26
राहु	27/08/2017 08:49:28
गुरु	28/08/2017 11:02:50
शनि	29/08/2017 18:11:12

सूर्य - शुक्र - शनि - केतु

केतु	29/08/2017 22:54:43
शुक्र	30/08/2017 12:24:32
सूर्य	30/08/2017 16:27:28
चन्द्र	30/08/2017 23:12:22
मंगल	31/08/2017 03:55:48
राहु	31/08/2017 16:04:38
गुरु	01/09/2017 02:52:29
शनि	01/09/2017 15:41:48
बुध	02/09/2017 03:10:08

सूर्य - शुक्र - शनि - शुक्र

शुक्र	03/09/2017 17:43:59
सूर्य	04/09/2017 05:18:07
चन्द्र	05/09/2017 00:35:00
मंगल	05/09/2017 14:04:49
राहु	07/09/2017 00:47:13
गुरु	08/09/2017 07:38:14
शनि	09/09/2017 20:16:19
बुध	11/09/2017 05:03:01
केतु	11/09/2017 18:32:50

भोग्य दशा - सिद्धा 2वर्ष 3मास 19दिन

सिद्धा 7 वर्ष

सिद्धा	00/00/0000 - 00/00/0000
संकटा	00/00/0000 - 00/00/0000
मंगला	00/00/0000 - 00/00/0000
पिंगला	00/00/0000 - 00/00/0000
धान्या	00/00/0000 - 00/00/0000
भ्रामरी	01/01/2016 - 28/02/2016
भद्रिका	28/02/2016 - 17/02/2017
उल्का	17/02/2017 - 19/04/2018

संकटा 8 वर्ष

संकटा	19/04/2018 - 29/01/2020
मंगला	29/01/2020 - 19/04/2020
पिंगला	19/04/2020 - 28/09/2020
धान्या	28/09/2020 - 30/05/2021
भ्रामरी	30/05/2021 - 19/04/2022
भद्रिका	19/04/2022 - 30/05/2023
उल्का	30/05/2023 - 28/09/2024
सिद्धा	28/09/2024 - 19/04/2026

मंगला 1 वर्ष

मंगला	19/04/2026 - 29/04/2026
पिंगला	29/04/2026 - 20/05/2026
धान्या	20/05/2026 - 19/06/2026
भ्रामरी	19/06/2026 - 30/07/2026
भद्रिका	30/07/2026 - 18/09/2026
उल्का	18/09/2026 - 18/11/2026
सिद्धा	18/11/2026 - 28/01/2027
संकटा	28/01/2027 - 19/04/2027

पिंगला 2 वर्ष

पिंगला	19/04/2027 - 30/05/2027
धान्या	30/05/2027 - 30/07/2027
भ्रामरी	30/07/2027 - 19/10/2027
भद्रिका	19/10/2027 - 29/01/2028
उल्का	29/01/2028 - 29/05/2028
सिद्धा	29/05/2028 - 18/10/2028
संकटा	18/10/2028 - 30/03/2029
मंगला	30/03/2029 - 19/04/2029

धान्या 3 वर्ष

धान्या	19/04/2029 - 20/07/2029
भ्रामरी	20/07/2029 - 18/11/2029
भद्रिका	18/11/2029 - 20/04/2030
उल्का	20/04/2030 - 19/10/2030
सिद्धा	19/10/2030 - 20/05/2031
संकटा	20/05/2031 - 19/01/2032
मंगला	19/01/2032 - 18/02/2032
पिंगला	18/02/2032 - 19/04/2032

भ्रामरी 4 वर्ष

भ्रामरी	19/04/2032 - 29/09/2032
भद्रिका	29/09/2032 - 19/04/2033
उल्का	19/04/2033 - 19/12/2033
सिद्धा	19/12/2033 - 29/09/2034
संकटा	29/09/2034 - 20/08/2035
मंगला	20/08/2035 - 29/09/2035
पिंगला	29/09/2035 - 19/12/2035
धान्या	19/12/2035 - 19/04/2036

भद्रिका 5 वर्ष

भद्रिका	19/04/2036 - 29/12/2036
उल्का	29/12/2036 - 29/10/2037
सिद्धा	29/10/2037 - 19/10/2038
संकटा	19/10/2038 - 29/11/2039
मंगला	29/11/2039 - 19/01/2040
पिंगला	19/01/2040 - 29/04/2040
धान्या	29/04/2040 - 28/09/2040
भ्रामरी	28/09/2040 - 19/04/2041

उल्का 6 वर्ष

उल्का	19/04/2041 - 19/04/2042
सिद्धा	19/04/2042 - 19/06/2043
संकटा	19/06/2043 - 18/10/2044
मंगला	18/10/2044 - 18/12/2044
पिंगला	18/12/2044 - 19/04/2045
धान्या	19/04/2045 - 18/10/2045
भ्रामरी	18/10/2045 - 19/06/2046
भद्रिका	19/06/2046 - 19/04/2047

सिद्धा 7 वर्ष

सिद्धा	19/04/2047 - 28/08/2048
संकटा	28/08/2048 - 20/03/2050
मंगला	20/03/2050 - 30/05/2050
पिंगला	30/05/2050 - 19/10/2050
धान्या	19/10/2050 - 20/05/2051
भ्रामरी	20/05/2051 - 28/02/2052
भद्रिका	28/02/2052 - 17/02/2053
उल्का	17/02/2053 - 19/04/2054

भोग्य दशा - सिद्धा 2वर्ष 3मास 19दिन

संकटा 8 वर्ष

संकटा	19/04/2054 - 29/01/2056
मंगला	29/01/2056 - 19/04/2056
पिंगला	19/04/2056 - 28/09/2056
धान्या	28/09/2056 - 30/05/2057
भ्रामरी	30/05/2057 - 19/04/2058
भद्रिका	19/04/2058 - 30/05/2059
उल्का	30/05/2059 - 28/09/2060
सिद्धा	28/09/2060 - 19/04/2062

मंगला 1 वर्ष

मंगला	19/04/2062 - 29/04/2062
पिंगला	29/04/2062 - 20/05/2062
धान्या	20/05/2062 - 19/06/2062
भ्रामरी	19/06/2062 - 30/07/2062
भद्रिका	30/07/2062 - 18/09/2062
उल्का	18/09/2062 - 18/11/2062
सिद्धा	18/11/2062 - 28/01/2063
संकटा	28/01/2063 - 19/04/2063

पिंगला 2 वर्ष

पिंगला	19/04/2063 - 30/05/2063
धान्या	30/05/2063 - 30/07/2063
भ्रामरी	30/07/2063 - 19/10/2063
भद्रिका	19/10/2063 - 29/01/2064
उल्का	29/01/2064 - 29/05/2064
सिद्धा	29/05/2064 - 18/10/2064
संकटा	18/10/2064 - 30/03/2065
मंगला	30/03/2065 - 19/04/2065

धान्या 3 वर्ष

धान्या	19/04/2065 - 20/07/2065
भ्रामरी	20/07/2065 - 18/11/2065
भद्रिका	18/11/2065 - 20/04/2066
उल्का	20/04/2066 - 19/10/2066
सिद्धा	19/10/2066 - 20/05/2067
संकटा	20/05/2067 - 19/01/2068
मंगला	19/01/2068 - 18/02/2068
पिंगला	18/02/2068 - 19/04/2068

भ्रामरी 4 वर्ष

भ्रामरी	19/04/2068 - 29/09/2068
भद्रिका	29/09/2068 - 19/04/2069
उल्का	19/04/2069 - 19/12/2069
सिद्धा	19/12/2069 - 29/09/2070
संकटा	29/09/2070 - 20/08/2071
मंगला	20/08/2071 - 29/09/2071
पिंगला	29/09/2071 - 19/12/2071
धान्या	19/12/2071 - 19/04/2072

भद्रिका 5 वर्ष

भद्रिका	19/04/2072 - 29/12/2072
उल्का	29/12/2072 - 29/10/2073
सिद्धा	29/10/2073 - 19/10/2074
संकटा	19/10/2074 - 29/11/2075
मंगला	29/11/2075 - 19/01/2076
पिंगला	19/01/2076 - 29/04/2076
धान्या	29/04/2076 - 28/09/2076
भ्रामरी	28/09/2076 - 19/04/2077

उल्का 6 वर्ष

उल्का	19/04/2077 - 19/04/2078
सिद्धा	19/04/2078 - 19/06/2079
संकटा	19/06/2079 - 18/10/2080
मंगला	18/10/2080 - 18/12/2080
पिंगला	18/12/2080 - 19/04/2081
धान्या	19/04/2081 - 18/10/2081
भ्रामरी	18/10/2081 - 19/06/2082
भद्रिका	19/06/2082 - 19/04/2083

सिद्धा 7 वर्ष

सिद्धा	19/04/2083 - 28/08/2084
संकटा	28/08/2084 - 20/03/2086
मंगला	20/03/2086 - 30/05/2086
पिंगला	30/05/2086 - 19/10/2086
धान्या	19/10/2086 - 20/05/2087
भ्रामरी	20/05/2087 - 28/02/2088
भद्रिका	28/02/2088 - 17/02/2089
उल्का	17/02/2089 - 19/04/2090

संकटा 8 वर्ष

संकटा	19/04/2090 - 29/01/2092
मंगला	29/01/2092 - 19/04/2092
पिंगला	19/04/2092 - 28/09/2092
धान्या	28/09/2092 - 30/05/2093
भ्रामरी	30/05/2093 - 19/04/2094
भद्रिका	19/04/2094 - 30/05/2095
उल्का	30/05/2095 - 28/09/2096
सिद्धा	28/09/2096 - 19/04/2098

भोग्य दशा - तुला 1वर्ष 7मास 11दिन

तुला

तुला	00/00/0000 - 00/00/0000
वृश्चिक	00/00/0000 - 00/00/0000
मीन	00/00/0000 - 00/00/0000
कुम्भ	00/00/0000 - 00/00/0000
मकर	00/00/0000 - 00/00/0000
मिथुन	00/00/0000 - 00/00/0000
सिंह	00/00/0000 - 00/00/0000
कर्क	00/00/0000 - 00/00/0000
कन्या	01/01/2016 - 09/08/2017

वृश्चिक

वृश्चिक	09/08/2017 - 08/03/2018
मीन	08/03/2018 - 03/01/2019
कुम्भ	03/01/2019 - 03/05/2019
मकर	03/05/2019 - 31/08/2019
मिथुन	31/08/2019 - 28/05/2020
सिंह	28/05/2020 - 25/10/2020
कर्क	25/10/2020 - 19/07/2022
कन्या	19/07/2022 - 16/04/2023
तुला	16/04/2023 - 09/08/2024

मीन

मीन	09/08/2024 - 13/10/2025
कुम्भ	13/10/2025 - 03/04/2026
मकर	03/04/2026 - 22/09/2026
मिथुन	22/09/2026 - 13/10/2027
सिंह	13/10/2027 - 15/05/2028
कर्क	15/05/2028 - 03/11/2030
कन्या	03/11/2030 - 25/11/2031
तुला	25/11/2031 - 12/10/2033
वृश्चिक	12/10/2033 - 09/08/2034

कुम्भ

कुम्भ	09/08/2034 - 17/10/2034
मकर	17/10/2034 - 25/12/2034
मिथुन	25/12/2034 - 28/05/2035
सिंह	28/05/2035 - 22/08/2035
कर्क	22/08/2035 - 17/08/2036
कन्या	17/08/2036 - 19/01/2037
तुला	19/01/2037 - 21/10/2037
वृश्चिक	21/10/2037 - 18/02/2038
मीन	18/02/2038 - 09/08/2038

मकर

मकर	09/08/2038 - 17/10/2038
मिथुन	17/10/2038 - 21/03/2039
सिंह	21/03/2039 - 15/06/2039
कर्क	15/06/2039 - 10/06/2040
कन्या	10/06/2040 - 11/11/2040
तुला	11/11/2040 - 13/08/2041
वृश्चिक	13/08/2041 - 12/12/2041
मीन	12/12/2041 - 01/06/2042
कुम्भ	01/06/2042 - 09/08/2042

मिथुन

मिथुन	09/08/2042 - 23/07/2043
सिंह	23/07/2043 - 02/02/2044
कर्क	02/02/2044 - 24/04/2046
कन्या	24/04/2046 - 07/04/2047
तुला	07/04/2047 - 15/12/2048
वृश्चिक	15/12/2048 - 12/09/2049
मीन	12/09/2049 - 04/10/2050
कुम्भ	04/10/2050 - 08/03/2051
मकर	08/03/2051 - 09/08/2051

सिंह

सिंह	09/08/2051 - 25/11/2051
कर्क	25/11/2051 - 18/02/2053
कन्या	18/02/2053 - 30/08/2053
तुला	30/08/2053 - 09/08/2054
वृश्चिक	09/08/2054 - 07/01/2055
मीन	07/01/2055 - 10/08/2055
कुम्भ	10/08/2055 - 04/11/2055
मकर	04/11/2055 - 29/01/2056
मिथुन	29/01/2056 - 09/08/2056

कर्क

कर्क	09/08/2056 - 17/10/2061
कन्या	17/10/2061 - 07/01/2064
तुला	07/01/2064 - 21/12/2067
वृश्चिक	21/12/2067 - 13/09/2069
मीन	13/09/2069 - 03/03/2072
कुम्भ	03/03/2072 - 27/02/2073
मकर	27/02/2073 - 23/02/2074
मिथुन	23/02/2074 - 15/05/2076
सिंह	15/05/2076 - 09/08/2077

कन्या

कन्या	09/08/2077 - 23/07/2078
तुला	23/07/2078 - 02/04/2080
वृश्चिक	02/04/2080 - 29/12/2080
मीन	29/12/2080 - 19/01/2082
कुम्भ	19/01/2082 - 23/06/2082
मकर	23/06/2082 - 25/11/2082
मिथुन	25/11/2082 - 08/11/2083
सिंह	08/11/2083 - 19/05/2084
कर्क	19/05/2084 - 09/08/2086

कुल दशाकाल : 85 वर्ष	नक्षत्र : उ फाल्गुनी	चरण : 3
वर्ग : अपसव्य	देह : मिथुन	जीव : मकर

भोग्य दशा - तुला 1वर्ष 7मास 11दिन

तुला - कन्या

कन्या	01/01/2016 - 03/02/2016
तुला	03/02/2016 - 29/05/2016
वृश्चिक	29/05/2016 - 19/07/2016
मीन	19/07/2016 - 30/09/2016
कुम्भ	30/09/2016 - 29/10/2016
मकर	29/10/2016 - 27/11/2016
मिथुन	27/11/2016 - 01/02/2017
सिंह	01/02/2017 - 09/03/2017
कर्क	09/03/2017 - 09/08/2017

वृश्चिक - वृश्चिक

वृश्चिक	09/08/2017 - 27/08/2017
मीन	27/08/2017 - 20/09/2017
कुम्भ	20/09/2017 - 30/09/2017
मकर	30/09/2017 - 10/10/2017
मिथुन	10/10/2017 - 01/11/2017
सिंह	01/11/2017 - 14/11/2017
कर्क	14/11/2017 - 05/01/2018
कन्या	05/01/2018 - 27/01/2018
तुला	27/01/2018 - 08/03/2018

वृश्चिक - मीन

मीन	08/03/2018 - 12/04/2018
कुम्भ	12/04/2018 - 26/04/2018
मकर	26/04/2018 - 10/05/2018
मिथुन	10/05/2018 - 11/06/2018
सिंह	11/06/2018 - 29/06/2018
कर्क	29/06/2018 - 11/09/2018
कन्या	11/09/2018 - 13/10/2018
तुला	13/10/2018 - 09/12/2018
वृश्चिक	09/12/2018 - 03/01/2019

वृश्चिक - कुम्भ

कुम्भ	03/01/2019 - 08/01/2019
मकर	08/01/2019 - 14/01/2019
मिथुन	14/01/2019 - 27/01/2019
सिंह	27/01/2019 - 03/02/2019
कर्क	03/02/2019 - 04/03/2019
कन्या	04/03/2019 - 17/03/2019
तुला	17/03/2019 - 09/04/2019
वृश्चिक	09/04/2019 - 19/04/2019
मीन	19/04/2019 - 03/05/2019

वृश्चिक - मकर

मकर	03/05/2019 - 09/05/2019
मिथुन	09/05/2019 - 21/05/2019
सिंह	21/05/2019 - 28/05/2019
कर्क	28/05/2019 - 27/06/2019
कन्या	27/06/2019 - 10/07/2019
तुला	10/07/2019 - 02/08/2019
वृश्चिक	02/08/2019 - 11/08/2019
मीन	11/08/2019 - 26/08/2019
कुम्भ	26/08/2019 - 31/08/2019

वृश्चिक - मिथुन

मिथुन	31/08/2019 - 29/09/2019
सिंह	29/09/2019 - 15/10/2019
कर्क	15/10/2019 - 21/12/2019
कन्या	21/12/2019 - 18/01/2020
तुला	18/01/2020 - 09/03/2020
वृश्चिक	09/03/2020 - 01/04/2020
मीन	01/04/2020 - 03/05/2020
कुम्भ	03/05/2020 - 15/05/2020
मकर	15/05/2020 - 28/05/2020

वृश्चिक - सिंह

सिंह	28/05/2020 - 06/06/2020
कर्क	06/06/2020 - 13/07/2020
कन्या	13/07/2020 - 29/07/2020
तुला	29/07/2020 - 26/08/2020
वृश्चिक	26/08/2020 - 08/09/2020
मीन	08/09/2020 - 25/09/2020
कुम्भ	25/09/2020 - 02/10/2020
मकर	02/10/2020 - 09/10/2020
मिथुन	09/10/2020 - 25/10/2020

वृश्चिक - कर्क

कर्क	25/10/2020 - 30/03/2021
कन्या	30/03/2021 - 05/06/2021
तुला	05/06/2021 - 02/10/2021
वृश्चिक	02/10/2021 - 23/11/2021
मीन	23/11/2021 - 06/02/2022
कुम्भ	06/02/2022 - 07/03/2022
मकर	07/03/2022 - 06/04/2022
मिथुन	06/04/2022 - 12/06/2022
सिंह	12/06/2022 - 19/07/2022

वृश्चिक - कन्या

कन्या	19/07/2022 - 17/08/2022
तुला	17/08/2022 - 07/10/2022
वृश्चिक	07/10/2022 - 29/10/2022
मीन	29/10/2022 - 30/11/2022
कुम्भ	30/11/2022 - 13/12/2022
मकर	13/12/2022 - 25/12/2022
मिथुन	25/12/2022 - 23/01/2023
सिंह	23/01/2023 - 08/02/2023
कर्क	08/02/2023 - 16/04/2023

कुल दशाकाल : 85 वर्ष	नक्षत्र : उ फाल्गुनी	चरण : 3
वर्ग : अपसव्य	देह : मिथुन	जीव : मकर

भोग्य दशा - तुला 1वर्ष 7मास 11दिन

वृश्चिक - तुला

तुला	16/04/2023 - 15/07/2023
वृश्चिक	15/07/2023 - 24/08/2023
मीन	24/08/2023 - 20/10/2023
कुम्भ	20/10/2023 - 11/11/2023
मकर	11/11/2023 - 04/12/2023
मिथुन	04/12/2023 - 24/01/2024
सिंह	24/01/2024 - 21/02/2024
कर्क	21/02/2024 - 19/06/2024
कन्या	19/06/2024 - 09/08/2024

मीन - मीन

मीन	09/08/2024 - 29/09/2024
कुम्भ	29/09/2024 - 19/10/2024
मकर	19/10/2024 - 08/11/2024
मिथुन	08/11/2024 - 24/12/2024
सिंह	24/12/2024 - 18/01/2025
कर्क	18/01/2025 - 04/05/2025
कन्या	04/05/2025 - 19/06/2025
तुला	19/06/2025 - 07/09/2025
वृश्चिक	07/09/2025 - 13/10/2025

मीन - कुम्भ

कुम्भ	13/10/2025 - 21/10/2025
मकर	21/10/2025 - 29/10/2025
मिथुन	29/10/2025 - 16/11/2025
सिंह	16/11/2025 - 26/11/2025
कर्क	26/11/2025 - 08/01/2026
कन्या	08/01/2026 - 26/01/2026
तुला	26/01/2026 - 27/02/2026
वृश्चिक	27/02/2026 - 13/03/2026
मीन	13/03/2026 - 03/04/2026

मीन - मकर

मकर	03/04/2026 - 11/04/2026
मिथुन	11/04/2026 - 29/04/2026
सिंह	29/04/2026 - 09/05/2026
कर्क	09/05/2026 - 21/06/2026
कन्या	21/06/2026 - 09/07/2026
तुला	09/07/2026 - 10/08/2026
वृश्चिक	10/08/2026 - 24/08/2026
मीन	24/08/2026 - 13/09/2026
कुम्भ	13/09/2026 - 22/09/2026

मीन - मिथुन

मिथुन	22/09/2026 - 01/11/2026
सिंह	01/11/2026 - 24/11/2026
कर्क	24/11/2026 - 28/02/2027
कन्या	28/02/2027 - 10/04/2027
तुला	10/04/2027 - 22/06/2027
वृश्चिक	22/06/2027 - 23/07/2027
मीन	23/07/2027 - 07/09/2027
कुम्भ	07/09/2027 - 25/09/2027
मकर	25/09/2027 - 13/10/2027

मीन - सिंह

सिंह	13/10/2027 - 26/10/2027
कर्क	26/10/2027 - 18/12/2027
कन्या	18/12/2027 - 10/01/2028
तुला	10/01/2028 - 19/02/2028
वृश्चिक	19/02/2028 - 08/03/2028
मीन	08/03/2028 - 02/04/2028
कुम्भ	02/04/2028 - 12/04/2028
मकर	12/04/2028 - 22/04/2028
मिथुन	22/04/2028 - 15/05/2028

मीन - कर्क

कर्क	15/05/2028 - 24/12/2028
कन्या	24/12/2028 - 30/03/2029
तुला	30/03/2029 - 15/09/2029
वृश्चिक	15/09/2029 - 29/11/2029
मीन	29/11/2029 - 15/03/2030
कुम्भ	15/03/2030 - 26/04/2030
मकर	26/04/2030 - 08/06/2030
मिथुन	08/06/2030 - 11/09/2030
सिंह	11/09/2030 - 03/11/2030

मीन - कन्या

कन्या	03/11/2030 - 14/12/2030
तुला	14/12/2030 - 25/02/2031
वृश्चिक	25/02/2031 - 29/03/2031
मीन	29/03/2031 - 13/05/2031
कुम्भ	13/05/2031 - 01/06/2031
मकर	01/06/2031 - 19/06/2031
मिथुन	19/06/2031 - 30/07/2031
सिंह	30/07/2031 - 21/08/2031
कर्क	21/08/2031 - 25/11/2031

मीन - तुला

तुला	25/11/2031 - 02/04/2032
वृश्चिक	02/04/2032 - 29/05/2032
मीन	29/05/2032 - 18/08/2032
कुम्भ	18/08/2032 - 19/09/2032
मकर	19/09/2032 - 22/10/2032
मिथुन	22/10/2032 - 02/01/2033
सिंह	02/01/2033 - 12/02/2033
कर्क	12/02/2033 - 01/08/2033
कन्या	01/08/2033 - 12/10/2033

कुल दशाकाल : 85 वर्ष	नक्षत्र : उ फाल्गुनी	चरण : 3
वर्ग : अपसव्य	देह : मिथुन	जीव : मकर

भोग्य दशा - चन्द्र 1वर्ष 7मास 24दिन

चन्द्र 10 वर्ष

चन्द्र	00/00/0000 - 00/00/0000
मंगल	00/00/0000 - 00/00/0000
बुध	00/00/0000 - 00/00/0000
शनि	00/00/0000 - 00/00/0000
गुरु	00/00/0000 - 00/00/0000
राहु	00/00/0000 - 00/00/0000
शुक्र	01/01/2016 - 22/10/2016
सूर्य	22/10/2016 - 22/08/2017

मंगल 7 वर्ष

मंगल	22/08/2017 - 27/03/2018
बुध	27/03/2018 - 30/06/2019
शनि	30/06/2019 - 26/03/2020
गुरु	26/03/2020 - 22/08/2021
राहु	22/08/2021 - 13/07/2022
शुक्र	13/07/2022 - 01/02/2024
सूर्य	01/02/2024 - 13/07/2024
चन्द्र	13/07/2024 - 22/08/2025

बुध 17 वर्ष

बुध	22/08/2025 - 26/04/2028
शनि	26/04/2028 - 22/11/2029
गुरु	22/11/2029 - 18/11/2032
राहु	18/11/2032 - 09/10/2034
शुक्र	09/10/2034 - 28/01/2038
सूर्य	28/01/2038 - 08/01/2039
चन्द्र	08/01/2039 - 20/05/2041
मंगल	20/05/2041 - 22/08/2042

शनि 19 वर्ष

शनि	22/08/2042 - 27/07/2043
गुरु	27/07/2043 - 29/04/2045
राहु	29/04/2045 - 09/06/2046
शुक्र	09/06/2046 - 20/05/2048
सूर्य	20/05/2048 - 08/12/2048
चन्द्र	08/12/2048 - 30/04/2050
मंगल	30/04/2050 - 25/01/2051
बुध	25/01/2051 - 22/08/2052

गुरु 16 वर्ष

गुरु	22/08/2052 - 26/12/2055
राहु	26/12/2055 - 04/02/2058
शुक्र	04/02/2058 - 15/10/2061
सूर्य	15/10/2061 - 05/11/2062
चन्द्र	05/11/2062 - 26/06/2065
मंगल	26/06/2065 - 22/11/2066
बुध	22/11/2066 - 18/11/2069
शनि	18/11/2069 - 22/08/2071

राहु 18 वर्ष

राहु	22/08/2071 - 21/12/2072
शुक्र	21/12/2072 - 23/04/2075
सूर्य	23/04/2075 - 22/12/2075
चन्द्र	22/12/2075 - 22/08/2077
मंगल	22/08/2077 - 13/07/2078
बुध	13/07/2078 - 02/06/2080
शनि	02/06/2080 - 12/07/2081
गुरु	12/07/2081 - 22/08/2083

शुक्र 20 वर्ष

शुक्र	22/08/2083 - 22/09/2087
सूर्य	22/09/2087 - 21/11/2088
चन्द्र	21/11/2088 - 22/10/2091
मंगल	22/10/2091 - 12/05/2093
बुध	12/05/2093 - 01/09/2096
शनि	01/09/2096 - 12/08/2098
गुरु	12/08/2098 - 23/04/2102
राहु	23/04/2102 - 22/08/2104

सूर्य 6 वर्ष

सूर्य	22/08/2104 - 22/12/2104
चन्द्र	22/12/2104 - 22/10/2105
मंगल	22/10/2105 - 03/04/2106
बुध	03/04/2106 - 14/03/2107
शनि	14/03/2107 - 03/10/2107
गुरु	03/10/2107 - 22/10/2108
राहु	22/10/2108 - 22/06/2109
शुक्र	22/06/2109 - 22/08/2110

चन्द्र 10 वर्ष

चन्द्र	22/08/2110 - 21/09/2112
मंगल	21/09/2112 - 01/11/2113
बुध	01/11/2113 - 13/03/2116
शनि	13/03/2116 - 02/08/2117
गुरु	02/08/2117 - 23/03/2120
राहु	23/03/2120 - 22/11/2121
शुक्र	22/11/2121 - 22/10/2124
सूर्य	22/10/2124 - 22/08/2125

भोग्य दशा - चन्द्र 1वर्ष 7मास 24दिन

चन्द्र - शुक्र

शुक्र	00/00/0000 - 00/00/0000
सूर्य	00/00/0000 - 00/00/0000
चन्द्र	00/00/0000 - 00/00/0000
मंगल	00/00/0000 - 00/00/0000
बुध	00/00/0000 - 00/00/0000
शनि	00/00/0000 - 00/00/0000
गुरु	01/01/2016 - 26/06/2016
राहु	26/06/2016 - 22/10/2016

चन्द्र - सूर्य

सूर्य	22/10/2016 - 08/11/2016
चन्द्र	08/11/2016 - 20/12/2016
मंगल	20/12/2016 - 12/01/2017
बुध	12/01/2017 - 01/03/2017
शनि	01/03/2017 - 29/03/2017
गुरु	29/03/2017 - 21/05/2017
राहु	21/05/2017 - 24/06/2017
शुक्र	24/06/2017 - 22/08/2017

मंगल - मंगल

मंगल	22/08/2017 - 07/09/2017
बुध	07/09/2017 - 12/10/2017
शनि	12/10/2017 - 01/11/2017
गुरु	01/11/2017 - 09/12/2017
राहु	09/12/2017 - 02/01/2018
शुक्र	02/01/2018 - 13/02/2018
सूर्य	13/02/2018 - 25/02/2018
चन्द्र	25/02/2018 - 27/03/2018

मंगल - बुध

बुध	27/03/2018 - 07/06/2018
शनि	07/06/2018 - 20/07/2018
गुरु	20/07/2018 - 09/10/2018
राहु	09/10/2018 - 29/11/2018
शुक्र	29/11/2018 - 26/02/2019
सूर्य	26/02/2019 - 24/03/2019
चन्द्र	24/03/2019 - 27/05/2019
मंगल	27/05/2019 - 30/06/2019

मंगल - शनि

शनि	30/06/2019 - 25/07/2019
गुरु	25/07/2019 - 10/09/2019
राहु	10/09/2019 - 11/10/2019
शुक्र	11/10/2019 - 02/12/2019
सूर्य	02/12/2019 - 17/12/2019
चन्द्र	17/12/2019 - 24/01/2020
मंगल	24/01/2020 - 13/02/2020
बुध	13/02/2020 - 26/03/2020

मंगल - गुरु

गुरु	26/03/2020 - 25/06/2020
राहु	25/06/2020 - 21/08/2020
शुक्र	21/08/2020 - 29/11/2020
सूर्य	29/11/2020 - 27/12/2020
चन्द्र	27/12/2020 - 09/03/2021
मंगल	09/03/2021 - 16/04/2021
बुध	16/04/2021 - 06/07/2021
शनि	06/07/2021 - 22/08/2021

मंगल - राहु

राहु	22/08/2021 - 28/09/2021
शुक्र	28/09/2021 - 30/11/2021
सूर्य	30/11/2021 - 18/12/2021
चन्द्र	18/12/2021 - 01/02/2022
मंगल	01/02/2022 - 25/02/2022
बुध	25/02/2022 - 17/04/2022
शनि	17/04/2022 - 17/05/2022
गुरु	17/05/2022 - 13/07/2022

मंगल - शुक्र

शुक्र	13/07/2022 - 01/11/2022
सूर्य	01/11/2022 - 02/12/2022
चन्द्र	02/12/2022 - 19/02/2023
मंगल	19/02/2023 - 02/04/2023
बुध	02/04/2023 - 01/07/2023
शनि	01/07/2023 - 22/08/2023
गुरु	22/08/2023 - 30/11/2023
राहु	30/11/2023 - 01/02/2024

मंगल - सूर्य

सूर्य	01/02/2024 - 10/02/2024
चन्द्र	10/02/2024 - 04/03/2024
मंगल	04/03/2024 - 16/03/2024
बुध	16/03/2024 - 10/04/2024
शनि	10/04/2024 - 25/04/2024
गुरु	25/04/2024 - 24/05/2024
राहु	24/05/2024 - 11/06/2024
शुक्र	11/06/2024 - 13/07/2024

भोग्य दशा - चन्द्र 1वर्ष 7मास 24दिन

मंगल - चन्द्र

चन्द्र	13/07/2024 - 07/09/2024
मंगल	07/09/2024 - 07/10/2024
बुध	07/10/2024 - 10/12/2024
शनि	10/12/2024 - 16/01/2025
गुरु	16/01/2025 - 29/03/2025
राहु	29/03/2025 - 13/05/2025
शुक्र	13/05/2025 - 31/07/2025
सूर्य	31/07/2025 - 22/08/2025

बुध - बुध

बुध	22/08/2025 - 23/01/2026
शनि	23/01/2026 - 24/04/2026
गुरु	24/04/2026 - 13/10/2026
राहु	13/10/2026 - 29/01/2027
शुक्र	29/01/2027 - 07/08/2027
सूर्य	07/08/2027 - 01/10/2027
चन्द्र	01/10/2027 - 13/02/2028
मंगल	13/02/2028 - 26/04/2028

बुध - शनि

शनि	26/04/2028 - 18/06/2028
गुरु	18/06/2028 - 27/09/2028
राहु	27/09/2028 - 30/11/2028
शुक्र	30/11/2028 - 22/03/2029
सूर्य	22/03/2029 - 23/04/2029
चन्द्र	23/04/2029 - 12/07/2029
मंगल	12/07/2029 - 23/08/2029
बुध	23/08/2029 - 22/11/2029

बुध - गुरु

गुरु	22/11/2029 - 02/06/2030
राहु	02/06/2030 - 01/10/2030
शुक्र	01/10/2030 - 02/05/2031
सूर्य	02/05/2031 - 01/07/2031
चन्द्र	01/07/2031 - 30/11/2031
मंगल	30/11/2031 - 19/02/2032
बुध	19/02/2032 - 09/08/2032
शनि	09/08/2032 - 18/11/2032

बुध - राहु

राहु	18/11/2032 - 03/02/2033
शुक्र	03/02/2033 - 17/06/2033
सूर्य	17/06/2033 - 25/07/2033
चन्द्र	25/07/2033 - 29/10/2033
मंगल	29/10/2033 - 19/12/2033
बुध	19/12/2033 - 07/04/2034
शनि	07/04/2034 - 10/06/2034
गुरु	10/06/2034 - 09/10/2034

बुध - शुक्र

शुक्र	09/10/2034 - 01/06/2035
सूर्य	01/06/2035 - 07/08/2035
चन्द्र	07/08/2035 - 21/01/2036
मंगल	21/01/2036 - 20/04/2036
बुध	20/04/2036 - 27/10/2036
शनि	27/10/2036 - 16/02/2037
गुरु	16/02/2037 - 16/09/2037
राहु	16/09/2037 - 28/01/2038

बुध - सूर्य

सूर्य	28/01/2038 - 16/02/2038
चन्द्र	16/02/2038 - 05/04/2038
मंगल	05/04/2038 - 01/05/2038
बुध	01/05/2038 - 24/06/2038
शनि	24/06/2038 - 26/07/2038
गुरु	26/07/2038 - 25/09/2038
राहु	25/09/2038 - 02/11/2038
शुक्र	02/11/2038 - 08/01/2039

बुध - चन्द्र

चन्द्र	08/01/2039 - 08/05/2039
मंगल	08/05/2039 - 11/07/2039
बुध	11/07/2039 - 24/11/2039
शनि	24/11/2039 - 11/02/2040
गुरु	11/02/2040 - 12/07/2040
राहु	12/07/2040 - 16/10/2040
शुक्र	16/10/2040 - 02/04/2041
सूर्य	02/04/2041 - 20/05/2041

बुध - मंगल

मंगल	20/05/2041 - 23/06/2041
बुध	23/06/2041 - 03/09/2041
शनि	03/09/2041 - 16/10/2041
गुरु	16/10/2041 - 04/01/2042
राहु	04/01/2042 - 25/02/2042
शुक्र	25/02/2042 - 25/05/2042
सूर्य	25/05/2042 - 20/06/2042
चन्द्र	20/06/2042 - 22/08/2042

मीन 7 वर्ष

मेष	01/01/2016 - 01/08/2016
वृष	01/08/2016 - 01/03/2017
मिथुन	01/03/2017 - 01/10/2017
कर्क	01/10/2017 - 01/05/2018
सिंह	01/05/2018 - 01/12/2018
कन्या	01/12/2018 - 01/07/2019
तुला	01/07/2019 - 01/02/2020
वृश्चिक	01/02/2020 - 01/09/2020
धनु	01/09/2020 - 01/04/2021
मकर	01/04/2021 - 01/11/2021
कुम्भ	01/11/2021 - 01/06/2022
मीन	01/06/2022 - 01/01/2023

मेष 6 वर्ष

वृष	01/01/2023 - 01/07/2023
मिथुन	01/07/2023 - 01/01/2024
कर्क	01/01/2024 - 01/07/2024
सिंह	01/07/2024 - 01/01/2025
कन्या	01/01/2025 - 01/07/2025
तुला	01/07/2025 - 01/01/2026
वृश्चिक	01/01/2026 - 01/07/2026
धनु	01/07/2026 - 01/01/2027
मकर	01/01/2027 - 01/07/2027
कुम्भ	01/07/2027 - 01/01/2028
मीन	01/01/2028 - 01/07/2028
मेष	01/07/2028 - 01/01/2029

वृष 6 वर्ष

मेष	01/01/2029 - 01/07/2029
मीन	01/07/2029 - 01/01/2030
कुम्भ	01/01/2030 - 01/07/2030
मकर	01/07/2030 - 01/01/2031
धनु	01/01/2031 - 01/07/2031
वृश्चिक	01/07/2031 - 01/01/2032
तुला	01/01/2032 - 01/07/2032
कन्या	01/07/2032 - 01/01/2033
सिंह	01/01/2033 - 01/07/2033
कर्क	01/07/2033 - 01/01/2034
मिथुन	01/01/2034 - 01/07/2034
वृष	01/07/2034 - 01/01/2035

मिथुन 7 वर्ष

वृष	01/01/2035 - 01/08/2035
मेष	01/08/2035 - 01/03/2036
मीन	01/03/2036 - 01/10/2036
कुम्भ	01/10/2036 - 01/05/2037
मकर	01/05/2037 - 01/12/2037
धनु	01/12/2037 - 01/07/2038
वृश्चिक	01/07/2038 - 01/02/2039
तुला	01/02/2039 - 01/09/2039
कन्या	01/09/2039 - 01/04/2040
सिंह	01/04/2040 - 01/11/2040
कर्क	01/11/2040 - 01/06/2041
मिथुन	01/06/2041 - 01/01/2042

कर्क 10 वर्ष

मिथुन	01/01/2042 - 01/11/2042
वृष	01/11/2042 - 01/09/2043
मेष	01/09/2043 - 01/07/2044
मीन	01/07/2044 - 01/05/2045
कुम्भ	01/05/2045 - 01/03/2046
मकर	01/03/2046 - 01/01/2047
धनु	01/01/2047 - 01/11/2047
वृश्चिक	01/11/2047 - 01/09/2048
तुला	01/09/2048 - 01/07/2049
कन्या	01/07/2049 - 01/05/2050
सिंह	01/05/2050 - 01/03/2051
कर्क	01/03/2051 - 01/01/2052

सिंह 8 वर्ष

कन्या	01/01/2052 - 01/09/2052
तुला	01/09/2052 - 01/05/2053
वृश्चिक	01/05/2053 - 01/01/2054
धनु	01/01/2054 - 01/09/2054
मकर	01/09/2054 - 01/05/2055
कुम्भ	01/05/2055 - 01/01/2056
मीन	01/01/2056 - 01/09/2056
मेष	01/09/2056 - 01/05/2057
वृष	01/05/2057 - 01/01/2058
मिथुन	01/01/2058 - 01/09/2058
कर्क	01/09/2058 - 01/05/2059
सिंह	01/05/2059 - 01/01/2060

कन्या 8 वर्ष

तुला	01/01/2060 - 01/09/2060
वृश्चिक	01/09/2060 - 01/05/2061
धनु	01/05/2061 - 01/01/2062
मकर	01/01/2062 - 01/09/2062
कुम्भ	01/09/2062 - 01/05/2063
मीन	01/05/2063 - 01/01/2064
मेष	01/01/2064 - 01/09/2064
वृष	01/09/2064 - 01/05/2065
मिथुन	01/05/2065 - 01/01/2066
कर्क	01/01/2066 - 01/09/2066
सिंह	01/09/2066 - 01/05/2067
कन्या	01/05/2067 - 01/01/2068

तुला 1 वर्ष

वृश्चिक	01/01/2068 - 01/02/2068
धनु	01/02/2068 - 01/03/2068
मकर	01/03/2068 - 01/04/2068
कुम्भ	01/04/2068 - 01/05/2068
मीन	01/05/2068 - 01/06/2068
मेष	01/06/2068 - 01/07/2068
वृष	01/07/2068 - 01/08/2068
मिथुन	01/08/2068 - 01/09/2068
कर्क	01/09/2068 - 01/10/2068
सिंह	01/10/2068 - 01/11/2068
कन्या	01/11/2068 - 01/12/2068
तुला	01/12/2068 - 01/01/2069

वृश्चिक 11 वर्ष

तुला	01/01/2069 - 01/12/2069
कन्या	01/12/2069 - 01/11/2070
सिंह	01/11/2070 - 01/10/2071
कर्क	01/10/2071 - 01/09/2072
मिथुन	01/09/2072 - 01/08/2073
वृष	01/08/2073 - 01/07/2074
मेष	01/07/2074 - 01/06/2075
मीन	01/06/2075 - 01/05/2076
कुम्भ	01/05/2076 - 01/04/2077
मकर	01/04/2077 - 01/03/2078
धनु	01/03/2078 - 01/02/2079
वृश्चिक	01/02/2079 - 01/01/2080

धनु 8 वर्ष

वृश्चिक	01/01/2080 - 01/09/2080
तुला	01/09/2080 - 01/05/2081
कन्या	01/05/2081 - 01/01/2082
सिंह	01/01/2082 - 01/09/2082
कर्क	01/09/2082 - 01/05/2083
मिथुन	01/05/2083 - 01/01/2084
वृष	01/01/2084 - 01/09/2084
मेष	01/09/2084 - 01/05/2085
मीन	01/05/2085 - 01/01/2086
कुम्भ	01/01/2086 - 01/09/2086
मकर	01/09/2086 - 01/05/2087
धनु	01/05/2087 - 01/01/2088

मकर 2 वर्ष

धनु	01/01/2088 - 01/03/2088
वृश्चिक	01/03/2088 - 01/05/2088
तुला	01/05/2088 - 01/07/2088
कन्या	01/07/2088 - 01/09/2088
सिंह	01/09/2088 - 01/11/2088
कर्क	01/11/2088 - 01/01/2089
मिथुन	01/01/2089 - 01/03/2089
वृष	01/03/2089 - 01/05/2089
मेष	01/05/2089 - 01/07/2089
मीन	01/07/2089 - 01/09/2089
कुम्भ	01/09/2089 - 01/11/2089
मकर	01/11/2089 - 01/01/2090

कुम्भ 3 वर्ष

मीन	01/01/2090 - 01/04/2090
मेष	01/04/2090 - 01/07/2090
वृष	01/07/2090 - 01/10/2090
मिथुन	01/10/2090 - 01/01/2091
कर्क	01/01/2091 - 01/04/2091
सिंह	01/04/2091 - 01/07/2091
कन्या	01/07/2091 - 01/10/2091
तुला	01/10/2091 - 01/01/2092
वृश्चिक	01/01/2092 - 01/04/2092
धनु	01/04/2092 - 01/07/2092
मकर	01/07/2092 - 01/10/2092
कुम्भ	01/10/2092 - 01/01/2093

मीन 7 वर्ष

मेष	01/01/2093 - 01/08/2093
वृष	01/08/2093 - 01/03/2094
मिथुन	01/03/2094 - 01/10/2094
कर्क	01/10/2094 - 01/05/2095
सिंह	01/05/2095 - 01/12/2095
कन्या	01/12/2095 - 01/07/2096
तुला	01/07/2096 - 01/02/2097
वृश्चिक	01/02/2097 - 01/09/2097
धनु	01/09/2097 - 01/04/2098
मकर	01/04/2098 - 01/11/2098
कुम्भ	01/11/2098 - 01/06/2099
मीन	01/06/2099 - 01/01/2100

मेष 6 वर्ष

वृष	01/01/2100 - 01/07/2100
मिथुन	01/07/2100 - 01/01/2101
कर्क	01/01/2101 - 01/07/2101
सिंह	01/07/2101 - 01/01/2102
कन्या	01/01/2102 - 01/07/2102
तुला	01/07/2102 - 01/01/2103
वृश्चिक	01/01/2103 - 01/07/2103
धनु	01/07/2103 - 01/01/2104
मकर	01/01/2104 - 01/07/2104
कुम्भ	01/07/2104 - 01/01/2105
मीन	01/01/2105 - 01/07/2105
मेष	01/07/2105 - 01/01/2106

वृष 6 वर्ष

मेष	01/01/2106 - 01/07/2106
मीन	01/07/2106 - 01/01/2107
कुम्भ	01/01/2107 - 01/07/2107
मकर	01/07/2107 - 01/01/2108
धनु	01/01/2108 - 01/07/2108
वृश्चिक	01/07/2108 - 01/01/2109
तुला	01/01/2109 - 01/07/2109
कन्या	01/07/2109 - 01/01/2110
सिंह	01/01/2110 - 01/07/2110
कर्क	01/07/2110 - 01/01/2111
मिथुन	01/01/2111 - 01/07/2111
वृष	01/07/2111 - 01/01/2112

मिथुन 7 वर्ष

वृष	01/01/2112 - 01/08/2112
मेष	01/08/2112 - 01/03/2113
मीन	01/03/2113 - 01/10/2113
कुम्भ	01/10/2113 - 01/05/2114
मकर	01/05/2114 - 01/12/2114
धनु	01/12/2114 - 01/07/2115
वृश्चिक	01/07/2115 - 01/02/2116
तुला	01/02/2116 - 01/09/2116
कन्या	01/09/2116 - 01/04/2117
सिंह	01/04/2117 - 01/11/2117
कर्क	01/11/2117 - 01/06/2118
मिथुन	01/06/2118 - 01/01/2119

कर्क 10 वर्ष

मिथुन	01/01/2119 - 01/11/2119
वृष	01/11/2119 - 01/09/2120
मेष	01/09/2120 - 01/07/2121
मीन	01/07/2121 - 01/05/2122
कुम्भ	01/05/2122 - 01/03/2123
मकर	01/03/2123 - 01/01/2124
धनु	01/01/2124 - 01/11/2124
वृश्चिक	01/11/2124 - 01/09/2125
तुला	01/09/2125 - 01/07/2126
कन्या	01/07/2126 - 01/05/2127
सिंह	01/05/2127 - 01/03/2128
कर्क	01/03/2128 - 01/01/2129

सिंह 8 वर्ष

कन्या	01/01/2129 - 01/09/2129
तुला	01/09/2129 - 01/05/2130
वृश्चिक	01/05/2130 - 01/01/2131
धनु	01/01/2131 - 01/09/2131
मकर	01/09/2131 - 01/05/2132
कुम्भ	01/05/2132 - 01/01/2133
मीन	01/01/2133 - 01/09/2133
मेष	01/09/2133 - 01/05/2134
वृष	01/05/2134 - 01/01/2135
मिथुन	01/01/2135 - 01/09/2135
कर्क	01/09/2135 - 01/05/2136
सिंह	01/05/2136 - 01/01/2137

कन्या 8 वर्ष

तुला	01/01/2137 - 01/09/2137
वृश्चिक	01/09/2137 - 01/05/2138
धनु	01/05/2138 - 01/01/2139
मकर	01/01/2139 - 01/09/2139
कुम्भ	01/09/2139 - 01/05/2140
मीन	01/05/2140 - 01/01/2141
मेष	01/01/2141 - 01/09/2141
वृष	01/09/2141 - 01/05/2142
मिथुन	01/05/2142 - 01/01/2143
कर्क	01/01/2143 - 01/09/2143
सिंह	01/09/2143 - 01/05/2144
कन्या	01/05/2144 - 01/01/2145

तुला 1 वर्ष

वृश्चिक	01/01/2145 - 01/02/2145
धनु	01/02/2145 - 01/03/2145
मकर	01/03/2145 - 01/04/2145
कुम्भ	01/04/2145 - 01/05/2145
मीन	01/05/2145 - 01/06/2145
मेष	01/06/2145 - 01/07/2145
वृष	01/07/2145 - 01/08/2145
मिथुन	01/08/2145 - 01/09/2145
कर्क	01/09/2145 - 01/10/2145
सिंह	01/10/2145 - 01/11/2145
कन्या	01/11/2145 - 01/12/2145
तुला	01/12/2145 - 01/01/2146

वृश्चिक 11 वर्ष

तुला	01/01/2146 - 01/12/2146
कन्या	01/12/2146 - 01/11/2147
सिंह	01/11/2147 - 01/10/2148
कर्क	01/10/2148 - 01/09/2149
मिथुन	01/09/2149 - 01/08/2150
वृष	01/08/2150 - 01/07/2151
मेष	01/07/2151 - 01/06/2152
मीन	01/06/2152 - 01/05/2153
कुम्भ	01/05/2153 - 01/04/2154
मकर	01/04/2154 - 01/03/2155
धनु	01/03/2155 - 01/02/2156
वृश्चिक	01/02/2156 - 01/01/2157

धनु 8 वर्ष

वृश्चिक	01/01/2157 - 01/09/2157
तुला	01/09/2157 - 01/05/2158
कन्या	01/05/2158 - 01/01/2159
सिंह	01/01/2159 - 01/09/2159
कर्क	01/09/2159 - 01/05/2160
मिथुन	01/05/2160 - 01/01/2161
वृष	01/01/2161 - 01/09/2161
मेष	01/09/2161 - 01/05/2162
मीन	01/05/2162 - 01/01/2163
कुम्भ	01/01/2163 - 01/09/2163
मकर	01/09/2163 - 01/05/2164
धनु	01/05/2164 - 01/01/2165

मकर 2 वर्ष

धनु	01/01/2165 - 01/03/2165
वृश्चिक	01/03/2165 - 01/05/2165
तुला	01/05/2165 - 01/07/2165
कन्या	01/07/2165 - 01/09/2165
सिंह	01/09/2165 - 01/11/2165
कर्क	01/11/2165 - 01/01/2166
मिथुन	01/01/2166 - 01/03/2166
वृष	01/03/2166 - 01/05/2166
मेष	01/05/2166 - 01/07/2166
मीन	01/07/2166 - 01/09/2166
कुम्भ	01/09/2166 - 01/11/2166
मकर	01/11/2166 - 01/01/2167

कुम्भ 3 वर्ष

मीन	01/01/2167 - 01/04/2167
मेष	01/04/2167 - 01/07/2167
वृष	01/07/2167 - 01/10/2167
मिथुन	01/10/2167 - 01/01/2168
कर्क	01/01/2168 - 01/04/2168
सिंह	01/04/2168 - 01/07/2168
कन्या	01/07/2168 - 01/10/2168
तुला	01/10/2168 - 01/01/2169
वृश्चिक	01/01/2169 - 01/04/2169
धनु	01/04/2169 - 01/07/2169
मकर	01/07/2169 - 01/10/2169
कुम्भ	01/10/2169 - 01/01/2170

नैसर्गिक

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	..	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चन्द्र	मित्र	..	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	..	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	..	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	..	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	..	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	..	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	..	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	..

तात्कालिक

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	..	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
चन्द्र	मित्र	..	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	..	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
बुध	मित्र	शत्रु	मित्र	..	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	..	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
शुक्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	..	शत्रु	मित्र	शत्रु
शनि	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	..	मित्र	शत्रु
राहु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	..	शत्रु
केतु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	..

पंचधा

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	..	अतिमित्र	अतिमित्र	मित्र	सम	सम	सम	सम	सम
चन्द्र	अतिमित्र	..	मित्र	सम	मित्र	मित्र	मित्र	अतिशत्रु	अतिशत्रु
मंगल	अतिमित्र	अतिमित्र	..	सम	अतिमित्र	मित्र	मित्र	सम	सम
बुध	अतिमित्र	अतिशत्रु	मित्र	..	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	सम	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिशत्रु	..	सम	मित्र	मित्र	शत्रु
शुक्र	सम	सम	मित्र	अतिमित्र	मित्र	..	सम	अतिमित्र	सम
शनि	सम	सम	सम	अतिमित्र	मित्र	सम	..	अतिमित्र	अतिशत्रु
राहु	सम	अतिशत्रु	सम	शत्रु	मित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	..	अतिशत्रु
केतु	सम	अतिशत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	अतिशत्रु	अतिशत्रु	..

अष्टकवर्ग

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	कुल
सूर्य	3	5	7	4	4	3	4	4	5	4	3	2	48
चन्द्र	2	5	4	6	5	4	2	4	2	4	5	6	49
मंगल	3	6	4	4	3	3	3	4	1	3	3	2	39
बुध	4	4	7	5	4	3	5	5	5	5	3	4	54
गुरु	5	4	4	5	5	5	6	4	3	6	3	6	56
शुक्र	3	4	6	5	4	5	3	5	4	4	3	6	52
शनि	2	1	4	4	3	5	3	2	5	4	2	4	39
लग्न	3	3	4	3	5	4	3	6	4	5	6	3	49
कुल	25	32	40	36	33	32	29	34	29	35	28	33	386
कुल	22	29	36	33	28	28	26	28	25	30	22	30	337

शोधित अष्टकवर्ग

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	कुल
सूर्य	0	2	4	2	1	0	1	2	2	1	0	0	15
चन्द्र	0	1	2	2	3	0	0	0	0	0	3	2	13
मंगल	2	3	1	2	2	0	0	2	0	0	0	0	12
बुध	0	1	4	1	0	0	2	1	1	2	0	0	12
गुरु	2	0	1	1	2	1	3	0	0	2	0	2	14
शुक्र	0	0	3	0	1	1	0	0	1	0	0	1	7
शनि	0	0	2	2	1	4	1	0	3	3	0	2	18
लग्न	0	0	1	0	2	1	0	3	1	2	3	0	13

एकादिपत्य शोधन

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	कुल
सूर्य	0	1	4	2	1	0	1	2	2	1	0	0	14
चन्द्र	0	1	2	2	3	0	0	0	0	0	3	2	13
मंगल	0	3	1	2	2	0	0	2	0	0	0	0	10
बुध	0	0	4	1	0	0	2	1	1	2	0	0	11
गुरु	2	0	0	1	2	1	3	0	0	2	0	2	13
शुक्र	0	0	2	0	1	1	0	0	1	0	0	0	5
शनि	0	0	0	2	1	4	1	0	3	3	0	0	14
लग्न	0	0	0	0	2	1	0	3	1	2	1	0	10

पिंड

	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	109	116	121	96	87	106	60	127
ग्रह पिंड	76	57	30	44	43	59	20	68
शोध्य पिंड	185	173	151	140	130	165	80	195

प्रस्ताराष्टक वर्ग

लग्न

	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	म	कु	कुल
लग्न	0	I	0	0	0	I	I	0	I	0	I	I	6
बुध	0	I	I	I	0	I	I	0	I	I	I	I	9
सूर्य	I	0	0	0	I	I	0	I	0	I	0	0	5
गुरु	I	0	I	0	0	0	I	I	I	0	0	I	6
चन्द्र	I	0	0	I	I	0	I	0	I	I	I	I	8
शुक्र	0	I	0	I	0	I	0	I	I	0	I	I	7
मंगल	0	0	0	I	I	0	0	0	I	0	0	I	4
शनि	0	0	I	0	0	I	0	0	0	I	I	0	4
कुल	3	3	3	4	3	5	4	3	6	4	5	6	49

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

सूर्य

	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	कुल
लग्न	I	0	I	0	0	I	I	I	I	I	0	I	8
बुध	I	I	0	0	I	0	I	0	0	0	0	0	4
सूर्य	0	I	0	0	I	I	I	I	I	0	I	I	8
गुरु	I	I	0	I	0	0	I	I	I	I	I	0	8
चन्द्र	0	0	0	0	I	I	0	0	0	0	I	0	3
शुक्र	I	0	0	I	0	I	I	0	0	I	I	I	7
मंगल	0	0	I	0	0	0	I	I	0	0	0	I	4
शनि	I	I	I	0	0	I	I	0	I	0	0	0	6
कुल	5	4	3	2	3	5	7	4	4	3	4	4	48

चन्द्र

	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	कुल
लग्न	I	0	0	0	I	0	I	I	0	0	0	0	4
बुध	0	0	I	0	0	I	I	0	I	I	I	I	7
सूर्य	0	0	I	I	0	I	I	0	0	I	I	I	7
गुरु	I	I	0	0	0	I	0	0	I	I	I	0	6
चन्द्र	I	0	0	0	I	I	I	0	I	0	I	I	7
शुक्र	0	I	I	0	I	0	I	I	I	0	I	I	8
मंगल	I	0	I	0	0	I	I	0	0	I	I	0	6
शनि	0	0	0	I	I	0	0	0	I	0	0	I	4
कुल	4	2	4	2	4	5	6	2	5	4	6	5	49

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

मंगल

	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	कुल
लग्न	0	I	0	0	I	0	0	I	I	I	I	I	7
बुध	0	0	0	I	0	0	0	I	I	I	0	0	4
सूर्य	I	I	0	I	0	0	I	I	0	I	I	0	7
गुरु	I	0	0	0	I	0	I	I	0	0	0	I	5
चन्द्र	I	0	0	0	0	0	I	0	I	0	0	I	4
शुक्र	0	I	0	0	0	I	0	I	I	0	0	0	4
मंगल	0	I	0	0	I	0	0	0	0	I	0	0	3
शनि	0	0	I	I	0	I	0	I	0	0	I	0	5
कुल	3	4	1	3	3	2	3	6	4	4	3	3	39

बुध

	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	वृ	ध	कुल
लग्न	0	I	0	0	I	I	I	I	I	0	I	I	8
बुध	I	0	I	0	0	I	I	0	0	0	0	0	4
सूर्य	I	0	0	I	I	I	I	I	0	I	I	0	8
गुरु	0	0	0	I	I	0	0	I	0	I	I	0	5
चन्द्र	I	I	I	0	0	I	I	0	I	0	I	I	8
शुक्र	I	0	I	0	I	I	0	0	I	I	I	I	8
मंगल	0	I	0	I	0	I	I	0	0	I	0	I	6
शनि	I	0	I	I	0	I	0	I	0	I	0	I	7
कुल	5	3	4	4	4	7	5	4	3	5	5	5	54

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

गुरु

	सि	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	कुल
लग्न	0	0	I	0	0	I	0	I	I	0	0	0	4
बुध	I	I	I	I	0	0	I	I	0	I	I	0	8
सूर्य	I	0	I	I	0	I	0	0	I	I	0	I	7
गुरु	I	I	I	0	I	I	I	I	0	0	I	I	9
चन्द्र	I	I	0	0	I	0	0	I	I	0	0	I	6
शुक्र	0	I	I	I	0	I	I	0	I	I	I	0	8
मंगल	0	0	I	0	0	I	0	I	0	I	0	I	5
शनि	I	I	0	I	I	I	0	I	I	0	I	I	9
कुल	5	5	6	4	3	6	3	6	5	4	4	5	56

शुक्र

	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	कुल
लग्न	0	0	I	I	I	0	0	I	I	I	I	0	7
बुध	0	I	0	0	I	I	I	I	0	0	0	0	5
सूर्य	0	I	0	I	I	0	0	I	0	I	I	0	6
गुरु	I	0	0	0	0	0	0	0	I	0	0	I	3
चन्द्र	I	I	I	I	I	0	0	I	I	I	I	0	9
शुक्र	I	0	0	0	I	0	I	I	0	0	I	0	5
मंगल	I	I	I	0	0	I	I	0	I	I	I	I	9
शनि	I	0	I	0	I	I	I	I	I	0	0	I	8
कुल	5	4	4	3	6	3	4	6	5	4	5	3	52

03.45
07.30
11.15
15.00
18.45
22.30
26.15
30.00

शनि

	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु	कुल
लग्न	0	0	I	0	I	I	0	0	0	0	I	0	4
बुध	0	I	I	0	0	0	0	I	I	0	0	0	4
सूर्य	0	I	0	I	I	0	0	0	I	I	I	0	6
गुरु	0	I	I	0	I	0	0	I	I	0	I	I	7
चन्द्र	0	0	0	0	0	I	0	0	0	0	I	I	3
शुक्र	I	I	0	0	0	0	0	I	0	I	I	I	6
मंगल	I	0	0	I	0	0	0	0	I	0	0	0	3
शनि	0	I	I	0	I	0	I	I	0	I	0	0	6
कुल	2	5	4	2	4	2	1	4	4	3	5	3	39

मिलान तालिका

यदि आप अविवाहित हैं तो निम्न सूचना आपके लिये उपयोगी होगी। अपने भावी जीवन साथी से गुण दोष मिलान के लिए उसका नक्षत्र व चरण निम्न तालिका से मिलाइए।

नक्षत्र	चरण	गुण	दोष	मिलान
अश्विनी	1 - 4	11	3,6	अच्छा नहीं है।
भरणी	1 - 4	21.5	6	मध्यम है।
कृतिका	1 - 1	15.5	1,6	अच्छा नहीं है।
कृतिका	2 - 4	21	1,5	मध्यम है।
रोहिणी	1 - 4	26	+5	मध्यम है।
मृगशिरा	1 - 2	23.5	+5	मध्यम है।
मृगशिरा	3 - 4	31.5		उत्तम है।
आरद्रा	1 - 4	24.5	3	मध्यम है।
पुनर्वसु	1 - 3	24.5	3	मध्यम है।
पुनर्वसु	4 - 4	18	3	अच्छा नहीं है।
पुष्य	1 - 4	26		मध्यम है।
अश्लेषा	1 - 4	21	1	मध्यम है।
मघा	1 - 4	16.5	1,4	अच्छा नहीं है।
पू फाल्गुनी	1 - 4	24	0,4	मध्यम है।
उ फाल्गुनी	1 - 1	17	3,4	अच्छा नहीं है।
उ फाल्गुनी	2 - 4	28	3	मध्यम है।
हस्त	1 - 4	26	3	मध्यम है।
चित्रा	1 - 2	24.5	1,2	मध्यम है।
चित्रा	3 - 4	17.5	1,2,4	अच्छा नहीं है।
स्वाती	1 - 4	25.5	4	मध्यम है।
विशाखा	1 - 3	17.5	1,4,2	अच्छा नहीं है।
विशाखा	4 - 4	18	1,2	अच्छा नहीं है।
अनुराधा	1 - 4	26		मध्यम है।
ज्येष्ठा	1 - 4	13	1,3	अच्छा नहीं है।
मूल	1 - 4	13	3,1	अच्छा नहीं है।
पूर्वाषाढ़ा	1 - 4	28.5		उत्तम है।
उत्तराषाढ़ा	1 - 1	27.5		उत्तम है।
उत्तराषाढ़ा	2 - 4	25	+5	मध्यम है।
श्रवण	1 - 4	24	+5	मध्यम है।
धनिष्ठा	1 - 2	16	1,5	अच्छा नहीं है।
धनिष्ठा	3 - 4	17.5	1,6	अच्छा नहीं है।
शतभिषा	1 - 4	11.5	1,3,6	अच्छा नहीं है।
पू भाद्रपद	1 - 3	15.5	3,6	अच्छा नहीं है।
पू भाद्रपद	4 - 4	16.5	3	अच्छा नहीं है।
उ भाद्रपद	1 - 4	27.5		मध्यम है।
रेवती	1 - 4	25.5		मध्यम है।

दोष प्रकार

0 रज्जु दोष : 1 गण महा दोष: 2 योनिवर दोष: 3 नाड़ी दोष
4 द्विदाश दोष : 5 नवपंच दोष: 6 भकूट दोष:

चर कारक

आत्म	अमात्य	भातृ	मातृ	पुत्र	ज्ञाति	दारा
गुरु	शनि	सूर्य	शुक्र	चन्द्र	बुध	मंगल
29 04	17 05	16 09	08 17	05 37	05 22	04 37

नवमांश

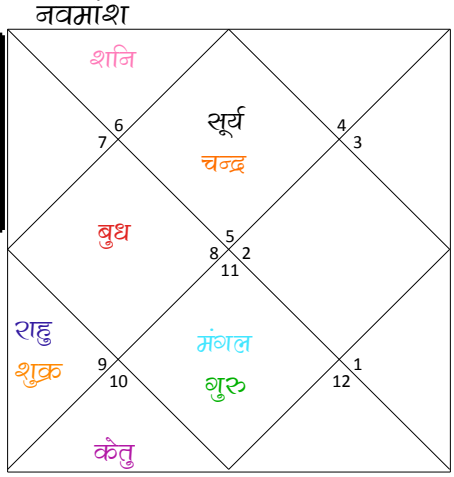

जन्म लग्न

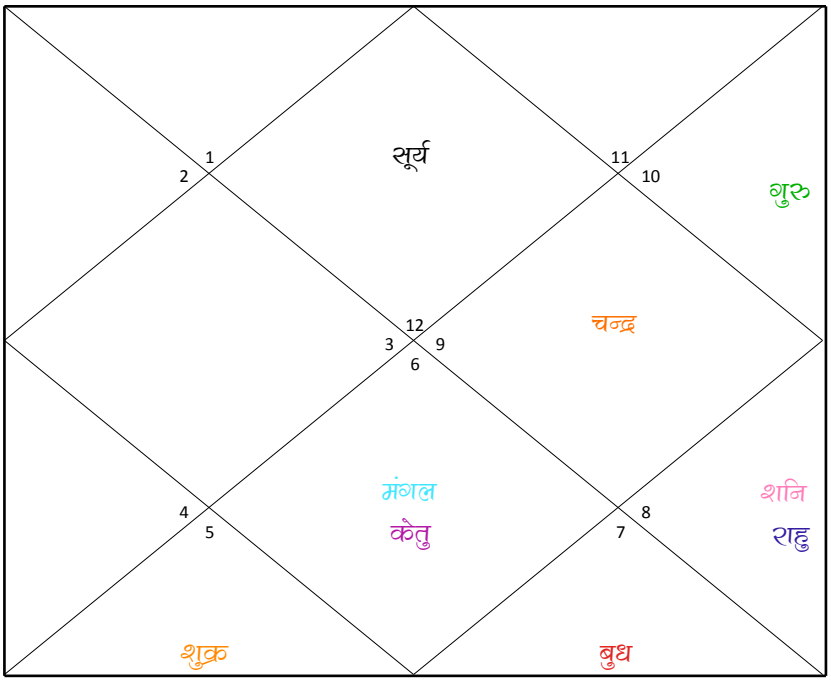

पद कुण्डली

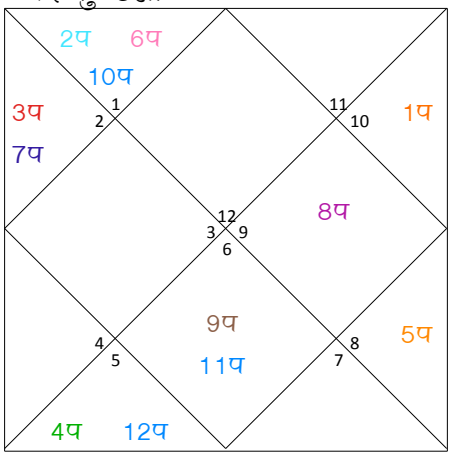

कारकाँश कुण्डली

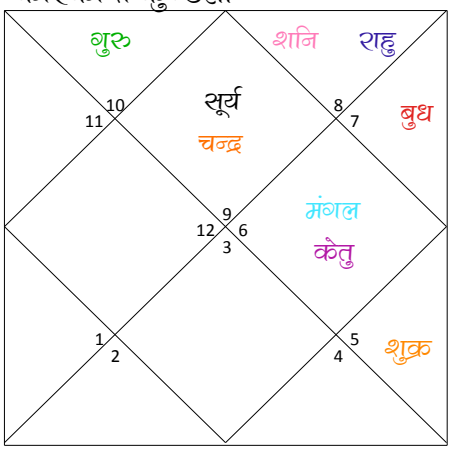

स्वांश कुण्डली

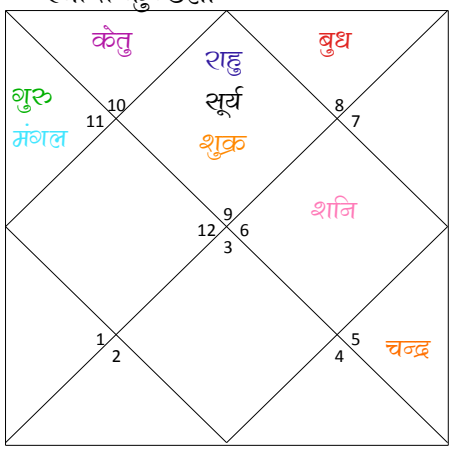

जैमिनी दृष्टि

सूर्य	चन्द्र,राहु,केतु,
चन्द्र	सूर्य,राहु,केतु,
मंगल	गुरु,
बुध	गुरु,शुक्र,शनि,
गुरु	मंगल,बुध,
शुक्र	बुध,
शनि	बुध,
राहु	सूर्य,चन्द्र,केतु,
केतु	सूर्य,चन्द्र,राहु,

चर दशा

मीन	7 Yr 01/01/2016 - 01/01/2023	कर्क	10 Yr 01/01/2042 - 01/01/2052	वृश्चिक	11 Yr 01/01/2069 - 01/01/2080
मेष	6 Yr 01/01/2023 - 01/01/2029	सिंह	8 Yr 01/01/2052 - 01/01/2060	धनु	8 Yr 01/01/2080 - 01/01/2088
वृष	6 Yr 01/01/2029 - 01/01/2035	कन्या	8 Yr 01/01/2060 - 01/01/2068	मकर	2 Yr 01/01/2088 - 01/01/2090
मिथुन	7 Yr 01/01/2035 - 01/01/2042	तुला	1 Yr 01/01/2068 - 01/01/2069	कुम्भ	3 Yr 01/01/2090 - 01/01/2093

अष्टकवर्ग चक्र

		शोधन से पूर्व	त्रिकोण शोधन	एकाधिपत्य शोधन
सूर्य		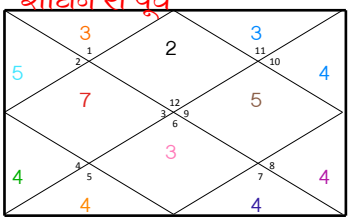	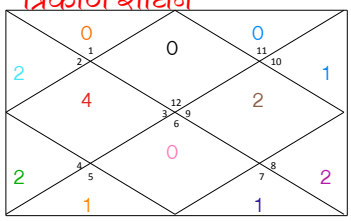	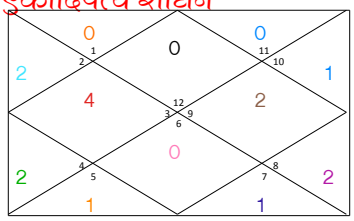
राशि पिंड	116			
ग्रह पिंड	57			
शोध्य पिंड	173			
चन्द्र		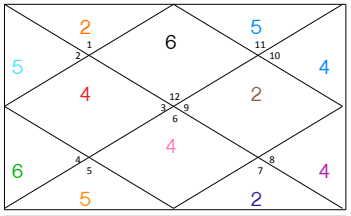	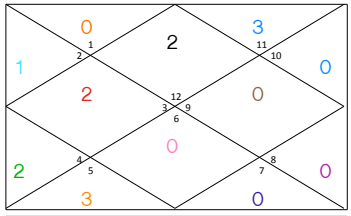	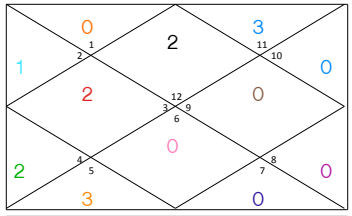
राशि पिंड	121			
ग्रह पिंड	30			
शोध्य पिंड	151			
मंगल		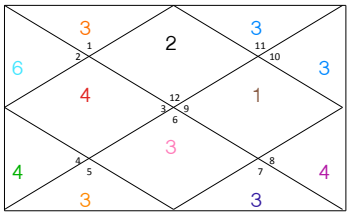	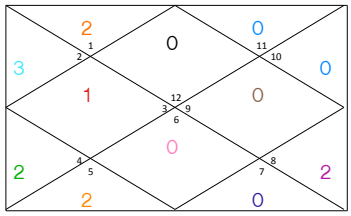	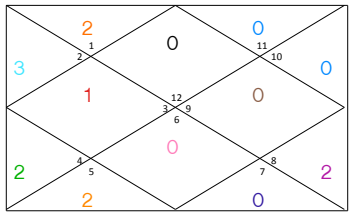
राशि पिंड	96			
ग्रह पिंड	44			
शोध्य पिंड	140			
बुध		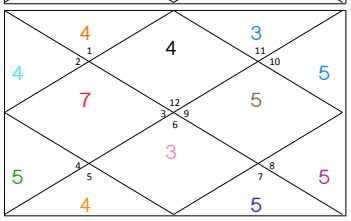	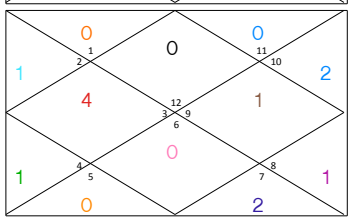	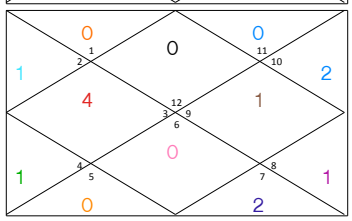
राशि पिंड	87			
ग्रह पिंड	43			
शोध्य पिंड	130			
गुरु		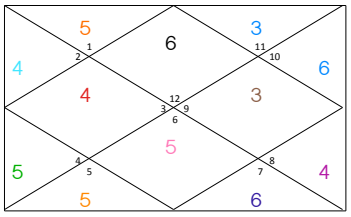	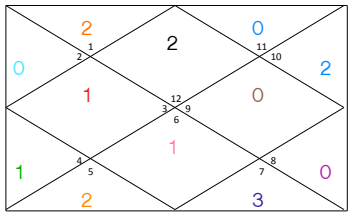	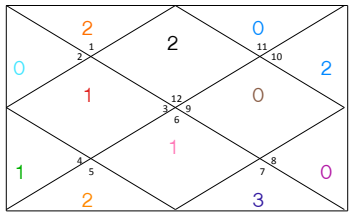
राशि पिंड	106			
ग्रह पिंड	59			
शोध्य पिंड	165			
शुक्र		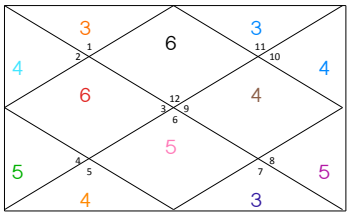	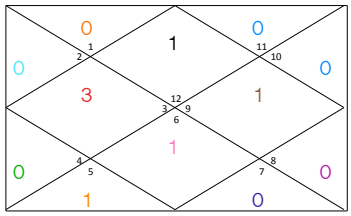	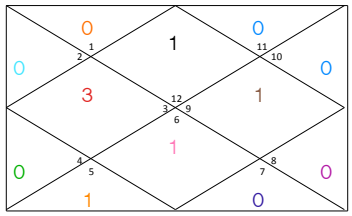
राशि पिंड	60			
ग्रह पिंड	20			
शोध्य पिंड	80			
शनि		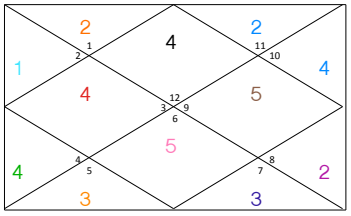	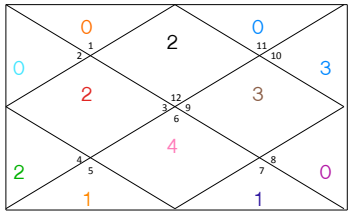	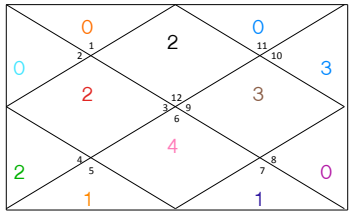
राशि पिंड	127			
ग्रह पिंड	68			
शोध्य पिंड	195			
लग्न		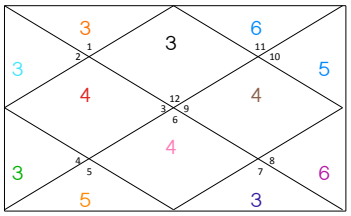	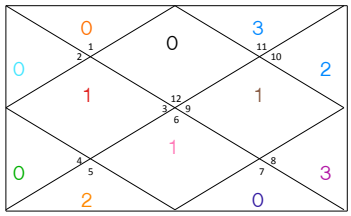	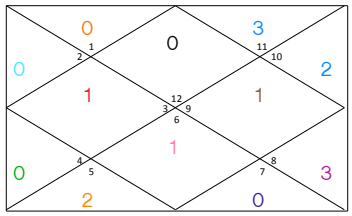
राशि पिंड	109			
ग्रह पिंड	76			
शोध्य पिंड	185			

उपग्रह एवं आरुढ़

उपग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण
लग्न	मीन	04 01 53	उ भाद्रपद	1
गुलिक	मकर	04 57 18	उत्तराषाढ़ा	3
काल	मकर	28 04 31	धनिष्ठा	2
मृत्यू	मीन	22 15 15	रेवती	2
यमघंटक	वृष	10 39 52	रोहिणी	1
अर्द्धप्रहर	मेष	18 09 30	भरणी	2
धूम	मेष	29 29 35	कृतिका	1
व्यतिपात	मीन	00 30 25	पू भाद्रपद	4
परिवेश	कन्या	00 30 25	उ फाल्गुनी	2
इन्द्रचाप	तुला	29 29 35	विशाखा	3
उपकेतू	वृश्चिक	16 09 35	अनुराधा	4

उपग्रह

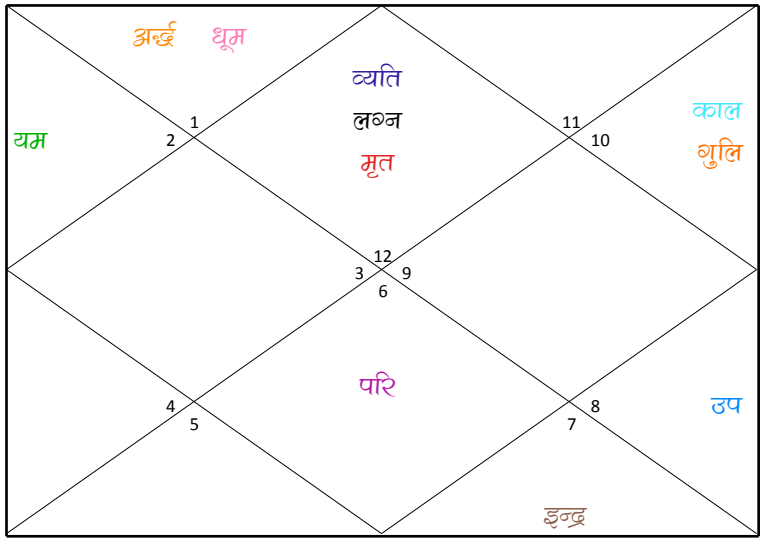

विशेष लग्न

भाव लग्न	वृष	09:12:53	64वां नवमांश	वृष
होरा लग्न	सिंह	10:00:22	22वां द्रेष्काण	तुला
घटिका लग्न	वृश्चिक	11:53:31	इन्दु लग्न	कुम्भ
बीज स्फुट	धनु	23:31:28		
प्राणपद	वृश्चिक	29:09:35		

षडबल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	22.05	19.13	22.21	23.21	41.97	13.76	50.97
सप्तवर्ग बल	112.50	97.50	172.50	103.13	127.50	112.50	75.00
ओजयुग्मक बल	30.00	15.00	15.00	15.00	30.00	30.00	15.00
केन्द्र बल	60.00	60.00	30.00	30.00	15.00	15.00	15.00
द्रेष्काण बल	0.00	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00	15.00
1कुल स्थान बल	224.55	191.63	254.71	171.33	214.47	171.26	170.97
2कुल दिग्बल बल	56.18	29.69	39.97	40.45	1.65	8.81	35.65
नतोन्नत बल	56.11	3.89	3.89	60.00	56.11	56.11	3.89
पक्ष बल	26.49	67.02	26.49	33.51	33.51	33.51	26.49
त्रिभाग बल	60.00	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00	0.00
अब्द बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	15.00	0.00
मास बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	30.00	0.00
वार बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45.00	0.00
होरा बल	0.00	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00	0.00
अयन बल	1.48	29.85	15.97	55.90	33.44	3.72	58.12
युद्ध बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3कुल काल बल	144.08	100.76	46.35	149.42	243.06	183.34	88.49
4कुल चेष्टा बल	0.00	0.00	28.97	42.30	37.12	24.72	10.73
5कुल नैसर्गिक बल	60.00	51.43	17.14	25.70	34.28	42.85	8.57
6कुल द्रग्बल	13.40	-9.95	3.09	7.15	-9.95	10.01	13.31
कुल षडबल	498.21	363.56	390.23	436.34	520.64	440.99	327.72
षडबल रुपा में	8.30	6.06	6.50	7.27	8.68	7.35	5.46
न्यूनतम आवश्यकता	5.00	6.00	5.00	7.00	6.50	5.50	5.00
अनुपात	1.66	1.01	1.30	1.04	1.33	1.34	1.09
संबंधित पद	2	6	5	4	1	3	7
इष्ट फल	8.68	25.32	25.36	31.33	39.47	18.44	23.39
कष्ट फल	46.34	32.90	34.25	25.52	20.31	40.39	21.09

भावबल

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भावाधिपति	520.64	390.23	440.99	436.34	363.56	498.21	436.34	440.99	390.23	520.64	327.72	327.72
भावदिग्बल	30.00	20.00	10.00	30.00	50.00	20.00	0.00	10.00	40.00	30.00	50.00	50.00
भावदृष्टि बल	76.59	71.70	85.61	-1.14	40.76	35.43	13.06	16.66	24.46	49.44	52.13	-11.91
कुल भावबल	627.23	481.92	536.59	465.21	454.33	553.64	449.40	467.65	454.69	600.08	429.85	365.81
भाव बल रुपा में	10.45	8.03	8.94	7.75	7.57	9.23	7.49	7.79	7.58	10.00	7.16	6.10
संबंधित पद	1	5	4	7	9	3	10	6	8	2	11	12

मीन आपका लग्न चिन्ह है

बृहस्पति द्वारा शासित, राशि चक्र के बारहवें चिह्न, मीन राशि में आपका जन्म हुआ है। आपकी आँखें बड़ी बड़ी और प्रभावशाली होंगी। आप अत्यंत स्नेहशील, अपने जीवन साथी से अत्यंत स्नेह करने वाले व्यक्ति हैं। आपका सिर बड़ा होगा। आपको संतान से सुख मिलेगा। कभी कभी आप अत्यधिक अस्वस्थता और बेचैनी महसूस करते हैं। आप बहुत संवेगशील और शारीरिक सुखों के शौकीन हैं। आपको अप्रत्याशित हानि हो सकती है। बचपन में आपको साधारण सफलता प्राप्त हुई होगी। जीवन के मध्य में आपको कुछ बाधाएँ आ सकती हैं लेकिन जीवन के परवर्ती भाग में बहुत सुख मिलेंगे। 21 वर्ष की आयु के बाद भाग्योदय होगा। आपका चेहरा बच्चों की तरह गोल व मुलायम, वर्ण पीलापन, आँखें निद्रामयी और सुस्त होंगी। आप दीर्घायु होंगे। आप खूब पानी पीते हैं। पानी में डूबने की दुर्घटनाओं के प्रति आपको सावधान रहना चाहिए। आप ईश्वर से डरने वाले, अत्यंत सत्कारशील, परिवार की परम्पराओं को निभाने वाले और धारा प्रवाह बोलने वाले व्यक्ति हैं। आप बुद्धिमान होंगे और अधिक लंबे नहीं होंगे। आप रूपवान, उन्नतनाक वाले, सुदृढ़ दंत पक्तियों वाले, घुंघराले बाल वाले और दूरदर्शी व्यक्ति हैं। पारिवारिक दृष्टि से आप सुखी होंगे। धनार्जन में कुछ कठिनाई की सम्भावना है। आपकी आय अच्छी होगी लेकिन व्यय भारी होंगे। आप धार्मिक हैं और विपक्षियों की भी सहायता करते हैं। आप और आपके साथी को विज्ञान में रुचि है। आपकी रुचि कविता और साहित्य में भी है।

चूंकि आपका जन्म उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र में हुआ था, आप दयालु नम्र धैर्यवान्, सुशिष्ट और लोकप्रिय होंगे। आप अपनी आय पर जीवन यापन करेंगे और सुख से रहेंगे। मौटापे की प्रवृत्ति रहेगी। 28 से 31 वर्ष की आयु के बीच उन्नति होगी।

सूर्य ग्रह का प्रभाव

छठे गृह का स्वामी, दसवें घर में सूर्य की उपस्थिति दर्शाती है कि हो सकता है आप माता-पिता के पक्ष से अधिक सुखी न हो। प्रतिद्वंद्वियों के विरोध के बावजूद आप मान व प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। आप बहुत धार्मिक हैं और अपने मंगलमयी कार्यों के कारण प्रसिद्ध हैं। परिवार और समाज में आपका आदर व सम्मान है। राजनीति में आपको सफलता मिलेगी लेकिन कुछ बाधाओं का सामना भी करना होगा।
आप जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं और चुनावों में सफलता प्राप्त करेंगे। सत्ता व समाज का प्रोत्साहन प्राप्त होगा। अपने बुद्धिमत्तापूर्ण कार्यों से आप अपार धन व सम्मान अर्जित करेंगे। अपने व्यवसाय में सफलता प्राप्त करेंगे। आपके पास अपार धन होगा। आप वाहन व सुख - सुविधाएँ प्राप्त करेंगे। आप सम्मानजनक कार्य करेंगे। आपके पुत्र प्रभावशाली होंगे। आप व्यवसाय में सफलता प्राप्त करेंगे। आप परियोजनाओं के प्रमुख होंगे। आप एक कुशल न्यायाधिकारी हैं।
आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति कर लेते हैं। आप आदर्शवादी, चरित्रवान और झगड़ों से बचने वाले व्यक्ति हैं। आप दूसरों की ओर से बीच-बचाव करेंगे। आप वार्तालाप में निपुण और एक अच्छे वाचक है। आप तेज, कुशाग्र बुद्धि वाले, अहंकारी आत्म-निर्भर व्यक्ति हैं। स्वयं द्वारा कमाई गई पूंजी शक्ति, पद, यश और राजनैतिक सफलता में वृद्धि होगी।

चन्द्र ग्रह का प्रभाव

चंद्र के पंचमेश होकर सप्तम भाव में होने के कारण आपकी पत्नी मृदु भाषी, सुन्दर एवं सदाचारी होंगी। वह काफी प्रभाव शालिनी भी होगी। अपनी बुद्धि एवं इच्छा शक्ति द्वारा व्यवसाय में आप सफलता प्राप्त करेंगे। पत्नी आपकी सुशिक्षित, व्यवहार कुशल एवं विनम्र स्वभाव की होगी। शिक्षा प्राप्ति में आप कोई परेशानी नहीं झेलेंगे । आप सुन्दर होंगे और संतान द्वारा सुख प्राप्त करेंगे। अपनी बौद्धिकता के कारण आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करेंगे। सम्मान एवं प्रतिष्ठा भोगेंगे। शरीर के भोगों में आपकी आसक्ति होगी और उन्हे प्राप्त भी करेंगे। सांसारिक एवं पारिवारिक जीवन में आप प्रशंसित होंगे। आप बहुत चतुर हैं। आप हँस मुख स्वभाव के व्यक्ति हैं।
विवाह, मुकद्मेबाजी एवं व्यापारिक भागीदारी के मामलें में आप सफल रहेंगे। आप सुखी एवं समृद्ध रहेंगे। आपकी पत्नी सुगृहिणी होगी लेकिन बीमार रहेगी। आप सुदूर स्थानों की यात्रा करेंगे। आप बुद्धिमान, सुविचारक, शालीन, शांत चित्त वाले, अच्छे तार्किक और कुशल व्यापारी होंगे।
चंद्र कन्या में : आप सामान्य कद के, पीले चेहरे, काले बाल एवं कफ प्रवृत्ति वाले व्यक्ति होंगे। आप

महत्वाकांक्षी हैं, शरीर के भोगों के शौकीन हैं। विज्ञान विज्ञ हैं एवं स्मरण शक्ति अच्छी है। आप अध्ययन बहुत करते हैं। आप गंभीर स्वभाव के, ईश्वर-निष्ठ, आत्म त्यागी व्यक्ति हैं जो दिन में बलशाली रहते हैं। दूसरों का गृह सुख एवं सम्पत्ति आप भोगेंगे। विदेश प्रवास करेंगे। बुधवार आपके लिए शुभ होगा तथा मंगलवार अशुभ। आपकी गर्दन, बांह या पीठ पर तिल होगा। लगातार खाँसी से आप परेशान रहेंगे। पत्नी आपकी चतुर होगी। आपके कई शत्रु होंगे। आपका कार्य क्षेत्र औषधि विज्ञान में होगा।

मंगल ग्रह का प्रभाव

दूसरे और नवें गृह का स्वामी, आठवें गृह में मंगल दर्शाता है कि आप कठोर हृदय होंगे व परिवारजन आपका विरोध करेंगे। आपकी विशेष प्रकृति है। कुछ सीमा तक आप अकर्मण्य हैं। किसी विदेशी देश में आप अपना भाग्य प्राप्त करेंगे। उत्तराधिकार से या दिमाग की शक्ति के बल पर छिपी हुई दौलत से लाभ प्राप्ति की सम्भावना है। धनार्जन के लिए सत्य पर आधारित साधनों का प्रयोग करेंगे। सम्भवतः आपके भाग्य हमेशा उत्तम न हैं। भाईयों के साथ कुछ वैचारिक मतभेद होगा और कभी कभी सम्पत्ति में हानि होगी।
आठवें गृह में मंगल : आप रक्त-चाप अपव्ययता तथा दुर्घटनाओं से पीड़ित हैं। जीवन के परवर्ती भाग में आप धनवान् होंगे। इस प्रकार के मंगल से जीवन साथी की अस्वस्थता और अप्रसन्नता होती है।
तुला राशि में मंगलः- यात्राओं की अधिकता है। आप संवेगशील हैं। दूसरों की जायदाद का आनंद लेते हैं।

बुध ग्रह का प्रभाव

बुध के चतुर्थेश एवं सप्तमेश हो कर एकादश भाव में होने के फलस्वरूप आप पिता की सेवा करेंगे। आप अत्यधिक धनी होंगे, कई स्थानों की यात्रा करेंगे और मुख्यतः ज्ञान एवं बुद्धि चातुर्य के द्वारा सुखी जीवन बिताएंगे। उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगे और प्रसिद्धि पाएंगे। आप धनी एवं सहृदय है। भार्या सुन्दर होगी। मानसिक लाभ तथा मुद्रा लाभ व आप दोनो ही लाभ सदैव प्राप्त करते रहेंगे। आपका हृदय कोमल है।
आपके दोस्त विज्ञान-वेता है। आपको उच्च कोटि की शिक्षा मिली है, अच्छा घर है तथा रत्न-माणिकों के आप शौकीन हैं। आप विद्वान, धनी, प्रसिद्ध और विलास-प्रिय हैं। आप सत्य प्रेमी हैं।
आपका स्वभाव डरपोक है तथा कभी-कदा सत्य नहीं कह पाते। पारिवारिक सुख में कमी रहेगी।

गुरु ग्रह का प्रभाव

गुरु के लग्नेश और दशमेश होकर छठे भाव में स्थित होने से आप दीर्घायु होंगे। नाना-पक्ष से सुख मिलेगा। आप धनी होंगे लेकिन कंजूस भी होंगे। अपने बुद्धि चातुर्य से शत्रुओं / विरोधियों का पराभव कर देते हैं। आप सम्पत्तिवान होंगे लेकिन स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। प्रसिद्धि प्राप्ति के मार्ग में कई रुकावटें आएँगी। बचपन आपका दुखद रहा होगा। विरोधी प्रबल होंगे और नुकसान करेंगे। आपकी माता को बहुत कष्ट मिलेगा। आपकी संगत बुरी होगी और नौकरी मिलने में परेशानी रहेगी। समाज में सम्मान नहीं मिलेगा।

आपके पास स्वामिभक्त सेवक हैं। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहता है। शत्रुओं का आप पराभव कर देते हैं। बढ़ते हुए वजन के बारे में चीनी की खुराक और एलबूमिन तथा फूड-पाइजिनिंग एवं मिर्गी आदि के बारे में आपको सावधान रहना चाहिए। शारीरिक कमजोरी आप महसूस करेंगे। कमजोर व्यक्तियों से रुग्णावस्था एवं अपमान आदि जैसी अवांछित स्थितियों से आपका सामना पड़ता रहेगा। आप जलील किए जाएंगे। स्वभाव में सुस्ती रहेगी। अध्यात्म में रुचि रहेगी।

आप एक कर्तव्य परायण एवं कुशल कार्यकर्ता हैं। आप सभा - सोसाइटियों में हिस्सा लेते हैं और एक अच्छे वक्ता हैं। विरोधियों को आप बस में कर लेंगे। आप बहुत धार्मिक स्वभाव के हैं और सरकार व समाज में अच्छी प्रतिष्ठा है।

शुक्र ग्रह का प्रभाव

शुक्र के तृतीयेश व अष्टमेश हो कर नवम् भाव में होने के कारण आपकी कई धर्मों में रुचि होगी। मित्र, भाई-बहन अच्छे रहेंगे यद्यपि कभी कभी उनसे भी कष्ट मिलेगा। मित्र आपका सम्मान करेंगे। ऊँचे तबके के लोगों का आप विरोध करेंगे। किसी दातव्य संस्थान या ट्रस्ट का प्रबंधन करेंगे। कभी कभी संतान से दुख मिलेगा। स्त्रियों के सहयोग से भाग्यशाली रहेंगे। भाईयों व मित्रों के प्रति अति स्नेह शील रहेंगे। कई लोगों की आप सहायता करते हैं। आप बुद्धिमान हैं। संतान सुन्दर होगी। आप पुण्यवान् कृत्यों के लिए प्रसिद्ध होंगे। धार्मिक स्थलों की यात्रा करेंगे। आप मृत्योपरान्त भी याद किए जाएंगे। धन, प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा अपनी ही करनी से पाएंगे। आपका शानदार व्यक्तित्व है। विदेश यात्रा करेंगे। अपने कलात्मक उद्यमों के लिए प्रसिद्ध होंगे। आप कर्मठ, साहसी और मेहनती हैं। अपने पिता से अधिक प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। बड़े ही शानो शौकत के वातावरण में आपकी मृत्यु होगी। पत्नी लंबी, गोरी, कर्मठ और दबंग स्वभाव की होगी जिसकी सांसारिक सुखों में अधिक रुचि नहीं होगी। वह धार्मिक प्रवृत्ति की और साहसी भी होगी।

शुक्र के नवम् भाव में होने के कारण आपको ईश्वर का भय रहेगा। अपने सद्गुणों के कारण प्रसिद्ध होंगे और पारिवारिक सुख भोगेंगे। आप सदाचारी और सहृदय व्यक्ति हैं। आपकी प्रवृत्ति धार्मिक हैं और धार्मिक स्थलों की यात्रा करेंगे। सरकार समाज एवं मालिकों के कृपा भाजन रहेंगे। समुद्र सम्बन्धी लेन देन के

व्यापार से धन कमाएंगे। आप थोड़े आत्म-केन्द्रित व्यक्ति हैं लेकिन आपका निर्मल स्वभाव है। संतान और पत्नी आज्ञाकारी रहेंगी। नवम् का शुक्र श्रेष्ठ संतान समृद्धि वृद्धि और लोक प्रियता का दाता है। उच्च प्रभुता पूर्ण पद सम्मान एवं अन्य सुख सुविधाएँ भोगेंगे।
आप कतिपय बुरे काम कर सकते हैं। ईश्वर में कम आस्था होगी। व्याधिग्रस्त रहेंगे और स्वभाव क्रोधी होगा। पत्नी से विरोध होगा और मतभेद रहेगा।

शनि ग्रह का प्रभाव

शनि के एकादशेश और द्वादशेश होकर नवम् भाव में होने के कारण आप धार्मिक स्थलों की यात्रा करेंगे। मन आपका चंचल है। कभी-कभी आप आलसी हो जाते हैं। आप परोपकारी हैं और विदेश में धन कमाते हैं। शास्त्र और धर्म का आपको काफी ज्ञान है। अपने पुण्यवान् और साहसिक कृत्यों के लिए आप प्रसिद्ध हैं। अपनी मेहनत से भाग्य चमकाएंगे। प्रसिद्धि और सम्मान-प्राप्त करने के लिए आप धन व्यय करते हैं। धार्मिक उद्देश्यों के लिए भी खर्च करते हैं। आप सत्य-प्रिय हैं और भले लोगों द्वारा पसंद किए जाते हैं। बोलचाल में आप माहिर हैं। अपनी प्रयोजनाओं के आप मुखिया हैं तथा कई दातव्य संस्थानों से सम्बन्ध भी है। आप अनायास प्रचुर सम्पत्ति और आय प्राप्त करेंगे। भाईयों और मित्रों के सुख में कमी महसूस करते हैं। आप विदेश भ्रमण करते हैं तथा ऊँचा नाम और प्रसिद्धि प्राप्त करते हैं। आप बहादुर हैं और कई लोगों के नायक हैं। 36 वर्ष के बाद भाग्योन्नति प्राप्त करेंगे। पैतृक धन प्राप्त करते हैं पर कई बाधा और अड़चनो के साथ। आप श्रेष्ठ योग्यताओं के धनी हैं।
नवम् भाव में शनि यह बताता है कि आपके पिता रुग्ण रहेंगे। आप अधिक मिलनसार नहीं है। आप बड़े सोच विचार वाले आदमी हैं। स्वभाव से क्रोधी हैं। मंदिरों और दातव्य संस्थानों के जीर्णोद्धार के लिए धन खर्च करते हैं। अध्यात्म, संगीत एवं ज्योतिष आपको प्रिय होंगे। समुद्र यात्रा में खतरें की आशंका रहेगी। नवम शनि पिता की बीमारी, कलंकित करने वाली अफवाहें, किसी निकट सम्बन्धी की रुग्णता या मौत का कारण हो सकता है। आप अति गर्वीले व्यक्ति हैं। संतान के लिए चिन्तित रहेंगे और नौकरों के कारण भी परेशान रह सकते हैं। आप बहुत चतुर हैं। विधि और दर्शन का आपको काफी ज्ञान है। विद्या से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। कानूनी अदालत, कालेज और धार्मिक स्थलों से आपके सम्बन्ध रहेंगे। आप मितव्ययी हैं और आत्म सम्मान को काफी महत्व देते हैं। विदेश यात्रा भी कर सकते हैं। आप गहरे विचारक हैं लेकिन कभी-कभी मन चंचल रहता है। शरीर पर काफी बाल होंगे। यद्यपि आप साहसी हैं लेकिन कभी-कभी कुछ चीजों से भयभीत रहते हैं। आप चालबाजी से अपने प्रतिद्वंद्वियों का पराभव कर देते हैं।
शनि वृश्चिक में : आपकी संगति बुरी है और वैवाहिक सुख में कमी है। आपका क्रोधी स्वभाव है। आप कठोर हृदयी और लालची हैं।

राहु ग्रह का प्रभाव

सातवें गृह में राहु दर्शाता है कि आप कई देशों का भ्रमण करेंगे। जीवन साथी की अस्वस्थता या उससे अलगाव होगा। साझे के धंधे में हानि हो सकती है। कुटिल व्यक्तियों की संगति और अपयश हो सकता है। आप वाचाल हैं। आपको मूत्र सम्बन्धी व्याधियाँ हो सकती हैं। महिलाओं के कारण सम्पत्ति में नुकसान हो सकता है। आप चरित्रवान, क्रोधी, सुखों पर अधिक व्यय करने वाले व्यक्ति हैं। सामाजिक व सार्वजनिक मान सम्मान में कभी कभी कुछ आभाव व दुर्बलता महसूस करते हैं। दामपत्य जीवन में बैचेनी अनुभव करते हैं। जोड़ों के दर्द की सम्भावना है। कभी कभी यात्रा में नुकसान उठाते हैं। आप दूसरी जाति में विवाह कर सकते हैं। आपके स्वास्थ्य व स्फूर्ति में हानि की सम्भावना है। कुटिल व दुष्चरित्र लोगों की संगति पसंद होगी।

केतु ग्रह का प्रभाव

पहले गृह में केतु दर्शाता है कि आपको धर्म दर्शन में रुचि होगी और आप दैवीय शक्तियों में विश्वास रखेंगे। आप बहुत धार्मिक हैं। आपकी अस्वस्थता की सम्भावना है। आप बेतरतीब कपड़े पहनते हैं। आप के गालों की हड्डि उन्नत है और दोनो गाल चिपके होंगे। कुसंगति के कारण अपयश है। आपका अस्थिर चित्त है। आप हमेशा चिन्तित व परेशान रहते हैं। आप किंचित भीरु है। केतु दर्शाता है कि आदर व सम्मान व सम्पत्ति में हानि होगी, शारीरिक कष्ट होंगे और अत्यधिक निराशा होगी। आप जोड़ों के दर्द से पीड़ित रहेंगे। जीवन साथी के प्रति चिन्ता रहेगी। बचपन में अस्वस्थता है। उदर रोगों से ग्रस्त रहने की सम्भावना है।

शारीरिक गठन, व्यक्तित्व

आपके जन्म के समय प्रथम भाव में मीन राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बृहस्पति है। बृहस्पति लग्नेश होकर छठे स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आपकी शारीरिक आकृति सामान्य रूप से सुन्दर तथा सुडौल होगी। शरीर सामान्य ठिगना तथा हाथ पाँव कम लंबे होंगे। आपका मन चंचल प्रवृत्ति, धार्मिक तथा दयालु होगा। आपके मन में सुख - शान्तिमय जीवन व्यतीत करने की लालसा रहेगी। आप हर समय किसी न किसी कार्य में व्यस्त रहना पसंद करेंगे। आपका व्यक्तित्व सामान्य आकर्षक होगा तथा अन्य लोग आपसे कम ही प्रभावित होंगे। जीवन में आपकी रुचि साहित्य, कला लेखन आदि के क्षेत्र में सामान्य रहेगी। जल तथा जलीय जीव जन्तुओं के प्रति आपका आकर्षण हो सकता है लेकिन आपको इनके प्रति सावधानी रखनी चाहिए। आप समय-समय पर साहस से काम लेंगे लेकिन कभी-कभी डरपोक स्वभाव के भी हो सकते हैं। आप अपने अनिश्चित विचार तथा अदृढ़ संकल्प से बने बनाए कार्यों को गँवा सकते हैं, इसलिए आपको दृढ़ संकल्प इच्छा शक्ति से कार्यों में लगे रहना चाहिए जिससे आप जीवन में अधिक उन्नति कर पाएँगे। आपके मित्र तथा सगे - सम्बन्धिजन कुछ प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे। आपको बचपन तथा युवावस्था के आरंभ में कुछ कष्ट होने की सम्भावना है।

धन, परिवार

आपके जन्म के समय द्वितीय भाव में मेष राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी मंगल है। मंगल द्वितीयेश होकर आठवें स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आपको अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। जीवन में यदा-कदा कुछ आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। आपको परिश्रम करने के बावजूद भी परिश्रम का पूर्ण फल प्राप्त होने की कम ही सम्भावना है। अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ बनाने के लिए आपको अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। पारिवारिक धन सम्पत्ति, आदि प्राप्त होन के अवसर कम ही हैं। आपकी पारिवारिक स्थिति सामान्य होगी। आपको कुटुम्बिजनों से कोई विशेष लाभ या संयोगात्मक व्यवहार की कम ही रहेगा। संयुक्त परिवार में रहने की आपकी रुचि कम रहेगी तथा अपने संयुक्त परिवार से दूर किसी दूसरे स्थान में निवास कर सकते हैं। आपको जमा धन के सम्बन्ध में सावधानी रखनी चाहिए। आप यदा-कदा उत्तेजना में आकर अपने संचित धन का सही उपयोग न करके व्यय कर सकते हैं। आपको आर्थिक मामलों में उत्तेजना पूर्वक कोई शीघ्र निर्णय नहीं लेना चाहिए। बुद्धि से विचार पूर्वक निर्णय लेना श्रेयस्कर रहेगा। आपकी वाद्ययंत्र में सामान्य परेशानी हो सकती है जैसे बोलने में कुछ दोष होना। अनावश्यक वार्ताओं में आप तर्क कर सकते हैं, इससे आपको बचना चाहिए। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, परंतु गला, मुख, जिह्वा, वाणी तथा दायीं आँख इत्यादि में

कुछ परेशानी या रोग होने की सम्भावना हो सकती है।

पराक्रम, सहोदर

आपके जन्म के समय तीसरे भाव में वृष राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शुक्र है। शुक्र तृतीयेश होकर नौवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आप जीवन पर्यन्त अपने पराक्रम, साहस और धैर्य को कायम रखेंगे। आप परिश्रमी हैं तथा परिश्रम के द्वारा अपने जीवन में एक नयी जागृति पैदा कर सकते हैं फलस्वरूप भविष्य में आपको अधिक संघर्ष नहीं करना पड़ेगा। आपके हृदय में धैर्य एवं साहस पूर्वक कार्य करने की अभिलाषा रहेगी। आपके छोटे भाई-बहनो का आपके प्रति सहयोगात्मक व्यवहार रहेगा तथा वे आपसे स्नेह रखेंगे। अपनी ओर से आप छोटे भाई-बहनो की उन्नति के प्रति यथासंभव सहयोग प्रदान करते रहेंगे। आप अपने जीवन काल में दूर-समीप की यात्राओं को सार्थक करेंगे तथा इस तरह की यात्राओं के माध्यम से अपने लिए एक नया जन सम्पर्क स्थापित करने में भी सफल होंगे। जीवन में आप यश तथा धन प्राप्त करेंगे। आप अच्छे संगीतकारों तथा कलाकारों से प्रभावित रहेंगे। आपकी आवाज मधुर होगी और आपको गाने-बजाने के कार्यों में रुचि हो सकती है। आपको हृदय तथा दाएँ कान में रोग आदि होने की सम्भावना कम ही रहेगी।

जायदाद, माता, शिक्षा

आपके जन्म के समय चौथे भाव में मिथुन राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बुध है। बुध चतुर्थेश होकर ग्यारहवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना मध्यम फल प्रदर्शित कर रहा है। आप अपने जीवन में साधारणतया भौतिक ऐश्वर्य से सम्पन्न रहेंगे। जीवन में आप अपने परिश्रम तथा बुद्धि के द्वारा उन्नति प्राप्त करेंगे तथा आप आधुनिक सुख - सुविधाओं से युक्त होकर जीवन यापन करेंगे। आपकी माताजी सामान्यतया सुन्दर, सुशिक्षित तथा अच्छे कुल की सौभाग्यवती महिला हैं। आपकी माताजी का अपने पारिवारिक जनों तथा रिश्तेदारों के प्रति सौम्य तथा सहयोगी व्यवहार रहेगा। आपकी माता जी का आपके प्रति विशेष स्नेह या सहयोग रहेगा तथा आपका भी अपनी माता के प्रति स्नेह तथा आदर रहेगा। आप अपने जीवन काल में उत्तम आवास प्राप्त कर सकेंगे। आपका आवास शिक्षित, सुसभ्य जनों के समीप में होगा। जीवन में आपको वाहन का सुख और वाहनो के द्वारा आपको लाभ हो सकता है। आप जीवन में चल तथा अचल सम्पत्ति से लाभ प्राप्त करेंगे। अचल सम्पत्ति की अपेक्षा चल सम्पत्ति से कुछ अधिक लाभ होने की सम्भावना है। मातृ-पक्ष के लोगों से या उनके सहयोग से चल व अचल सम्पत्ति लाभ हो सकता है। विद्याध्ययन में आप परिश्रमपूर्वक अच्छी सफलता प्राप्त कर सकते हैं जिससे भविष्य में अच्छा यश तथा धन

प्राप्त होगा। जीवन में आपके अच्छे मित्र तथा सम्बन्धी होंगे तथा आपके प्रति उनका व्यवहार सामान्यतया सहयोगी होने की सम्भावना है।

बुद्धि, सन्तान

आपके जन्म के समय पंचम भाव में कर्क राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी चंद्र है। चंद्र पंचमेश होकर सांतवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना मध्यम फल प्रदर्शित कर रहा है। आप सामान्यतया बुद्धिमान हैं तथा आप में शीघ्र निर्णय लेने की क्षमता है, जिससे आपको दूसरों के साथ अपना सामंजस्य बिठाने में अधिक कठिनाई नहीं होगी। यदा-कदा आप का मन चंचल हो सकता है, जिससे आपकी बुद्धि पर भी कुछ प्रभाव पड़ेगा। आपकी कल्पना शक्ति तीव्र रहेगी। काल्पनिक साहित्य, आधुनिक विज्ञान, इतिहास, कला आदि विषयों में आपकी रुचि रहेगी। वैदिक दर्शन, साहित्य इत्यादि में भी आप सामान्य रुचि रखेंगे। संतान पक्ष की ओर से आप सामान्यतया संतुष्ट रहेंगे। आपकी संतान बुद्धिमान, सुन्दर तथा दीर्घायु होगी। विद्याध्ययन में परिश्रम करने से उनको अच्छी सफलता प्राप्त होगी। वह अपने माता-पिता का आदर सम्मान करेंगे। आप संतान की उन्नति के लिए हर तरह का सहयोग प्रदान करेंगे। प्रेम-प्रसंगों में आपकी सामान्यतया रुचि रहेगी। आप भावुकता में आकर प्रेम-प्रसंगों से जुड़ सकते हैं। आपकी लंबे समय तक अपने प्रेम-प्रसंगों को बनाए रखने की कोशिश रहेगी। पूर्वार्जित कर्म अर्थात पूर्वजन्म में किए हुए कर्मों के द्वारा अर्जित पुण्य का इस जन्म में सामान्य सुख प्राप्त हो सकता है।

रोग, शत्रु,

आपके जन्म के समय छठे भाव में सिंह राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी सूर्य है। सूर्य षष्ठेश होकर दसवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आपका स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा। आप किसी भी तरह से विशेष रोग ग्रस्त नहीं रहेंगे। आप संयमपूर्वक जीवन यापन करेंगे। आपका जीवन वैभवशाली, ऐश्वर्य से युक्त होने की सम्भावना है। आपके वैभव एवं कार्य-कुशलता को देखकर आपके सम्बन्धियों तथा दूसरे लोगों के मन में कुछ ईर्ष्या तथा शत्रुता का भाव हो सकता है। जीवन में आपका राजपक्ष के बड़े अधिकारियों से सामान्य टकराव हो सकता है। आपको यह सब होने के बावजूद भी शत्रुपक्ष से कोई विशेष हानि नहीं होगी। यदा-कदा शत्रुओं से भी लाभ हो सकता है। आपको सेवक वर्ग से कोई विशेष क्षति या परेशानी नहीं होगी। सेवक वर्ग आपकी आज्ञा का हर समय पालन करने में तत्पर रहेगा। मातृ-पक्ष मामा-मामियों की ओर से आपको स्नेह तथा सहयोगात्मक व्यवहार मिलेगा। आप स्वाभिमानी होंगे, जिससे आप दूसरों से कम से कम सहायता लेंगे। जीवन में आप मानसिक रूप से कम

चिन्ताग्रस्त रहेंगे। आप हर समय अपने को तनाव-मुक्त रखने का प्रयास करेंगे।

विवाह, दम्पति, साझेदारी

आपके जन्म के समय सातवें भाव में कन्या राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बुध है। बुध सप्तमेश होकर ग्यारहवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। बुध ग्रह के अच्छे प्रभाव से आपका जीवन सहयोगी विनम्र स्वभाव, मधुर भाषी, कला प्रेमी, हास्य प्रिय, उन्नत शरीर, सुन्दर चौड़े आकार की आँखें, चिन्ता और तनाव रहित मुखमण्डल, चतुरता आदि गुणो से युक्त होगा। उनकी प्रकृति सौम्य व सुशील होगी और अपने विनम्र स्वभाव के कारण प्रत्येक कार्यों को धैर्य पूर्वक सम्पादित करने की क्षमता होगी। इस प्रकार की कार्यशैली होने के कारण परिवार के सभी जन उनसे प्रभावित रहेंगे एवं उनकी प्रसंशा भी करेंगे। आपका जीवन-साथी सुन्दर, आकर्षक, उन्नत, सुडौल और गौरवर्ण से युक्त तथा साथ ही साथ उनका व्यक्तित्व भी आकर्षण युक्त होगा। उनकी सात्विक जीवन जीने एवं सात्विक पदार्थों में अधिक रुचि रहेगी। आपका विवाह उत्तम घराने से होगा तथा उनकी आर्थिक स्थिति कुछ मध्यम कोटि की होगी। उनमें उदारता का भाव विद्यमान रहेगा, जिसके फलस्वरूप वे आपकी समय-समय पर सहायता करेंगे। आपके माता-पिता एवं पारिवारिक के सभी सदस्यों के प्रति आपके जीवन-साथी का व्यवहार संतोषजनक रहेगा। आपका भाग्य विवाह के पश्चात् ही साथ देगा और अधिक उन्नति तथा लाभ होने की भी सम्भावनाएँ बनेंगी। व्यवसाय या व्यापार में साझेदारी करने के लिए आपकी स्थिति अनुकूल रहेगी। साझेदारी के रूप में आपको पुरुषों तथा स्त्री-वर्ग दोनो से ही लाभ रहेगा। साझेदारी में एक दूसरे का ध्यान रखना चाहिए, जिससे आप धन-ऐश्वर्य से युक्त होकर सुखी रहेंगे।

आयु, दुर्घटना

आपके जन्म के समय आठवें भाव में तुला राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शुक्र है। शुक्र आठवें स्थान का स्वामी होकर नौवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना मध्यम फल प्रदर्शित कर रहा है। सामान्यतया आपकी आयु तथा आरोग्यता अच्छी रहेगी। आप यदा-कदा अपने आयु तथा स्वास्थ्य के विषय में चिन्तित रहेंगे। जीवन में संयमित दिनचर्या को अपनाने से आप स्वस्थ तथा दीर्घजीवि रहेंगे। आपके जीवन में आकस्मिक दुर्घटना आदि के अवसर कम ही हैं। चोरी-डकैती इत्यादि की घटनाएँ भी कम होंगी तथा इस तरह की घटनाएँ हो जाने से विशेष हानि नहीं होगी। आपको अपनी सम्पत्ति की सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए। अपने धन या किसी बहुमूल्य वस्तुओं की सुरक्षा के लिए आपको बीमा करवाना लाभकारी रहेगा। जीवन में आपको आकस्मिक लाभ होने की सामान्य सम्भावना रहेगी। विशेषतया सांसारिक सुख उपभोग

की वस्तुओं का लाभ हो सकता है। अपने किसी प्रियजन के माध्यम से भी इस तरह के लाभ होने का योग है।

सौभाग्य, आध्यात्मिकता, प्रसिद्धि, यात्राएँ

आपके जन्म के समय नवम् भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी मंगल है। मंगल नवमेश होकर आठवें स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। जीवन में आपको अच्छी स्थिति प्राप्त करने के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ेगा तथा उससे जितना लाभ मिलना चाहिए उससे कुछ कम ही लाभ प्राप्त होगा। आपके लिए आयु के 28 वें वर्ष से 32 वर्ष तक का समय सामान्यतया लाभकारी रहेगा। प्रयासरत रहने से कुछ सफलता अवश्य प्राप्त होगी। आपका अपने धर्म संप्रदाय में सामान्य श्रद्धा तथा विश्वास रहेगा लेकिन धार्मिक क्रिया-कलापों को दैनिक रूप से करने में कम ही रुचि रहेगी। धार्मिक तथा आध्यात्मिक विषयों की वार्ताओं के सम्बन्ध में कुछ तर्क - वितर्क आदि करने का स्वभाव हो सकता है। इस तरह के तर्क - वितर्क से बचें। जीवन में आपको प्रसिद्धि एवं पुरस्कार आदि प्राप्त होने के सामान्य अवसर हैं। इनकी प्राप्ति के लिए आपको अधिक परिश्रम पूर्वक अच्छे कार्यों को सम्पादित करने की आवश्यकता रहेगी। लंबी यात्राओं से आपको किसी विशेष प्रकार के लाभ होने की सम्भावना कम रहेगी। इस प्रकार की यात्राओं में सावधानी रखें।

व्यवसाय, सामाजिक स्तर, आजीविका

आपके जन्म के समय दशम् भाव में धनु राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बृहस्पति है। बृहस्पति दशमेश होकर छठे स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आपकी कुण्डली में दशमेश बृहस्पति की स्थिति के अनुसार जीविका प्राप्ति में विलम्ब व संघर्ष की सम्भावना रहेगी। नौकरी या व्यवसाय आदि में आपको परिश्रम के अनुकूल पूर्ण लाभ प्राप्त होने की सम्भावना कम रहेगी। आपके द्वारा किए गए परिश्रम का लाभ गुप्त रूप से दूसरे लोगों को मिल सकता है। आप जीविका की दृष्टि से सरकारी विभागों में या प्राइवेट विभागों में वकील, शिक्षक, वैद्य, धार्मिक प्रवक्ता आदि क्षेत्रों में अपनी योग्यता सामर्थ्य के अनुसार प्रयास करने से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। व्यापारिक दृष्टि से विशेषतया अपनी रुचि के अनुसार कोई स्वतन्त्र व्यवसाय करने से लाभ रहेगा। पीले रंग से सम्बन्धित वस्तुओं का व्यापार करने से भी सामान्य लाभ होने की सम्भावना हो सकती है। जाँच परख करने के पश्चात् ही व्यापार करें,। आपका सामाजिक स्तर सामान्य ही रहेगा। सामाजिक क्षेत्र में आपका कोई विशेष प्रभाव नहीं रहेगा। मान-सम्मान तथा पद-प्रतिष्ठा प्राप्त होने की सम्भावना कम ही रहेगी। आपके पिता सरल,

सामान्य बुद्धिमान, स्वाभिमानी तथा कुछ प्रभावी व्यक्तित्व के धनी हैं। उनका अपने पारिवारिक जनों तथा अन्य लोगों से व्यवहार सामान्य रहेगा। आपके लिए भी उनका योगदान कम ही रहेगा। पिता के साथ यदा-कदा सामान्य मतभेद हो सकते हैं।

लाभ, आकांक्षएँ, आय

आपके जन्म के समय ग्यारहवें भाव में मकर राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शनि है। शनि ग्यारहवें स्थान का स्वामी होकर नौवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना मध्यम फल प्रदर्शित कर रहा है। आपको अपने आय स्रोत को बढ़ाने के लिए परिश्रम करना पड़ेगा। आप जीवन में भौतिक सुख ऐश्वर्यों का अच्छा लाभ प्राप्त करेंगे। प्रारंभिक अवस्था में आपकी आय कुछ कम हो सकती है लेकिन तत्पश्चात आपके आय साधनों में वृद्धि होने की सम्भावना रहेगी। अपनी आर्थिक स्थिति को सदृढ बनाने के लिए आप अतिरिक्त मनोनुकूल व्यवसाय के द्वारा लाभ कर सकते हैं। आपकी जीवन में कई आकांक्षाएँ रहेंगी। महत्वाकांक्षाएँ पूर्ण होने की सम्भावना रहेगी लेकिन पूर्ण होने में कुछ विलम्ब हो सकता है। आपको आकांक्षाओं के प्रति कुछ सजग रहने की आवश्यकता है तथा पूर्ति के लिए परिश्रम पूर्वक उचित प्रयास करना चाहिए। अपने बड़े भाई-बहनो की ओर से यदा-कदा सहयोग मिलता रहेगा। बड़े भाईयों की अपेक्षा बड़ी बहनों की ओर से अधिक स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा। बाएं कान में विशेष रोग तथा परेशानी हो सकती है परंतु उपचार से शीघ्र ही ठीक हो सकेगी।

व्यय, आवास परिवर्तन

आपके जन्म के समय बारहवें भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शनि है। शनि बारहवें स्थान का स्वामी होकर नौवें स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आप जीवन में अनावश्यक धन खर्च कर सकते हैं। आपके पास स्थाई रूप से धन कम टिक सकता है, फिर भी आपको अधिक आर्थिक तंगी का सामना कम ही करना पड़ेगा। उचित परिश्रम करके आप आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकते हैं। अपने माता-पिता, रिश्तेदारों एवं अपने जीवन-साथी के लिए आपका कुछ विशेष धन खर्च हो सकता है। आप सामर्थ्य के अनुसार धार्मिक तथा सामाजिक कार्यों में भी कुछ धन खर्च करते रहेंगे। दूसरों के साथ विवाद तथा अनावश्यक रूप से ऋण (कर्जा) लेने में जहाँ तक हो सके बचना चाहिए। आपके आवास परिवर्तन होने के अवसर आएँगे परंतु आवास परिवर्तन होने से आपको कोई विशेष परेशानी होने की सम्भावना सामान्य है, फिर भी सावधानी पूर्वक विचार करके इस सम्बन्ध में निर्णय करना चाहिए। जीवन में मुक्ति (मोक्ष) के प्रति आपकी रुचि कम ही रहेगी।

01/01/2016 - 15/08/2016 में आप
सूर्य की महादशा और बुध की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

अपनी कार्य-कुशलता और विधि-सम्मत दृष्टिकोण से आप इस समय से अधिकतम लाभ अर्जित कर सकेंगे। व्यापार / व्यवसाय की प्रगति से काफी लाभ होगा। विद्वानो से सम्पर्क बनेंगे। यदि सृजनात्मक कार्यों में लिप्त हैं तो सफल रहेंगे। आपके कार्य को सार्वजनिक मान्यता मिलेगी। आपको सम्मानित भी किया जा सकता है। यदि नौकरी में हैं तो पदोन्नति होगी। अपने वरिष्ठ अधिकारियों / मालिकों से सम्बन्ध मधुर रहेंगे। परिवार में सद्भाव रहेगा। यदि अविवाहित हैं तो जल्दी ही विवाह होगा। परिवार में समारोह का आयोजन होगा। समय का सर्वोत्तम उपयोग कीजिए।

15/08/2016 - 20/12/2016 में आप
सूर्य की महादशा और केतु की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस समय में हवाई किले बनाने की आदत पड़ सकती है। अधिकांशतः अपने कार्यों के प्रति भ्रमित रहेंगे। स्थितियों का सामना करने के लिए ठोस और योजनाबद्ध दृष्टिकोण अपनाना होगा। जबकि आप कुछ कर दिखाने के लिए आवेश और उद्वेग से भरे रहेंगे। जिससे असफलताएँ मिलेंगी उद्यमों में घाटा होगा और आप थक जाएंगे। कभी-कभी मित्र और साथी धोखा देंगे। उन पर अनावश्यक रूप से निर्भर न रहे। परिवार का वातावरण भी आपके अनुकूल नहीं होगा। किसी सदस्य का स्वास्थ्य चिंता उत्पन्न करेगा। दूसरी ओर आपकी कल्पनाशक्ति प्रखर और अचूक होगी। पर विद्या के प्रति रुझान होगा और कुछ परालौकिक अनुभव भी हो सकते हैं।

20/12/2016 - 21/12/2017 में आप
सूर्य की महादशा और शुक्र की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस समय के दौरान आपके विचार और कार्य दोनो ही कटु और उत्तेजनापूर्ण रहेंगे। आपका दृष्टिकोण अत्यधिक अव्यवहारिक और भौतिकवादी रहेगा। व्यापार / व्यवसाय में शायद बहुत सफल न हों। गलत फैसलों और अंधाधुंध बनी योजनाओं के कारण आप स्वयं परेशानियाँ उत्पन्न करेंगे। अपनी स्थिति सुधारने के शायद कुछ प्रस्ताव मिलें परंतु किन्हीं कारणों से आप उनका लाभ नहीं उठा पाएँगे या आप उनका ठीक तरीके से उपयोग नहीं कर पाएँगे। यदि नौकरी में हैं तो काम की शर्तें बहुत अच्छी नहीं होंगी। अपने वरिष्ठ अधिकारियों से झगड़ा करेंगे जिसके कारण वे आपको परेशान करेंगे। यदि विद्यार्थी हैं तो पढ़ाई से ज्यादा

विपरीत लिंग व्यक्तियों में ज्यादा दिलचस्पी लेंगे जिसके परिणाम घातक होंगे। पारिवारिक जीवन सुखी नहीं होगा। आपको रोग और कष्ट होगा।

21/12/2017 - 21/10/2018 में आप
चन्द्र की महादशा और चन्द्र की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

अपने निर्णयों को युक्तिसंगत बनाने के लिए अपना दृष्टिकोण व्यापक बनाऐ और अत्यधिक सोच-समझ कर निर्णय लें। आपकी तीव्र विचार शक्ति अधिकतम लाभ दिलाएगी। स्वतन्त्र उद्यमी के रूप में आपको अनेक अवसर मिलेंगे जो उद्यम स्थापित करने में सहायक होंगे। नौकरी में पदोन्नति की आशा है। अनेक यात्राएँ करेंगे जो आपकी नौकरी / व्यवसाय आदि से सम्बन्धित होंगी। परिवार में कुल मिलाकर शांति रहेगी। कभी-कभी आप क्रोधित हो सकते हैं। माता-पिता का स्वास्थ्य चिंताजनक होगा। आप मकान बदलेंगे या नयी जमीन खरीदेंगे।

21/10/2018 - 22/05/2019 में आप
चन्द्र की महादशा और मंगल की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस समय में मिले-जुले परिणाम मिलेंगे। कड़े परिश्रम और मेहनत से असाधारण लाभ होगा। अपने उत्साह और कर्मठता के बल पर आप वर्तमान स्थिति से अधिकतम लाभ उठाएंगे। स्वतन्त्र उद्यमी के रूप में अपना काम-काज सुचारु ढंग से चलाएंगे। फिर भी कुछ निश्चित नहीं है। कभी-कभी विपरीत परिस्थितियों के कारण वांछित परिणाम नहीं मिलेंगे। जिन कर्मचारियों या लोगों के साथ काम करते हैं उनका शायद सहयोग न मिले। ऐसी स्थिति में आप क्रोधित हो सकते हैं और चिड़चिड़े भी हो सकते हैं। अपने गुस्से पर काबू रखें। परिवार में सामान्य स्थिति के बावजूद कुछ मामलों पर सदस्यों में मतभेद हो सकते हैं। परिवार में किसी को बुखार या पित्त की बीमारी हो सकती है। सड़क पर सावधानी से चलें व आग से दूर रहे। अटपटी परिस्थिति पैदा होगी और आशानुकूल परिणाम नहीं मिलेंगे। आपके कर्मचारी अथवा जिन लोगों के साथ आपका व्यवहार है, सम्भव है कि अनुकूल न रहे। ऐसी परिस्थितियाँ आप में क्रोध और खीझ पैदा करेंगी। अपने गुस्से को काबू में रखना बेहतर रहेगा। आपका पारिवारिक जीवन संभवतः सामान्य रहेगा, लेकिन कुछ मामलों को लेकर परिवार के सदस्यों के बीच मतभेद रह सकता है। पित्त, ज्वर आदि के कारण परिवार में कोई अस्वस्थ हो सकता है। बेहतर होगा कि सड़क पर सावधानी से चलें और आगजनी के प्रति भी सतर्कता बरतें।

22/05/2019 - 20/11/2020 में आप
चन्द्र की महादशा और राहु की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि में विवेक बुद्धि के आभाव के कारण आपको कष्ट उठाना पड़ सकता है। आपके भ्रामक विचार भी आपको कठिनाई में डाल सकते हैं। इस अवधि में व्यवसायिक / व्यापारिक मसलों में भरपूर सावधानी जरूरी होगी। साहसिक प्रयास में असफलता और क्षति होने का भी योग है। आर्थिक रूप से आप परेशानी में रहेंगे इससे योजनाओं के पूरा होने में विलम्ब हो सकता है। धोखाधड़ी अथवा ठगों के चक्कर में आने की प्रबल सम्भावना है। आपके मित्र और हितैषी कायदा खिलाफी कर सकते हैं। यदि कहीं नौकरी करते हैं, तो आपकी नौकरी का माहौल बत्तर हो सकता है। अपने मालिकों / अधिकारियों आदि के साथ आपके सम्बन्धों में कटुता पैदा हो सकती है। सम्बन्ध सुधारने के आपके भरपूर प्रयासों के बावजूद आपसी समझदारी और सामंजस्य का आभाव बना रहेगा। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि यह आपके लिए परेशानी पैदा कर सकता है। जहाँ तक सम्भव हो, जोखिम उठाने की प्रवृत्तियों को पूरी तरह काबू में रखें।

20/11/2020 - 22/03/2022 में आप
चन्द्र की महादशा और गुरु की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि में अपने प्रयासों में आपको विस्तार करने का मौका मिलेगा। प्रभावशाली लोगों से तमाम सम्पर्क कायम होंगे। इस अवधि में आपको कई जगहों की यात्राएँ भी करनी पड़ सकती हैं। आप को व्यवसाय / व्यापार से आपको अच्छी आमदनी रहेगी। आर्थिक दृष्टि से आप काफी संतुष्ट रहेंगे। यदि आप कहीं नौकरी पर है तो तरक्की पाने की आशा की जा सकती है। इस अवधि में आपको परीक्षा आदि प्रतियोगिता में आसानी से अच्छे नतीजे मिल सकेंगे। आपका यश और प्रतिष्ठा दिन दूनी बढ़ती रहेगी। पारिवारिक माहौल काफी सुखद रहेगा और सदस्यों के बीच सामंजस्य रहेगा। यदि आप विवाह योग्य हैं, तो इस अवधि में विवाह होने की सम्भावना है। इस अवधि की एक अन्य उल्लेखनीय विशेषता यह रहेगी कि आपके मन का झुकाव धर्म अथवा जीवन के उच्चतर दर्शन की ओर रहेगा। इस सिलसिले में आध्यात्मिक गुरुओं से आपका सम्पर्क हो सकता है और आप गंभीरता से धर्म के पथ पर अग्रसर हो सकते हैं।

22/03/2022 - 21/10/2023 में आप
चन्द्र की महादशा और शनि की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि में आपको तमाम समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है। आपका कठोर परिश्रम और प्रयास

हो सकता है आपको संतोषजनक नतीजे न दे सके। आपका व्यवसाय / व्यापार ढीला जा सकता है। उद्योग में भी घाटे अथवा कष्ट आने की सम्भावना है। प्रायः आप निराशा महसूस करेंगे और राह नहीं सूझेगी। आपके विरोधी और दुश्मन भी आपके लिए परेशानियाँ पैदा करेंगे। वित्तीय संकट भी आपकी निराशा बढ़ा सकता है। आपके चारों ओर माहौल निराशाजनक बना रहेगा। यदि आप कहीं नौकरी करते हैं तो आपकी सेवा परिस्थितियाँ बेहतर हो सकती है। मालिकों और अधिकारियों द्वारा परेशान किए जा सकते हैं। साथ ही आपको परिश्रम वाले ऐसे काम सौंपे जा सकते हैं जो आपको शारीरिक के साथ ही मानसिक रूप से भी थका सकते हैं। पारिवारिक सदस्यों का रवैया हो सकता है सौहार्द्धपूर्ण न रहे तथा छोटी-छोटी बातों पर झगड़ों की सम्भावनाएं हैं। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि इससे आए दिन आपके लिए परेशानी पैदा हो सकती है।

21/10/2023 - 22/03/2025 में आप
चन्द्र की महादशा और बुध की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि में अपनी बुद्धि और चतुराई से आपको भरपूर कामयाबी मिलनी चाहिए। रचनात्मक व्यक्ति की हैसियत से आपको ऐसे चमत्कारी मौके मिलेंगे जो आपको सफलता के पथ पर बढ़ाऐंगे। यदि आप किसी उद्योग से जुड़े हैं, तो काफी सुन्दर नतीजों की आशा कर सकते हैं। आय और प्रतिष्ठा दोनो में ही बढ़ोत्तरी के योग है। आपका विद्वानो के सम्पर्क से काफी सुखद पत्र व्यवहार रहेगा। इस अवधि में आपको कई नयी जगहों की यात्राएँ करनी पड़ सकती हैं। गृहस्थी के मोर्चे पर अपने परिवार के लोगों के साथ काफी अच्छा ताल-मेल और सम्बन्ध रहेंगे। परिवार में कोई विवाह अथवा संतान पैदा होने का भी योग है।

22/03/2025 - 21/10/2025 में आप
चन्द्र की महादशा और केतु की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

इस अवधि में आप तर्क अथवा व्यवहारिकता से काम नहीं लेंगे। आप बिना आगे पीछा सोचे निर्णय कर बैठना पसंद करेंगे। जिस तरह बिना किसी कारण अथवा तुक्के प्रयोग करते जा रहे हैं उस पर आपको स्वयं ही विश्वास करना कठिन होगा। आपका व्यवसाय / व्यापार में आपको ठोकर लगेगी। और आपके बेतुके असंगत दृष्टिकोण के कारण अव्यवस्था पैदा होगी। बेहतर होगा कि हवाई किले बनाने से बाज आएँ क्योंकि ठोस धरातल पर काफी प्रयास की आवश्यकता रहेगी। यदि कहीं नौकरी में हैं तो अपने अधिकारियों के साथ विचार और दृष्टिकोण सम्बन्धी मतभेद रहेंगे। स्थिति यहाँ तक जा सकती है कि बिना दूसरी नौकरी को तय किए ही आप अपनी नौकरी छोड़ना चाहेंगे पहले अपना व्यवहार संतुलित करें, फिर

आगे कदम बढ़ाऐं। संभवतः पारिवारिक माहौल मधुर नहीं रहेगा और छोटी-छोटी बातों पर झगड़े हो सकते हैं। अपने स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें क्योंकि कुछ समय के लिए आप बिस्तर पकड़ सकते हैं।

21/10/2025 - 21/06/2027 में आप
चन्द्र की महादशा और शुक्र की अन्तरदशा के प्रभाव में रहेगें।

आपको अपनी महत्वाकांक्षी योजनाएँ पूरी करने में कठिनाई हो सकती है। इस अवधि में अपने व्यवसाय / व्यापार के लिए सभी तरह की सावधानी बरतना जरूरी होगा। किसी उतावले फैसले का खामियाजा आपके ही सिर पड़ेगा। यदि आप पैसा लगाने अथवा अपनी मौजूदा व्यवस्था में हेरफेर करने जा रहे हैं, तो सारी परिस्थितियों का सही जायजा लिए बिना ऐसा करना ठीक नहीं होगा। आपके सहयोगी अथवा साथी आपके लिए जटिल समस्याएँ पैदा कर सकते हैं। यदि आप नौकरी में हैं, तो अपने काम के साथ न्याय करने की कोशिश करें, अन्यथा, आप कठिनाई में पड़ सकते हैं। आपका व्यय आपके काबू से बाहर जाता दिखेगा। इस पर कुछ नियंत्रण रखना बेहतर रहेगा। आप विपरीत लिंग के प्रति आकर्षित हो सकते हैं और इस अवधि में रोमांस बढ़ सकता है। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि इसको लेकर आप परेशानी में पड़ सकते हैं। जहाँ तक सम्भव हो सके, जोखिम उठाने की प्रवृत्ति को पूरी तरह काबू में रखें।

आपके जन्म के समय चंद्रमा उतरा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में विचरण कर रहा था। इस कारण आपको जन्म के समय उतरा फाल्गुनी नक्षत्र का तृतीय चरण प्राप्त हुआ। उतरा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म लेने के फलस्वरूप आपकी जन्म राशि कन्या है। कन्या राशि का स्वामी बुध है। शास्त्रों के मतानुसार उतरा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म लेने वाले जातक के नाम का प्रारंभिक अक्षर "पा" होना चाहिए।

ज्योतिष शास्त्र के विभिन्न ग्रंथों में उतरा फाल्गुनी नक्षत्र की व्याख्या विभिन्न ढंगों से की गई है। उदाहरणस्वरूप :

ज्योतिष शास्त्र के प्रसिद्ध ग्रंथ जातक-पारिजात के मतानुसार:
भोगी चोतरफल्गुनीभजनितो मानी कृतज्ञः सुधीः।

अर्थात उतर फाल्गुनी नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक भोग करने वाला, माननीय, कृतज्ञ तथा विद्वान होता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ बृहतजातका के मतानुसार:
सुभगो विद्याप्तधनो भोगी सुखभाग्रङ्कतीयफाल्गुन्याम।

अर्थात उतर फाल्गुनी नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक प्रसिद्ध स्वयं के परिश्रम से धन व जायदाद प्राप्त करने वाला, भोगी एवं सुखी होता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ जातका-भरणम के मतानुसार:
दाता दयालुः सुतरां सुशीलो विशालकीर्तिर्नपतेः प्रधानः।
धीरो वरोडत्यन्तमृदुर्नरः स्याच्चेदुतराफाल्गुनिका प्रसूतौः।।

अर्थात उतर फाल्गुनी नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक दानशील, दयावान, शील स्वभाव वाला, कीर्तिमान तथा राजा का मंत्री होता है। स्वभाव से वह अत्यंत कोमल तथा धैर्यवान् होता है।

जातक दीपिका नामक ग्रंथ के मतानुसार:
दान्तः शान्तो मृदुर्वक्ता धनुर्वेदस्य पारगः।

उतरा फाल्गुनी जातो महाबुद्धिर्जनप्रियः।।

अर्थात उतरा फाल्गुनी नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक इन्द्रियों को अपने वश में करने वाला, शांत स्वभाव वाला, अन्तरमन को वश में रखने वाला, कोमल स्वभाव वाला धनुर्वेद में प्रवीण, अत्यंत बुद्धिमान तथा लोकप्रिय होता है।

संक्षेप में उतरा फाल्गुनी नक्षत्र में जनम लेने वाला जातक सर्व - प्रिय, विद्या द्वारा धन उपार्जन करने वाला, भोगी, सुखी एवं सुंदर, मानी, बुद्धिमान मधुर वचन बोलने वाला, लोकप्रिय, कला कौशल की उन्नति में अभिरुचि रखने वाला तथा कविता का प्रेमी भी होता है। उसे धन, जायदाद तथा पुत्र का सुख भी प्राप्त होता है।

आपकी जन्म राशि कन्या है। विभिन्न ज्योतिष के ग्रंथों में कन्या राशि की व्याख्या भिन्न प्रकार से की गई है। जो कि इस प्रकार है।

ज्योतिष शास्त्र के प्रसिद्ध ग्रंथ जातक पारिजात के मतानुसारः
कन्यास्थे विषयातुरो ललितवाग्रवद्याधिको भोगवान।

अर्थात कन्या राशि में जन्म लेने वाला जातक कामवासना के प्रति व्याकुलता रखने वाला, मृदु तथा मनोहर वाणी वाला, नाना प्रकार की विद्याओं का ज्ञान रखने वाला तथा नाना प्रकार के सुखों का भोग करने वाला होता है।

ज्योतिष शास्त्र के प्रसिद्ध ग्रंथ मानसागरी के मतानुसारः
विलासी सुजनाहाल्दी सुभगो धर्मपूरितः।
दाता दक्षः कविर्वृद्धो वेदमार्गपरायणः।।
सर्वलोकप्रियो नाटयगान्धर्वव्यसने रत :।
प्रवासशीलः स्त्रीः दुखी कन्याजातो भवेन्नरः।।

अर्थात कन्या राशि में जन्म लेने वाला जातक विलासी प्रवृत्ति का, विद्वानो एवं सज्जनों का आदर करने वाला तथा उन्हे प्रसन्न रखने वाला, सुन्दर, धार्मिक विचारों वाला, दानी प्रवृत्ति वाला, दक्ष, कविता करने वाला, सब से प्रेम करने वाला, नाटक तथा गायनविद्या के व्यसन में रत रहने वाला, देशान्तर में रहनेवाला तथा

स्त्री से दुख पाने वाला होता है।

सारावली नामक ग्रंथ के मतानुसार:
स्त्रीलोलो लम्बबाहुर्ललितत नुमुखश्चारुदन्ताक्षिणकर्णो
विद्धानाचार्यधर्मा प्रियवचनयुतः सत्यशौचप्रधानः।
धीरः सत्वानुकम्पी परविषयरतः क्षान्तिसौभाग्यभागी
कन्याप्रायप्रसूतिर्बहुसु तरहितः कन्यकायां शशांक।

अर्थात कन्या राशि में जन्म लेने वाला जातक स्त्री में अनुसक्त, लंबे हाथ वाला, सुन्दर आँख व कान वाला, ज्ञानी, अध्यक्ष, धर्मात्मा, मधुरभाषी, सत्यवक्ता शुद्धता युक्त धैर्यवान्, दयालु, परोपकारी, क्षमा व सुन्दर ऐश्वर्य से युक्त कम पुत्रों व अधिक कन्या संपति वाला होता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ ज्योतिशत्तवम के मतानुसार:
शाशिनि युवतियाते लम्बबाहुः कुमारी
जनक इह सुतोनः क्षान्तिसौभाग्यशाली।
ललितदशनदेहास्याक्षिकर्णः ससत्यः
परविषयरतः स्त्री लोलकः शौचयुग ज्ञः।।

अर्थात कन्या राशि में जन्म लेने वाला जातक लंबी बाजुओं वाला, अधिक कन्याओं का पिता, सहनशील, सौभाग्यशाली, सुन्दर दाँत, मुंह, आँख, नाक व कान वाला, सत्य-प्रिय, परदेश में वास करने वाला, पवित्र आत्मा वाला तथा ज्ञानी होता है।

ज्योतिष के प्रसिद्ध ग्रंथ फलदीपिका के मतानुसार:
स्त्रस्तांसबाहुः परवित्तगेहैः
संपूज्यते सत्यरतः प्रियोक्तिः।।
व्रीडालसाक्षसः सुरतप्रियः स्याच्छास्त्रार्थविच्चाल्पसुतोऽनायाम।।

अर्थात कन्या राशि में जन्म लेने वाला जातक सदा सत्य का पालन करने वाला व मीठे वचन बोलने वाला होता है। उसकी आँखों में लज्जा रहती है। यह जातक अनेक शास्त्रों का ज्ञाता होता है। उसके कंधे व बाजू ढीले होते हैं। उसकी पुत्र संतान अपेक्षाकृत कम होती है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ जातका-भरणम के मतानुसारः

युवतिगे शीशिनि प्रमदाजनप्रबलकेलिविलासकुतूहलैः।
विमलशील सुताजननोत्सवैः सुविधिना सहितः पुमान।।

अर्थात कन्या राशि में जन्म लेने वाला जातक अपनी हास्य पूर्ण क्रियाओं से स्त्रियों को प्रसन्नचित्त करने में सक्षम, विनम्र व्यवहार वाला, अधिक संतान वाला, अच्छे कार्य करने वाला तथा भाग्यशाली होता है।

ज्योतिष शास्त्र के एक अन्य प्रसिद्ध ग्रंथ जातक-दीपिका के मतानुसार

विमलमति सुशीलो लेखबुद्धिः कविश्च।
कृषबलगुणशाली शान्तियुक्तस्वभावः।।
भवति नयनरोगी धार्मिकः शीलयुक्तः।
गुरुजनहितकर्त्ता कन्यका यस्य राशिः।।

अर्थात कन्या राशि में जन्म लेने वाला जातक सरल बुद्धि वाला, लेखन कार्य में रुचि रखने वाला काव्य रचना करने वाला, कृश कार्य की वृद्धि करने योग्य क्षमाकर देने वाला, आँखों में यदा कदा रोग से पीड़ित होने वाला, धार्मिक स्वभाव वाला तथा गुरुजनो के प्रति सद्भावना रखने वाला होता है।

संक्षेप में कन्या राशि में जन्म लेने वाला जातक परिवार व मित्रों को आनंद देने वाला, परदेश वासी, नाना प्रकार की विद्याओं का ज्ञान रखने वाला, गुरुजनो का सेवक, प्रियभाषी, देव ब्राह्मण भक्त, धर्म कर्म करने वाला, शीलवान् लज्जावान, सत्य वचन बोलने वाला, विभिन्न शास्त्रों का ज्ञान रखने वाला, माधावि, पढ़ने में कुशल, उन्नत शरीर वाला, गौरवर्ण वाला, गला, बाहु, पीठ इत्यादि स्थान में तिल आदि चिह्न वाला, कफ प्रकृति तथा पेट की तकलीफों को पाने वाला होता है उसकी संतान के कन्या संतान की संख्या अधिक होती है। ऐसे जातक को दवा एवं भोजन के पदार्थ के व्यवसाय से लाभ होता है। वह शिक्षक भी हो सकता है। वह भौतिक पदार्थों का भोग करता है। वह हास्य प्रिय होता है। आचरण श्रेष्ठ व उत्तम रहता है।

तृतीया अष्टमी तथा त्रयोदशी तिथि जातक के लिए शुभ होती है। रविवार को कार्य आरंभ करना भी शुभ फलदायक होता है। मेष, कर्क, वृश्चिक, धनु, मिथुन, कन्या एवं मीन राशि के मनुष्य जातक के लिए मनुष्य शत्रु हो सकते हैं। फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, मंगलवार जातक के लिए अरिष्टकारी सिद्ध होते हैं।

ऐसे जातक को अपने इष्ट देव गणेश जी की पूजा करनी चाहिए। बुधवार तथा गणेश चतुर्थी को उपवास भी रखा जा सकता है। इसके अतिरिक्त यदि जातक मानसिक तनाव या शारीरिक कष्ट इत्यादि से पीड़ित हो तो सोना, पन्ना, हरा कपड़ा तथा मूंग की दाल इत्यादि का दान करना लाभकारी है। अशुभ फलों का प्रभाव कम करने के लिए बुध के तंत्रीय मंत्र का जाप या हवन किन्हीं योग्य पुरोहित जन से करवाना भी हितकारी सिद्ध होता है। बुध का तंत्रीय मंत्र इस प्रकार है।

ऊं ऐं स्त्री श्री बुधाय नमः।

जन्म कुण्डली में जन्म राशि से बारहवीं राशि में गोचरस्थ शनि का प्रवेश साढ़े साती का आरंभ कहलाता है। साढ़े साती के तीन चरण है। गोचरस्थ शनि का जन्म राशि से बारहवीं राशि में प्रवेश पहला चरण, जन्म राशि में प्रवेश दूसरा चरण तथा जन्म राशि से द्वितीय राशि में प्रवेश तीसरा चरण होता है। चूंकि गोचरस्थ शनि प्रत्येक राशि में ढाई वर्ष तक रहता है। इसलिए इसे साढ़े साती कहते हैं। साढ़े सात वर्ष कभी भी केवल अशुभ ही नहीं होते शनि जिस राशि में हो उसके अधिपति की शनि से मित्रता, शत्रुता अथवा समता पर शनि की शुभता अथवा अशुभता निर्भर करती है। जन्म कुण्डली में शनि जिस भाव का अधिपति होगा शनि की शुभता अथवा अशुभता उसी के अनुरूप होगी।

शनि-साढ़ेसती की तिथि तालिका

पहला चक्र
पहला चरण 28/08/2036 - 23/10/2038
दूसरा चरण 23/10/2038 - 28/01/2041
तीसरा चरण 28/01/2041 - 12/12/2043

दूसरा चक्र
पहला चरण 13/10/2065 - 31/08/2068
दूसरा चरण 31/08/2068 - 05/11/2070
तीसरा चरण 05/11/2070 - 06/02/2073

तीसरा चक्र
पहला चरण 19/08/2095 - 12/10/2097
दूसरा चरण 12/10/2097 - 26/12/2099
तीसरा चरण 26/12/2099 - 03/12/2102

गोचरस्थ शनि का सिंह राशि में प्रवेश करते ही कन्या राशि वालों के लिए साढ़े साती का प्रथम चरण आरंभ हो जाता है। इसमें शनि पंचम व षष्ठ भाव का अधिपति बन कर द्वादश भाव में स्थित है। प्रथम चरण में शनि अपने शत्रु ग्रह सूर्य की राशि सिंह में है। इस स्थिति में शनि की दृष्टि अपनी उच्च राशि, मूल त्रिकोण राशि तथा भाग्य स्थान पर पड़ती है। कन्या राशि में शनि का पंचमेश होकर व्यय भाव मारक स्थान तथा शत्रु राशि में स्थापित होने से पंचम भाव से षडाष्टक योग बनाने के कारण बुद्धि तथा संतान

पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। संतान को सुख सुविधाओं से किसी न किसी प्रकार की बाधा आ जाती है। अथवा संतान द्वारा कोई समस्या उत्पन्न हो सकती है। संतान से बिछोह अथवा संतान की बीमारी पर धन खर्च हो सकता है। जातक के रहने के स्थान में परिवर्तन हो सकता है तथा कई बार किसी दूसरे स्थान पर जा कर जीविका कमाता है तथा सफल भी रहता है। ऐसे समय में जातक के अपने पर व्यय अधिक होने से आर्थिक संकट भी आ जाता है। जीवन साथी को कष्ट हो सकता है। ऐसे समय में शत्रु पक्ष प्रबल हो जाता है। उच्चाधिकारियों से अनबन की सम्भावना रहती है। कदम-कदम पर बाधाओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे समय में चोरी, लॉटरी, जुएँ इत्यादि से सावधान रहना चाहिए। हानि हो सकती है तथा धन किसी को उधार नहीं देना चाहिए। यात्रा करते समय भी सावधान रहना चाहिए। धन धान्य इत्यादि का विनाश होता है तथा मित्र परिवार व अपनो से बैर-विरोध बढ़ जाता है। वायु रोग की सम्भावना बढ़ जाती है। मातृ-कुल को कष्ट उठाना पड़ सकता है। जातक स्वयं कटु-भाषी हो जाता है। जातक अपने द्वारा किए कार्यों से अपयश ही प्राप्त करता है। जातक के पराक्रम में वृद्धि हो जाती है परंतु दया, ममता, आस्तिकता, परोपकारिता में कमी आने लगती है। निम्न वर्ग के लोगों से भाग्य वृद्धि हो सकती है।

गोचरस्थ शनि का कन्या राशि में प्रवेश करते ही कन्या राशि वालों के लिए साढ़े साती का द्वितीय चरण आरंभ हो जाता है। द्वितीय चरण में शनि अपने मित्र ग्रह बुध की राशि कन्या में है। इसमें शनि पंचम व षष्ठ भाव का अधिपति बन कर लगन में स्थित है। शनि की यह स्थिति स्वास्थ्य के लिए प्रतिकूल होगी। जातक को कोई रोग हो सकता है। मानसिक चिंता से जातक पीड़ित रह सकता है। जातक की ना समझी के कारण व्यापार इत्यादि में घाटा होने की सम्भावना रहती है। जातक राज-कोप से पीड़ित रह सकता है तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी जातक से अप्रसन्न रहता है। उच्चाधिकारी जातक का अहित करने का प्रयास भी कर सकते हैं। आर्थिक संकट पहले की अपेक्षा अब कम होने लगते हैं परंतु लॉटरी या जुएँ में हार हो सकती है। जातक के स्वभाव में स्वार्थीपन आ जाता है। जातक के मनोबल में कोई कमी नहीं रहती। ऐसे समय में कई बार जातक अचानक तरक्की कर जाता है। इस समय जातक लेखन संपादन आलोचना इत्यादि कार्यों में सफलता पा सकता है। मित्र वर्ग में विरोध ही बना रहता है। शरीर में थोड़ी बहुत दुर्बलता आ जाती है। आँखों में कोई रोग हो सकता है। इस समय जातक में आस्तिकता बढ़ने लगती है तथा भाषा में भी मधुरता आने लगती है। जिद्दी स्वभाव होने पर भी जातक परोपकारी बनने लगता है तथा जनहित के कार्य भी करने लगता है। बिगड़े हुए कार्य अब जातक अपनी बुद्धिमत्ता से बनाने लगता है। जातक के सम्पर्क में अब बुद्धिजीवी तथा विद्वान लोग भी आते हैं।

गोचरस्थ शनि का तुला राशि में प्रवेश करते ही कन्या राशि वालों के लिए साढ़े साती का तृतीय व अंतिम चरण आरंभ हो जाता है। तृतीय चरण में शनि अपने मित्र ग्रह शुक्र की राशि तुला में है तथा यह शनि की

उच्च राशि है। इसमें शनि पंचम व षष्ठ भाव का अधिपति बन कर द्वितीय भाव में स्थित है। इस स्थिति में जातक अपनी बुद्धिमत्ता से पुराने नुकसान इत्यादि पूरे करने लगता है। व्यापार में अत्यधिक पुरुषार्थ व परिश्रम द्वारा व्यापार को आगे बढ़ाने में सक्षम हो जाता है। धन लाभ अधिक होता है। कोई धन यदि उधार लिया गया हो तो उसका भुगतान होने लगता है। धन का संग्रह होने लगता है। किंतु स्वाभिमान अभी भी जातक को घेरे रहता है तथा इसी लिए शत्रु बने ही रहते हैं। इस समय में जातक किसी जन समूह से सम्बन्धित संस्थान इत्यादि का नेतृत्व भी प्राप्त कर सकता है। जातक अपनी उन्नति के प्रति जागरुक हो जाता है। भूमि या मकान इत्यादि की भी सम्भावना रहती है। परोपकार के कार्य, दान, धार्मिक कार्यों आदि में जातक को खूब सफलता मिलती है। जातक का जीवन ऐश्वर्य से परिपूर्ण होने लगता है। ऐसे समय में जातक यात्राएँ बहुत करता है। स्वयं कल्पनाशील विचारों वाला बन जाता है। ऐसी स्थिति में जातक धनाभाव से स्वयं को पीड़ित महसूस करने लगता है। सम्बन्धियों तथा मित्रों के प्रति जातक का व्यवहार सौहार्द पूर्ण नहीं रहता। व्यापार में साझेदार तथा नौकरी में उच्चाधिकारी जातक से विश्वासघात कर सकते हैं। अस्त्र-शस्त्र तथा बिजली से सावधान रहना चाहिए। जातक यदि विद्यार्थी हो तो शिक्षा प्राप्त करने में बाधाएँ भी आ सकती है। विशेषतः यदि शुभ ग्रहों की शनि के साथ युति हो तो जातक सत्यवादी धर्मभीरु, आस्तिक, परोपकारी तथा आध्यात्मिक हो जाता है। दयावान भी हो जाता है। परंतु पापयुक्त शनि होने पर जातक कुमार्ग की ओर बढ़ जाता है तथा नशे, लॉटरी, जुआ इत्यादि की उसे आदत पड़ जाती है।

साढ़े साती का सम्पूर्ण समय एक जैसा नहीं होता तथा शुभ व अशुभ परिणाम इस बात पर निर्भर करते हैं कि गोचर में शनि किन नक्षत्रों में भ्रमण कर रहा है। साढ़े साती में अनिष्ट फलों को कम करने के उपाय मंत्र जाप, पूजा, सेवा तथा दान पर आधारित है। दोष शांति का उपाय जानने के लिए जन्म कुण्डली की सम्पूर्ण विवेचना आवश्यक है। फिर भी साढ़े साती के अरिष्ट फलों को कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं। ये उपाय यदि साढ़े साती के आरंभ होने से पहले ही कर लें तो विशेष लाभ की सम्भावना होती है।

1 प्रत्येक शनिवार को शनि देवता के मंदिर में जाकर पूजा करें, व तेल चढ़ाए।
2 शनि ग्रह का मंत्र जाप करें,। संध्या के समय 108 बार इस मंत्र का जाप करें, - " ऊँ सः शनैश्चराय नमः " या " ऊँ शं शनैश्चराय नमः " ।
3 शनिवार को वृत रखें। शुक्ल पक्ष में वृत का आरंभ करें, तथा कम से कम 40 शनिवार तक वृत रखें।
4 सरसों के तेल का दीपक प्रत्येक शनिवार पीपल के पेड़ के नीचे रखें ।
5 लोहा, काला सुरमा, सरसों का तेल, चमड़े के जूते, काला कपड़ा, शराब, काली उड़द की दाल आदि का शनिवार को दान करें,।

6 काले घोड़े की नाल या नाव की कील का छल्ला धारण करें, अथवा नीलम धारण करें,।
7 निम्न वर्ग के व्यक्तियों की सेवा करें, या उन्हे दान दें।
8 शराब व मांस का सेवन न करें,।
9 शनिवार को काला सुरमा जमीन में दबा दें।
10 नारियल अथवा बादाम शनिवार के दिन नदी में बहाएं।
11 रात्रि में दूध न पीएं।

यद्यपि ये उपाय बता दिए गए हैं किन्तु इन्हें अपने आप आरंभ नहीं करना चाहिए। किसी विद्वान ज्योतिषी से परामर्श लेकर ही उपाय करने की विधि तथा उचित समय की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। यदि साढ़े साती के अरिष्ट फलों की शांति के लिए उचित रीति से उपाय किए जाए तो साढ़े साती के परिणाम उतने भयाकारी नहीं होंगे जितना कि उनसे भयभीत किया जाता है।

आपकी जन्म कुण्डली में मंगल ग्रह आठवें भाव में होने से आप एक मांगलिक पुरुष हैं। मंगल के प्रभाव से आपके विवाह होने में कुछ विलम्ब होने की सम्भावना रहेगी तथा एकाधिक वैवाहिक वार्ताएँ भी विफल हो सकती हैं लेकिन आपका विवाह अवश्य होगा । आपको रक्त, पित्त तथा पेट सम्बन्धी सामान्य परेशानी होने की सम्भावना रहेगी तथा आपके स्वभाव में कुछ रूखापन होने की सम्भावना भी हो सकती है।

आपकी कुण्डली के अष्टम स्थान में मंगल स्थित है। जिसके प्रभाव से जीवन में आकस्मिक धन हानि एवं धन लाभ हो सकता है। यदा-कदा रक्त, पित्त ग्रीष्म ज्वर होने की सम्भावना हो सकती है। मंगल की चतुर्थ दृष्टि ग्यारहवें भाव पर होने से आर्थिक लाभ प्राप्त होने में सामान्य बाधाएँ होने की सम्भावना रहेगी। अच्छे लाभ के लिए आपको अधिक परिश्रम करना पड़ेगा । मंगल की सप्तम पूर्ण दृष्टि दूसरे भाव पर होने से आपके पारिवारिक जनों का आपके साथ अधिक सौहार्दपूर्ण व्यवहार नहीं रहेगा जिससे आपके उनसे कुछ मतभेद भी रहेंगे । दाएँ नेत्र में कभी-कभी सामान्य परेशानी होने की सम्भावना रहेगी। मंगल की अष्टम पूर्ण दृष्टि तीसरे भाव पर होने से आप जितना परिश्रम करेंगे उसका आपको पूर्ण फल मिलने की कम सम्भावना रहेगी।

आपको अपने वैवाहिक जीवन को अधिक सुखी तथा ऐश्वर्यशाली बनाने के लिए किसी मंगली लड़की से विवाह करना चाहिए या ऐसी कन्या से जिसकी कुण्डली में एक, चार, सात, आठ, बारह भावों में से किसी एक भाव में शनि, अथवा राहु, स्थित हैं। दोनो का मांगलिक दोष भंग हो जाने पर दामपत्य जीवन में सुख - समृद्धि, तथा सौभाग्य में वृद्धि होगी और आपका वैवाहिक जीवन, आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

रत्न	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक	सोना	अनामिका	रवि	प्रातः	कृतिका, उ फाल्गुनी, उतराषाढा
मोती	चांदी	कनिष्ठिका	सोम	प्रातः	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	सोना	अनामिका	मंगल	प्रातः	मृगशिरा, चित्रा ,धनिष्ठा
पन्ना	सोना	कनिष्ठिका	बुध	प्रातः	अशलेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	सोना	तर्जनी	गुरू	प्रातः	पुर्नवसु, विशाखा, पूर्वाभद्रपद
हीरा	प्लेटीनम	कनिष्ठिका	शुक्र	प्रातः	भरणी, पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढा,
नीलम	चांदी	मध्यमा	शनि	सांयः	पुष्य, अनुराधा, उत्तराभाद्रपद
गोमेद	चांदी	मध्यमा	शनि	रात्रि	आद्रा, स्वाती, शतभिषा
लहसुनियां	चांदी	अनामिका	गुरू	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूला

शुभ रत्न

रत्नों का उपयोग यदि उचित रूप से किया जाए तो रत्न वास्तव में उचित फल प्रदान करने में सहायक सिद्ध होते हैं। इस कार्य में रत्न का चुनाव अत्यधिक महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। इसके अतिरिक्त रत्न की उत्तमता भी अपना विशेष महत्त्व रखती है। किसी भी जातक के लिए निर्धारित किए गए शुभ रत्न, शुभ ग्रहों की किरणो को ग्रहण कर के मानव शरीर में उन किरणों का प्रसार कर शुभ फल प्रदान करने में उपयुक्त सिद्ध होते हैं। यहाँ तीन प्रकार के रत्नों का विवरण दिया गया है।

आजीवन रत्न : पुखराज
भाग्यवर्धक रत्न : मोती
शुभ रत्न : मूंगा

माणिक	ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।
मोती	ऊँ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्राय नमः।
मूंगा	ऊँ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः।
पन्ना	ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।
पुखराज	ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरुवे नमः।
हीरा	ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।
नीलम	ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।
गोमेद	ऊँ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः।
लहसुनियां	ऊँ स्त्रां स्त्रीं स्त्रौं सः केतवे नमः।

जैसा कि ऊपर बताया गया है कि किसी भी जातक की जन्म कुंडली में उत्तम ग्रहों की निर्बलता को दूर करने के लिए रत्नों का उपयोग किया जाता है तथा उसमें उपयुक्त रत्न का चुनाव तथा रत्न की उत्तमता अपना महत्त्व रखती है। ठीक इसी प्रकार किसी भी रत्न के धारण करने का समय भी अपना विशेष स्थान रखता है। उचित समय में किया गया कोई भी कार्य सिद्ध होता है। इसी उचित समय को हम मुहूर्त भी कहते हैं- ऐसा शास्त्रों में लिखा गया है। इस लिए रत्न धारण करते समय हमें निर्धारित दिवस, निर्धारित नक्षत्र तथा शुक्ल पक्ष का चुनाव करना चाहिए। किसी भी प्रकार का शुभ कार्य करते समय हमारे शास्त्रों में पूजा पाठ इत्यादि तथा अपने इष्ट देव का ध्यान करना बताया गया है। इस बात को ध्यान में रखकर हमें निर्धारित पूजा भी करनी चाहिए जिस से कि हमारे देवता हमें आशीर्वाद दें तथा हमारे कार्य को सफल बनाएं। रत्न जड़ित अंगूठी धारण करने से पहले इसे गंगा जल में धो लेना चहिए। इस कार्य में आप दूध का प्रयोग भी कर सकते हैं। इसके पश्चात् स्वच्छ मन से, आँखे बंद कर, प्रभु की उपासना करते हुए तथा निर्धारित मंत्रों का जाप संभव हो तो 108 बार करते हुए रत्न जड़ित अंगूठी को निर्धारित अंगुली में धारण करें तथा अपने शुभ चिंतकों में प्रसाद इत्यादि का वितरण करें। परिवार के बुजुर्ग सदस्यों से भी आशीर्वाद लें ताकि वे भी आपके मंगल भविष्य तथा आपकी इच्छाओं की पूर्ति हेतु कामना करें।

रत्नों द्वारा समस्याओं का निवारण

1 यदि आप अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हों अथवा अपना व्यक्तित्व आकर्षक बनाना चहाते हों तो आप पुखराज रत्न धारण कर सकते हैं।
2 यदि आप को धन अर्जित करने अथवा एकत्रित करने में समस्या आती हो अथवा आप जीवन में अपने पद ओहदे को लेकर चिंतित हों तो आप मूंगा रत्न धारण कर सकते हैं।
3 यदि आपको प्रतीत होता हो कि आप के द्वारा किए गए प्रयास उत्तम नतीजे लाने में असमर्थ होते हैं अथवा आपके द्वारा किए गए परिश्रम का फल आपकी क्षमता से कम प्राप्त होता है। इस के अतिरिक्त यदि आपको सहोदरों से या आपके सहोदरों को कुछ समस्याएं हैं तो आप मूंगा रत्न धारण कर सकते हैं।
4 यदि आपके माता-पिता को अथवा आपको माता-पिता से किसी प्रकार का कष्ट प्रतीत होता हो अथवा आपको वाहन /जमीन जायदाद खरीदने या बनवाने में परेशानी का सामना करना पड़ता हो। यदि विद्यार्थी जीवन में शिक्षा ग्रहण करने में बाधाओं का सामना करना पड़े अथवा घर के सुख में कमी का आभास होता हो तो आप पन्ना रत्न धारण कर सकते हैं।
5 यदि आपको बुद्धि, ज्ञान, भावुकता, संतान व पेट इत्यादि से समस्याएं हों अथवा आपको सट्टेबाजी में हानि देखनी पड़ती हो तो आप मोती रत्न धारण कर सकते हैं।
6 यदि आपके विवाह में अनचाहा विलंब हो रहा हो अथवा विवाहित जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हो। इसके अतिरिक्त यदि आप को किसी प्रकार की व्यापारिक साझेंदारी में नुकसान होता हो तो उस स्थिति में भी आप पन्ना रत्न धारण कर सकते हैं।
7 यदि आप अनुभव करते हों कि आपका भाग्य आपका समुचित साथ नहीं देता अथवा जीवन में आपको अत्यधिक संघर्ष करने पड़े हों या कर रहे हों। इसके अतिरिक्त धर्म की ओर ले जाने वाले मार्ग को प्रशस्त करना चाहते हों तो आप मूंगा रत्न धारण कर सकते हैं।
8 यदि आप अपनी नौकरी या व्यापार में अस्थिरता का अनुभव करते हों तो आप पुखराज रत्न धारण कर सकते हैं।
9 यदि आपको अपनी आय में उतार-चढ़ाव अनुभव करते हों तो आप मूंगा रत्न धारण कर सकते हैं।

मूलांक	:	1
शुभ अंक	:	2
शुभ समय	:	मार्च 21- अप्रैल 28, जुलाई 21-अगस्त 28
शुभ दिन	:	रविवार और सोमवार
शुभ तारीख	:	1, 4, 7, 10, 13, 19, 28
शुभ वर्ष	:	10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
शुभ रंग	:	स्वर्ण, पीला, ताबां रंग।
शुभ रत्न	:	पुखराज, कहरुबा, पीला हीरा, और इन रंगो के सारे रत्न।
स्वास्थ्य	:	आपको अनियमित रक्तचाप, उच्च रक्तचाप, हृदय की धड़कन का बढ़ना, अथवा नेत्र रोगों से कष्ट हो सकता है।
व्यवसाय	:	आप सरकारी, अर्धसरकारी संगठनों, न्यायिक, राजनैतिक, दवाईयों, आभूषण, इत्यादि कार्यो में सफलता प्राप्त कर सकते है।
त्रुटियाँ	:	गुस्सा, अंहकार, स्वाहित वाद, निरंकुशता, गर्व।

आप अति महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं। आप जिस काम में भी हाथ डालते हैं आपको कामयाबी मिलती है आप नहीं चाहते कि आप पर कोई हुक्म चलाए अथवा आप पर हावी हो। आप अपने तौर-तरीके से जीवन यापन करेंगे। आप प्रायः किसी भी परियोजना के अग्रणी के रूप में उभर कर अपने व्यवसाय की परिपक्वता का प्रदर्शन करना चाहते हैं ताकि लोग आपको आदर की दृष्टि से देखें। दूसरे शब्दों में आप अपनी छवि एवं सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रति अति सजग एवं सतर्क रहते हैं। आप खर्च की परवाह किए बिना ऐशों-आराम की जिंदगी जीना चाहते हैं। कभी-कभार आप दूसरों की कड़ी आलोचना करने लगते हैं। फिर भी आप अपने सहकर्मियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। जिस काम से आप परिचित नहीं है उसे करने में दूसरों की सहायता लेना आपके लिए श्रेयस्कर होगा और किसी काम को अकेला ससंघर्ष करके यश प्राप्त करने का प्रयास न करें। आप अपने जीवन में शेखी न बघारें तो अच्छा है। स्वास्थ्य की दृष्टि से आपको हृदय रोग से सावधान रहना होगा। जीवन में आगे चलकर आपको रक्त तंत्र एवं उच्च रक्त चाप सम्बन्धी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी आँखों की जाँच नियमित रूप से करवाते रहना चाहिए। संतरा, लौंग और अदरक का सेवन आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगा। आप शहद का भी जितना इस्तेमाल कर सकें बढ़िया होगा। आपको अक्टूबर, दिसम्बर और जनवरी के महीनों में अपनी सेहत का खास ध्यान रखना चाहिए। इस अवधि में आपको हद से ज्यादा काम नहीं करना चाहिए। आप अति कुशाग्र बुद्धि के व्यक्ति हैं और आपके भीतर काम करने की अपार क्षमता है। आपके कई मित्र हैं और सगे - सम्बन्धी भी काफी हैं। इन सब के होते हुए भी आप कभी-कभार इतने बड़े जन-समूह में अपने आपको अकेला महसूस करते हैं। आप हमेशा दूसरों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हैं। आपका रवैया काफी सकारात्मक है और अपने प्रति आप काफी आश्वस्त हैं। कुल मिलाकर आप अति आशावादी व्यक्ति हैं और कभी भी आसानी से हार नहीं मानते। आपको अपने महत्वपूर्ण कार्य महीने की पहली, 10वीं, 19वीं, और 28वीं तारीख को ही शुरू करने चाहिए।

1. अनफा (गुरु) योग

चन्द्रमा से द्वादश स्थान में गुरु हो तो अनफा (गुरु) योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक बलवान, सच्चे, विद्वान, विख्यात, धनी व कवि होते हैं।

2. अनफा योग

सूर्य के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह चन्द्रमा से द्वादश स्थान में हो तो अनफा योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धनी, अच्छे स्वास्थ्य व भौतिक सुख ऐश्वर्य से युक्त, प्रतिष्ठित, भाषण में निपुन, कुशल, आकर्षक व्यक्तित्व के एवं सुखी होते हैं।

3. अरिष्ट योग

अष्टमेश की युति या दृष्टि द्वादेश से हो तो अरिष्ट योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक जीवन में शारीरिक अस्वस्थता से पीड़ित रहते हैं।

4. अव योग

लग्नेश की स्थिति 6ठे, 8ठे या 12वें भाव में हो तो अव योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने में असमर्थ, दूसरों के लिए कोई महत्व न रखने वाले, पराधीन, अस्थिर स्थिति, सामान्यतया अल्प आयू, छल-कपटी व दुश्ट स्वभाव के मित्रों की संगति में रहकर विवेकहीन होते हैं।

5. धन योग

द्वतीयेश का सम्बन्ध पंचमेश, नवमेश या फिर एकयदेश से हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धन तथा ऐश्वर्य से युक्त होते हैं।

6. दुरुधरा योग

सूर्य के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश स्थान में हो तो दुरुधरा योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक तर्क सम्बन्धि वार्ता में चतुर, विख्यात, विद्वान, धैर्यवान, ईमानदार, धनी, भूमि तथा वाहन के स्वामी, दानी एवं वासनाप्रिय होते हैं।

7. दुरुधरा योग (मंगल/गुरु)

चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश स्थान में मंगल/गुरु हो तो यह योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक उत्तम ख्याति अर्जित करने वाले, ऐश्वर्य तथा वैभवशाली, यदा-कदा कुछ उग्र स्वभाव के, सुखी, पारिवारिक जनों कि देख-रेख करने तथा स्वपरिश्रम के बल पर धन प्राप्ती करने वाले हाते हैं।

8. दुरयोग

दशमेश की स्थिति 6ठे, 8ठे या 12वें भाव में हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने में असमर्थ, छल व कपटी, मित व्ययी व ईर्षावान तथा अधिकतर अपने निवास स्थान से दूर रहने वाले होते हैं।

9. एकपुत्र योग

पंचमेश की स्थिति केन्द्र या त्रिकोण में हो तो एकपुत्र योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातकों के सम्भवतः एकमात्र पुत्र/पुत्री होगी।

10. नेत्रदोश योग

6, 8 एवं 12वें भाव में शुभ ग्रह तथा 10वें भाव में सूर्य हो तो नेत्रदोश योग बनता है।

11. कर्मजीव योग

लग्न, चन्द्रमा या फिर सूर्य से 10वें स्थान में गुरु की युति या दृष्टि हो तो कर्मजीव योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक व्यवसाय के रूप में अधिकतर विद्वानों, ज्ञान, कानून विभाग, मन्दिरों, तीर्थ यात्रा तथा धर्म आदि से सम्बन्धित कार्यों का व्यापार करते हैं।

12. कर्मजीव योग

लग्न या फिर चन्द्रमा से सूर्य 10वें स्थान में हो तो कर्मजीव योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक व्यवसाय के रूप में अधिकतर सुगन्धित वस्तुओं, सोना तथा औषधि विक्रय का व्यापार करते हैं।

13. कर्मजीव योग

लग्न या फिर सूर्य से चन्द्रमा 10वें स्थान में हो तो कर्मजीव योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक व्यवसाय के रूप में अधिकतर कृषि विभाग तथा जलीय वस्तू जैसे मोती व शंख का व्यापार करते हैं। इस योग के पुरुष, स्त्री द्वारा भी आजीविका प्राप्त कर सकते हैं।

14. कर्मजीव योग

लग्न या फिर सूर्य से 10वें स्थान में चन्द्रमा की युति या दृष्टि हो तो कर्मजीव योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक व्यवसाय के रूप में अधिकतर कृषि विभाग तथा जलीय वस्तू जैसे मोती व शंख का व्यापार करते हैं। इस योग के पुरुष, स्त्री द्वारा भी आजीविका प्राप्त कर सकते हैं।

15. कृशाण्ड योग

इस योग में जन्म लेने वाले जातक शारीरिक गठन में कुछ पतले एवं कमजोर तथा शारीरिक कष्ट भोगते हैं।

16. नलायोग

यदि लग्न द्विस्वभाव राशि में हो तथा कई ग्रह द्विस्वभाव राशि में हो तो नलायोग बनता हैं।

इस योग में जन्म लेने वाले जातको के हाथ या पैरों में शिकायत रह सकती हैं। वह विचारो में दृढ, स्थिर मस्तिष्क, तीव्र बुद्धि, आकर्षक व्यक्तित्व तथा मित्र एंव संबन्धीयों के करीब रहते हैं। वह हतोत्साही और उदास रहते हैं। उनका धन स्थाई नहीं होता।

17. निर्भाग्य योग

नवमेश स्थान के स्वामी की स्थिति 6ठे, 8ठे या 12वें भाव में हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक अपना धन गवाँने, दूसरों से बदनामी हासिल करने वाले, नास्तिक, पराधीन तथा असहाय होते हैं।

18. निसव योग

द्वितीयेश की स्थिति 6ठे, 8ठे या 12वें भाव में हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक बातों में रूखेपन, अल्प मात्रा में विद्या प्राप्त करने, छल-कपटी व दुश्ट स्वभाव के मित्रों की संगति में रहने वाले, कमजोर तथा शत्रु पक्ष द्वारा कुछ विशेष हानि अनुभव करते हैं।

19. संख्या दाम (दामिनी) योग

सभी ग्रह जब छः भावों में हो तो दामिनी योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धनी, दक्ष, विख्यात, ज्ञानी, सुखी एवं न्यायिक कार्यों से धन कमाने वाले होते हैं।

20. सत्कलत्र योग

सप्तमेश या शुक्र से गुरु या बुध की युति या दृष्टि हो सत्कलत्र योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक स्वछ हृदय तथा मर्यादित जीवनसाथी से युक्त होते हैं।

21. शकट योग

बृहस्पति केन्द्र में न होकर चन्द्रमा से 12वें में हो तो शकट योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक असहाय, पराधीन, सदैव परिश्रम में लीन रहते हैं। इन जातकों की सामाजिक छवि धुमिल तथा धन स्थाई नहीं होता। इस योग के जातकों का अपने पारिवारिक जनों के साथ सदैव वैवारिक मतभेद रहता हैं।

22. शुक्र शनि योग

शुक्र एवं शनि की युति एक ही भाव में हो तो शुक्र शनि योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक खिलाड़ी, जगह-जगह भटकने, शिल्प कला, लेखन एवं चित्रकार का

कार्य करने तथा विवाह के बाद उन्नती प्राप्त करने वाले होते हैं।

23. सुनफा (मंगल) योग

चन्द्रमा से द्वितीय स्थान में मंगल हो तो सुनफा (मंगल) योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धैर्यवान, पराक्रमी, निड़र, राजा के समान धनी, दुष्ट स्वभाव के तथा दिखावटिपन के विरोध करने वाले होते हैं।

24. सुनफा योग

सूर्य के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह चन्द्रमा से द्वितीय स्थान में हो तो सुनफा योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक शाही जीवन यापन करने वाले, धनी, प्रतिष्ठित, सुखी, स्वपरिश्रम के बल पर धन कमाने वाले तथा परोपकारिक गुण से युक्त होते हैं।

25. उभयचर योग

चन्द्रमा के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह सूर्य से द्वितीय एवं द्वादश स्थान में हो तो उभयचर योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक बलवान, जिम्मेदार, विद्वान, आकर्षक व्यक्तित्व तथा भौतिक सुख ऐश्वर्यो का सुख प्राप्त करते हैं।

26. उत्तमदि (अधम) योग

सूर्य से केन्द्र (1, 4, 7, 10) में चन्द्रमा हो तो अधम योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक धन, ज्ञान, कुशलता व यश सामान्य रूप से ही प्राप्त कर पाते हैं तथा इनके फल अल्प मात्रा में ही भोगते हैं।

27. वेशि योग

चन्द्रमा के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह सूर्य से द्वितीय स्थान में हो तो वेशि योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक लम्बे, ईमानदार, आलसी, दानी, सत्यवादी, अच्छी स्मरण शक्ति के तथा सामान्यतया धनी होते हैं।

28. वेशि योग (शुभ)

चन्द्रमा के अतिरिक्त दूसरा कोई भी शुभ ग्रह सूर्य से द्वितीय स्थान में हो तो वेशि शुभ योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक वार्ता में चतुर, धनवान तथा अपने विरोधियों पर विजय प्राप्त करने वाले हाते हैं।

29. वेशि योग (बुध)

सूर्य से द्वितीय स्थान में बुध हो तो वेशि (बुध) योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक मधुर भाषी एवं आकर्षक व्यक्तित्व के होते हैं।

30. वोशि योग

चन्द्रमा के अतिरिक्त दूसरा कोई भी ग्रह सूर्य से द्वादश स्थान में हो तो वोशि योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक अपने शब्दों पर नियंत्रण न रखने, अच्छी स्मरण शक्ति वाले, बलवान, विद्वान, विख्यात, दानी तथा झूठे स्वभाव के होते हैं

31. वोशि योग (शुभ)

चन्द्रमा के अतिरिक्त दूसरा कोई भी शुभ ग्रह सूर्य से द्वादश स्थान में हो तो वोशि शुभ योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक तेज दिमाग, विद्वान, धनवान तथा विज्ञान की ओर आकर्षित रहते हैं।

32. वोशि योग (अशुभ)

चन्द्रमा के अतिरिक्त दूसरा कोई भी अशुभ ग्रह सूर्य से द्वादश स्थान में हो तो वोशि अशुभ योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक दुष्ट स्वभाव, व्यक्तित्व में कुछ हीनता, वासनाप्रिय तथा कुछ कमजोर बुद्धि के होते हैं।

33. वोशि योग (शुक्र)

सूर्य से द्वादश स्थान में शुक्र हो।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक डरपोक, प्रतिष्ठित तथा भौतिक सुख ऐश्वर्यो का सुख प्राप्त करते हैं।

34. व्रण योग

षष्ठेश अशुभ होकर लग्न, अष्टम या दशम भाव में स्थित हो तो व्रण योग बनता है।

इस योग में जन्म लेने वाले जातक जीवन में अलसर या कैंनसर के रोगों से पीड़ित हो सकते हैं।

जन्म पत्रियों में कई प्रकार के योग देखने का मिलते हैं जिनके विभिन्न प्रकार के फल होते हैं। कुछ अच्छे योग हैं तो कुछ बुरे। अच्छे योग शुभ फलदायक होते हैं तो बुरे योग अशुभ फलदायक होते हैं। ऐसा ही एक अशुभ फलदायक योग है कालसर्प योग। जब किसी भी जन्मपत्री में सारे ग्रह राहू और केतू के मध्य आ जाते हैं तो उसे कालसर्प योग कहते हैं। प्राचीन ग्रन्थों में प्रत्यक्ष से तो इस योग का वर्णन नहीं मिलता लेकिन इसे नकारा भी नहीं जा सकता।

महर्षि गर्ग, महर्षि पाराशर, महर्षि भृगु, वराह मिहिर आदि ज्योतिषाचार्यो ने कालसर्प योग को स्वीकार किया है। प्राचीन कालदर्शियों ने कालसर्प योग को विशेष महत्व दिया है। उन्होंने राहू-केतू को कार्मिक माना है, राहू पृथ्वी पर काल है और केतू सर्प। प्रायः किसी ने भी इस योग की प्रशंसा नहीं की है। राहू-केतू यद्यपि छाया ग्रह है, इनका अपना कोई शरीर नहीं है, फिर भी ये इतने क्रूर ग्रह हैं कि इनसे निर्मित कालसर्प योग अशुभ फलदायक ही कहलाता है।

आप की कुण्डली कालसर्प योग से मुक्त है।

	जन्म विवरण	वर्षफल विवरण
लिंग	पुरुष	पुरुष
जन्म तिथि	01/01/2016	01/01/2016
दिन वार	शुक्रवार	शुक्रवार
जन्म समय	11:34:29	11:34:29
(समय घटी में)	10:51:50 घटी	------

स्थान एवं समय विवरण

जन्म स्थान	DELHI	DELHI
अक्षांश	028:39:N	028:39:N
रेखांश	077:13:E	077:13:E
स्थानीय समय	11:13:21	------
स्थानीय तिथि	01/01/2016	------

ग्रह एवं राशि विवरण

लग्न	मीन	मीन
लग्नेश	गुरु	गुरु
राशि	कन्या	कन्या
राशीश	बुध	बुध
नक्षत्र	उ फाल्गुनी	उ फाल्गुनी
नक्षत्र स्वामी	सूर्य	सूर्य
चरण	3	3
पाया (चंद्र-नक्षत्र)	तांबा-चांदी	तांबा-चांदी
योग	सौभाग्य	सौभाग्य
करण	बव	बव
गण	मनुष्य	मनुष्य
योनि	गौ	गौ
नाड़ी	आदि	आदि
वर्ण	वैश्य	वैश्य
वश्य	मनुष्य	मनुष्य
वर्ग	मूषक	मूषक
नामाक्षर	पा	पा
युंजा	मध्य	मध्य
हंसक तत्व	भूमि	भूमि

वर्षफल की गणनाएं सूर्य के ध्रुवांक पर आधारित हैं।

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	मीन	04°01'53''		गुरु	उ भाद्रपद	1	शनि	शनि
सूर्य	धनु	16°09'35''	मित्र	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	सूर्य
चन्द्र	कन्या	05°37'24''	मित्र	बुध	उ फाल्गुनी	3	सूर्य	बुध
मंगल	तुला	04°37'00''	सम	शुक्र	चित्रा	4	मंगल	शुक्र
बुध	मकर	05°22'55''	सम	शनि	उत्तराषाढ़ा	3	सूर्य	बुध
गुरु	सिंह	29°04'48''	मित्र	सूर्य	उ फाल्गुनी	1	सूर्य	मंगल
शुक्र	वृश्चिक	08°17'05''	सम	मंगल	अनुराधा	2	शनि	शुक्र
शनि	वृश्चिक	17°05'23''	शत्रु	मंगल	ज्येष्ठा	1	बुध	बुध
राहु-व	कन्या	00°47'59''	सम	बुध	उ फाल्गुनी	2	सूर्य	राहु
केतु-व	मीन	00°47'59''	सम	गुरु	पू भाद्रपद	4	गुरु	मंगल

जन्म लग्न

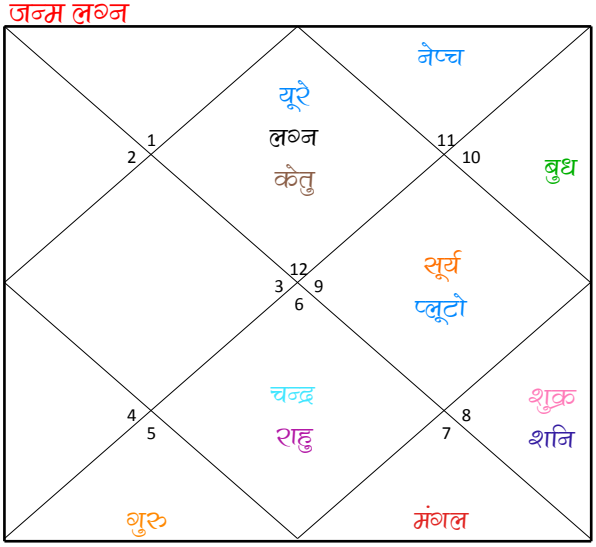

चलित

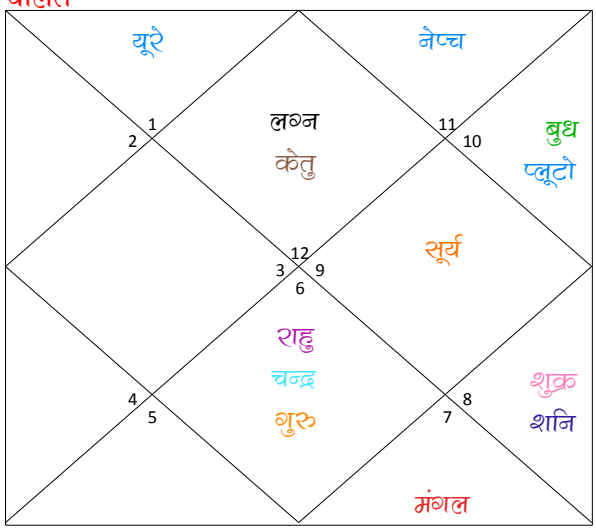

चन्द्र लग्न

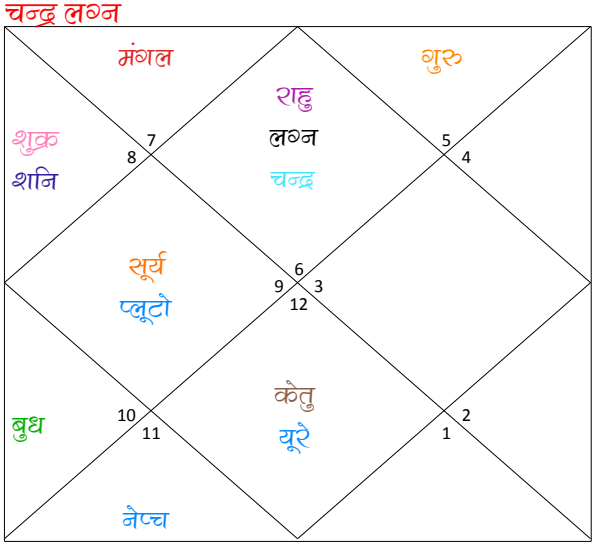

नवमांश

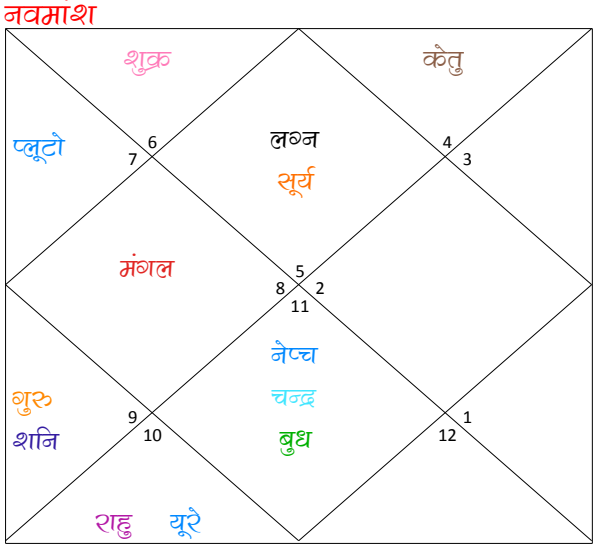

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	स्वामी	नक्षत्र	चरण	स्वामी	उपस्वामी
लग्न	मीन	04°01'53''		गुरु	उ भाद्रपद	1	शनि	शनि
सूर्य	धनु	16°09'35''	मित्र	गुरु	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	सूर्य
चन्द्र	कन्या	05°37'24''	मित्र	बुध	उ फाल्गुनी	3	सूर्य	बुध
मंगल	तुला	04°37'00''	सम	शुक्र	चित्रा	4	मंगल	शुक्र
बुध	मकर	05°22'55''	सम	शनि	उत्तराषाढ़ा	3	सूर्य	बुध
गुरु	सिंह	29°04'48''	मित्र	सूर्य	उ फाल्गुनी	1	सूर्य	मंगल
शुक्र	वृश्चिक	08°17'05''	सम	मंगल	अनुराधा	2	शनि	शुक्र
शनि	वृश्चिक	17°05'23''	शत्रु	मंगल	ज्येष्ठा	1	बुध	बुध
राहु-व	कन्या	00°47'59''	सम	बुध	उ फाल्गुनी	2	सूर्य	राहु
केतु-व	मीन	00°47'59''	सम	गुरु	पू भाद्रपद	4	गुरु	मंगल

वर्ष लग्न

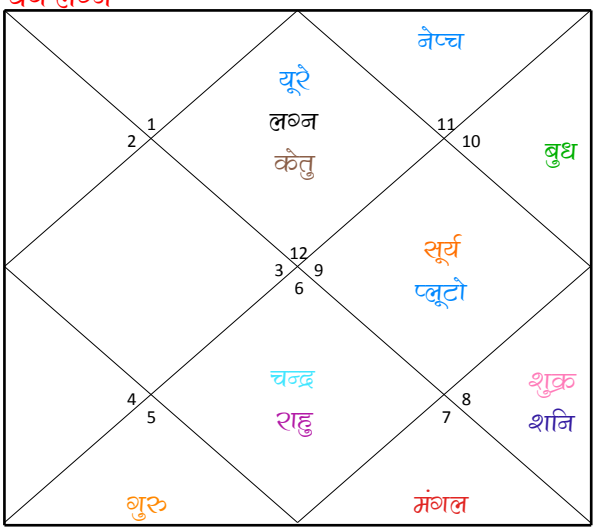

चलित

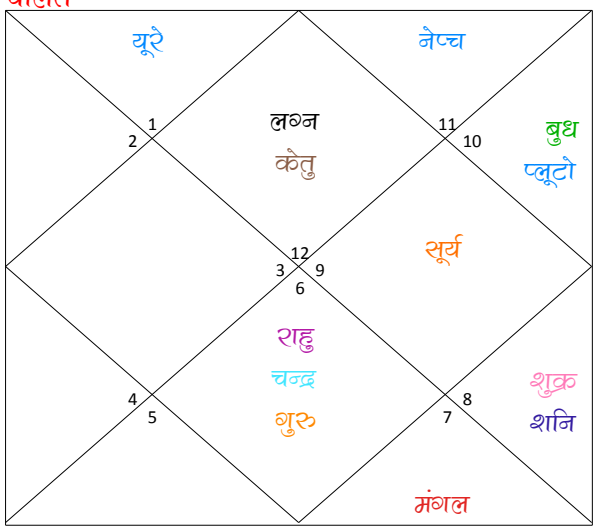

चन्द्र लग्न

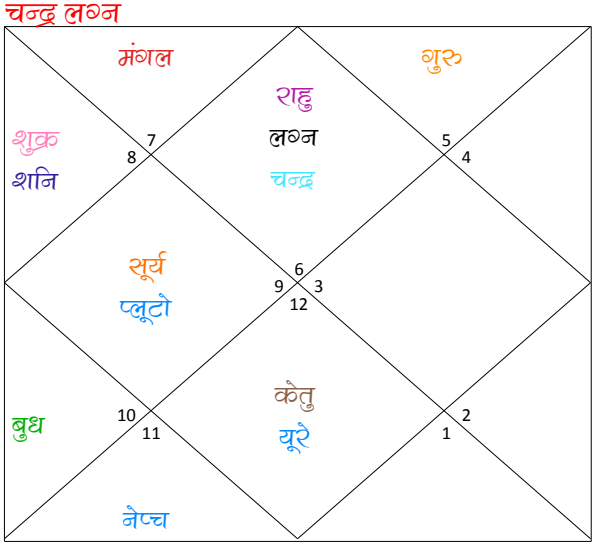

नवमांश

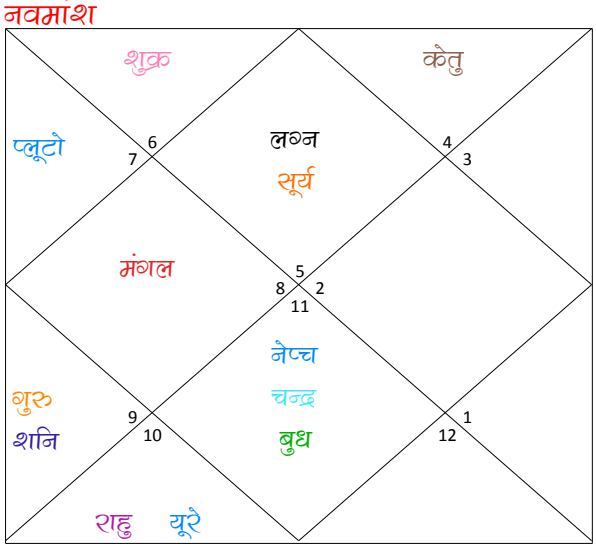

हर्ष बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	0
तृतीय बल	5	5	0	0	5	5	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	5	5	0	10	5	5

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
ग्रह बल	22.50	22.50	15.00	22.50	22.50	15.00	15.00
उच्च बल	07.35	06.38	07.40	07.74	13.99	04.59	16.99
हद्दा बल	07.50	11.25	07.50	15.00	11.25	15.00	11.25
द्रेष्काण बल	02.50	02.50	05.00	05.00	07.50	05.00	05.00
नवांश बल	05.00	03.75	05.00	03.75	05.00	03.75	01.25
कुल	11.21	11.60	09.98	13.50	15.06	10.84	12.37

पंचाधिकारी

स्वामित्व	ग्रह	बलाबल
मुन्थेश	गुरु	15.06
जन्म लग्नेश	गुरु	15.06
वर्ष लग्नेश	गुरु	15.06
त्रिराशिपति	चन्द्र	11.60
दिनरात्रिपति	गुरु	15.06

वर्षेश व मुन्था

वर्षेश	:	चन्द्र
मुन्था-राशि	:	मीन
मुन्था-भाव	:	1
मुन्थेश	:	गुरु
मुन्थेश- भाव	:	6

वर्षफल वर्ष 2016-2017

सहम	राशि	अंश	सहम स्वामी
पुण्य	वृश्चिक	23:29:42	मंगल
गुरू	कर्क	14:34:04	चन्द्र
प्रसूति	तुला	27:43:46	शुक्र
यश	धनु	09:36:59	गुरु
मित्र	कर्क	29:21:27	चन्द्र
माहात्म्य	वृष	22:54:35	शुक्र
आशा	मेष	12:50:11	मंगल
पिता	कुम्भ	04:57:41	शनि
माता	मकर	01:22:12	शनि
जीवित	मिथुन	22:02:28	बुध
कर्म	धनु	03:15:58	गुरु
कलि	मकर	28:29:41	शनि
शास्त्र	तुला	17:22:20	शुक्र
बंधक	वृश्चिक	04:16:22	मंगल
जाडय	वृश्चिक	22:54:32	मंगल
शत्रु	मकर	21:33:30	शनि
बंधन	मेष	10:26:12	मंगल
समर्थता	वृष	09:34:05	शुक्र
कामदेव	मेष	10:34:29	मंगल
गौरव	मकर	22:25:32	शनि
कार्यसिद्धि	सिंह	00:00:36	सूर्य
अश्व	धनु	11:49:00	गुरु
भ्राता	धनु	16:01:18	गुरु
पुत्र	कुम्भ	27:29:17	शनि
रोग	कन्या	02:26:22	बुध
बन्धु	सिंह	03:47:24	सूर्य
मृत्यु	मकर	15:43:22	शनि
अर्थ	कन्या	03:40:16	बुध
परस्त्री	मकर	26:09:23	शनि
वणिक	वृश्चिक	04:16:22	मंगल
विवाह	कुम्भ	25:13:35	शनि
संताप	वृश्चिक	15:43:22	मंगल
श्रद्धा	वृष	07:41:58	शुक्र
प्रीति	तुला	25:06:15	शुक्र
व्यापार	धनु	03:15:58	गुरु
कन्या	मिथुन	06:41:34	बुध
परदेश	वृष	03:53:46	शुक्र
अपमृत्यु	मीन	03:40:16	गुरु
लाभ	वृष	21:25:23	शुक्र
जलपथ	वृश्चिक	01:56:30	मंगल

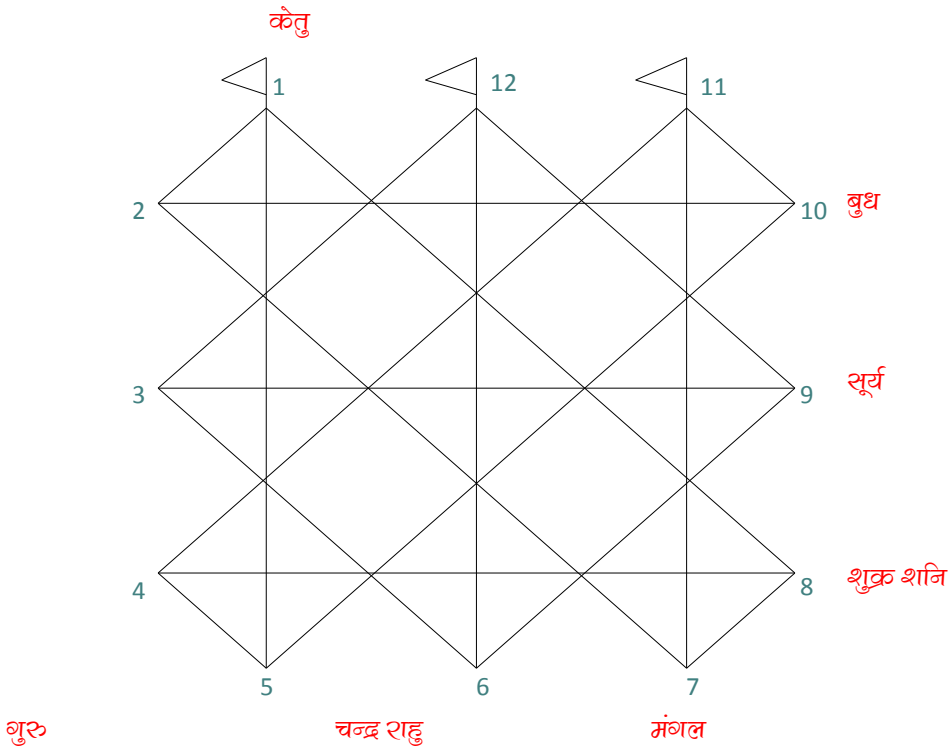

त्रिपताकि चक्र में वेध

लग्न	सूर्य चन्द्र राहु केतु	बुध	गुरु
सूर्य	चन्द्र राहु केतु	गुरु	बुध
चन्द्र	सूर्य राहु केतु	शुक्र	मंगल शनि
मंगल	शुक्र शनि	शनि	मंगल शुक्र

विभिन्न ग्रहो द्वारा चन्द्र वेध का फल

सूर्य :

चन्द्र : धन के अपव्यय से कष्ट, बुखार, मन मे अस्थिरता, चिंता से परेशानी, रक्त सम्बन्धी रोग और असफलता प्राप्त होती हैं।

मंगल : चित्त में बेचैनी, शत्रु भय, व्याकुलता, मन उदास, रक्त विकार, चोट-चपेट और झगडे होते रहते हैं।

बुध : व्यापार में वृद्धि, भाईयों से वाद-विवाद, कुटुम्ब में कलह, शत्रु से भय या हानि के बावजूद धन प्राप्ति हाती है।

गुरु : अकस्मात धन लाभ, तीर्थ यात्रा, विवाद में विजय, शुभ कार्य में धन का खर्च और मांगलिक कार्य होते हैं।

शुक्र : वासना बढना, शत्रु पर विजय, आमदनी में वृद्धि, विद्या प्राप्ति, जल से अरिष्ट और परीक्षा में सफलता हासिल होती हैं।

शनि : वायु विकार आदि से रोग, मानहानी, नीच लोगों का संग, अपनों से विश्वासघात और धन हानि हाती हैं।

राहु : असफलता, कठनाईयाँ, अनेक रोग एवं शरीर-पीडा, कीर्ति-क्षय, बुरे विचार और कष्ट प्राप्त होते हैं।

अस्वस्थता, उदासी, दुःख एवं चिन्ता, उदर व्याधि, मलिन चित्त और अपयश हासिल होता हैं।

वर्ष लग्न में आपका मुन्था भाव नम्बर 1 में है।
व्यापारियों, कर्मचारियों के लिए पदोन्नति और प्रतिष्ठा वृद्धि के लिहाज से यह समय बहुत अच्छा है लेकिन आपको माहौल में तबदीली महसूस होगी। आमदनी में वृद्धि होगी और योग्यता भी निखरेंगी। परिवार में बढ़ोत्तरी की भी सम्भावना है। वैमनस्य खत्म होगा। आप बहुत स्फूर्तिवान् और चुस्त महसूस करेंगे।

01/01/2016-19/01/2016 में आप सूर्य वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
सूर्य वर्ष लग्न में भाव नम्बर 10 में है।

इस अवधि में आप बहुत क्रियाशील एवं व्यस्त रहेंगे। व्यापार या नौकरी में महती सफलता प्राप्त करेंगे और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के कृपाभाजन रहेंगे। यह समय आपकी कर्मठता का समय सिद्ध होगा। व्यापार के कारण सफलदायक यात्राएँ करेंगे। सब लिहाज से यह समय काफी संतोषप्रद सिद्ध होगा। इस समय में आप अपनी सारी आर्थिक समस्याओं से छुटकारा पा जाएंगे।

19/01/2016-19/02/2016 में आप चन्द्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
चन्द्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 7 में है।

इस अवधि में आपको सम्पत्ति मिलने की सम्भावना है। पारिवारिक जीवन भी संतोषप्रद रहेगा। भागीदारों या सहयोगियों की संगति से लाभ प्राप्ति की सम्भावना है। नित्य चर्चा में काफी व्यस्त रहेंगे। सुदूर स्थलों या विदेश से अच्छी खबर मिलेगी। स्वास्थ्य के बारे में सचेत रहे।

19/02/2016-11/03/2016 में आप मंगल वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
मंगल वर्ष लग्न में भाव नम्बर 8 में है।

यह बिल्कुल भी अच्छा समय नहीं है। ध्यान रखें, आर्थिक हानि की पूरी सम्भावना है। इस अवधि में कोई जोखिम न उठाएं और सट्टेबाजी से बचें। स्वास्थ्य के कारण परेशानियाँ शुरु हो जाएंगी। अपने परिवार के सदस्यों से सम्बन्धों में बिगाड़ होने की सम्भावना है। किसी परिचित की मृत्यु की खबर भी मिल सकती है।

11/03/2016-05/05/2016 में आप राहु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
राहु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 7 में है।

इस अवधि में आपके लाख चाहने के बावजूद भागीदारों और सहयोगियों से आपके सम्बन्ध मधुर नहीं रह पाएंगे। नित्य चर्चा में भी व्यवधान उपस्थित होंगे। पारिवारिक सदस्यों का बर्ताव अच्छा नहीं रहेगा। आपके मुकद्मेबाजी और कानूनी पचड़ों में फंसने की पूरी सम्भावना है। झूठी आशाओं पर निर्भर न रहे क्योंकि आपके मित्रगण जरूरी अवसर पर आपको नीचा दिखाऐंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, फूड-पाइजिनिंग का खतरा हो सकता है। जहाँ तक सम्भव हो, यात्राओं से बचें।

05/05/2016-22/06/2016 में आप गुरु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
गुरु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 6 में है।

थोड़े से लाभ के लिए आपको बहुत मेहनत करनी पड़ सकती है। नौकरी के हालात बत्तर होते जाएंगे। स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएँ परेशान करेंगी। परिवारजनों से सम्बन्ध भी इस अवधि में अच्छे नहीं रहेंगे। विरोधी प्रबल होंगे। व्यर्थ की यात्राओं से बचें। वैसे मुकद्मेबाजी और न्यायालयों के मामलों के लिए यह समय अच्छा है। जीवन शक्ति और स्फूर्ति में कमी महसूस होने के कारण झगड़े और झंझटों से दूर रहने का प्रयत्न करें।

22/06/2016-19/08/2016 में आप शनि वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
शनि वर्ष लग्न में भाव नम्बर 9 में है।

इस अवधि के दौरान आप खूब खुश रहेंगे। आपके प्रयास अच्छे परिणाम देना शुरु कर देंगे। सरकारी अफसरों वरिष्ठ लोगों एवं माता पिता से सम्बन्ध अति मधुर रहेंगे। एक लंबी यात्रा बहुत फायदेमंद रहेगी। आपके मित्र व सहयोगी आपकी पूरी सहायता करेंगे। आपका मन अध्यात्म और जीवन के उच्च दर्शन की ओर मुड़ जाएगा। नए व्यापार करने या नौकरी बदलने की पूरी सम्भावना है। विरोधी आपको कोई नुकसान नहीं पहुँचा पाएँगे। छोटी मोटी बीमारियाँ लगी रहेंगी।

19/08/2016-10/10/2016 में आप बुध वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
बुध वर्ष लग्न में भाव नम्बर 11 में है।

आपकी लंबी यात्रा करने की पूरी सम्भावना है। मित्र व सहयोगी सहायता करेंगे। अपने व्यवसाय या व्यापार को बढ़ाने चमकाने के कई मौके आएँगे। इच्छा और महत्वाकांक्षाओं की सम्पूर्ति होगी। भाई या घनिष्ठ मित्र के बारे में कोई शुभ समाचार प्राप्त करेंगे। इस अवधि में हर तरफ से खुशहाल रहने की सम्भावना है।

प्रणय सम्बन्धों के लिए भी यह समय अच्छा है। इस समय का सदुपयोग करें। इस दौरान आपके कई लोगों से मित्रतापूर्ण सम्बन्ध कायम होंगे।

10/10/2016-31/10/2016 में आप केतु वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
केतु वर्ष लग्न में भाव नम्बर 1 में है।

इस अवधि में व्यवहारिक रहने का प्रयत्न करें। वस्तुतः इस दौरान आपकी व्यर्थ के कामों में फसें रहने की चेष्टा रहेगी। इन सब बातों के कारण आप व्यर्थ में ही परेशान रहेंगे। अधिक आत्म-विश्वास आपको आपदग्रस्त कर सकता है। पैसा खोने का भी खतरा है। अपनी प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहे और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए परिवार के सहारे / मदद पर अधिक निर्भर न रहे। मित्र व हितैषी अपना वचन नहीं निभाएंगे। यात्रा से जितना बचें उतना अच्छा है। विरोधी प्रबल रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा इसलिए उसका ध्यान रखें।

31/10/2016-31/12/2016 में आप शुक्र वर्ष दशा के प्रभाव में रहेंगें।
शुक्र वर्ष लग्न में भाव नम्बर 9 में है।

उच्च पदस्थ लोगों से आप सम्मान प्राप्त करेंगे और उनके कृपा भाजन रहेंगे। माता पिता और गुरुजनो से सम्बन्ध अति मधुर रहेंगे। इस अवधि के दौरान आप सुदूर प्रदेशों की यात्रा करेंगे। पारिवारिक जीवन आपके लिए सुखद एवं अनुकूल रहेगा। आप के थोड़े प्रयत्न करने पर भी आपकी आमदनी बढ़ जाएगी। इस अवधि के दौरान विपरीत परिस्थितियों से सही तौर पर निपटने की आपकी क्षमता का विकास होगा। अगर आपकी पदोन्नति होने ही वाली है तो जैसी चाहेंगे वैसी ही होगी। आपका दिमाग धार्मिक क्रिया-कलापों एवं जीवन सम्बन्धी उच्च दर्शन की ओर आकर्षित रहेगा। हर लिहाज से यह समय अच्छा है।

नाम	Rakesh Khanna	दादा का नाम	
लिंग	पुरुष	पिता का नाम	
जन्म तिथि	01/01/2016	माता का नाम	
दिन वार	शुक्रवार	जाति	
जन्म समय	11:34:29 घन्टे	गोत्र	
(समय घटी में)	10:51:50 घटी		
जन्म स्थान	DELHI		
अक्षांश	028:39 उत्तर	विक्रमी संवत्	2072
रेखांश	077:13 पूर्व	शक संवत्	1937
समयक्षेत्र	.05.30 घन्टे	मास	पौष
समय संशोधन	00.00 घन्टे	पक्ष	कृष्ण
स्थानीय समय	11:13:21 घन्टे	चन्द्र तिथि	7
स्थानीय तिथि	01/01/2016	सूर्योदय कालीन तिथि	22
सूर्योदय	7: 13: 44 घन्टे	तिथि समाप्ति काल	21:39:31
सूर्यास्त	17: 37: 48 घन्टे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र	उ फाल्गुनी
दिनमान	10: 24: 3 घन्टे	नक्षत्र समाप्ति काल	20:27:20
विषुव काल	17: 54: 42 घन्टे	सूर्योदय कालीन योग	सौभाग्य
भयात	45:10:32 घटी	योग समाप्ति काल	14:28:16
भभोग	67:22:57 घटी	सूर्योदय कालीन करण	विष्टि
ऋतु	हेमन्त	करण समाप्ति काल	8:20:46

मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	--	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
चन्द्र	मित्र	--	सम	मित्र	सम	सम	सम	सम	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	--	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
बुध	मित्र	शत्रु	सम	--	सम	मित्र	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	--	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	--	मित्र	शत्रु	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	--	मित्र	सम
राहु	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	मित्र	--	मित्र
केतु	सम	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	सम	मित्र	--

ग्रह फल / राशि फल

ग्रह	वर्णन	ग्रह फल / राशि फल
सूर्य	धन का मालिक मगर वहमी	..
चन्द्र	बच्चो की माता खुद लक्ष्मी अवतार	..
मंगल	मौत का फंदा बलि की जगह	ग्रह
बुध	धनी जन्म से	..
गुरु	मुतखोर मगर साधु स्वभाव	..
शुक्र	मिट्टी काली आंधी - मंगल बद	..
शनि	कलम विधाता मकान मर्दा	राशि
राहु	लक्ष्मी का धुआँ निकालने वाला	राशि
केतु	हर समय बच्चा बनाने वाला	ग्रह

चन्द्र लग्न

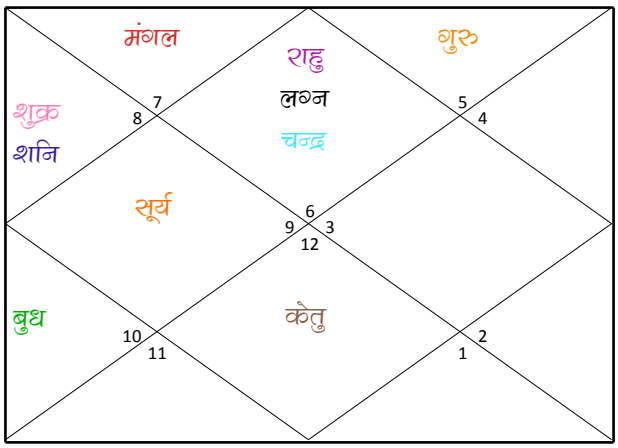

चन्द्र लग्न लाल किताब

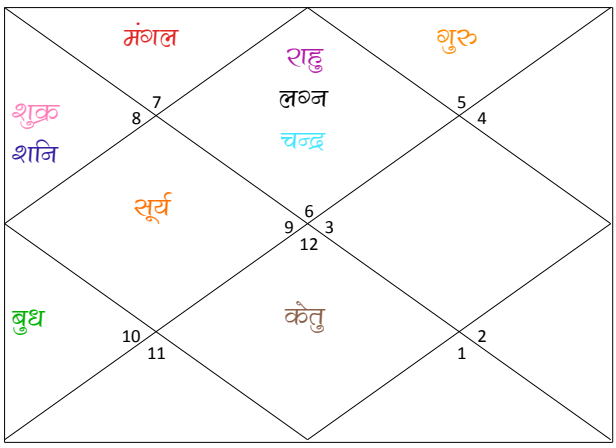

शनि 6 वर्ष

मंगल	01/01/2016 - 01/01/2018
गुरु	01/01/2018 - 01/01/2020
शुक्र	01/01/2020 - 01/01/2022

राहु 6 वर्ष

केतु	01/01/2022 - 01/01/2024
बुध	01/01/2024 - 01/01/2026
मंगल	01/01/2026 - 01/01/2028

केतु 3 वर्ष

शुक्र	01/01/2028 - 01/01/2029
मंगल	01/01/2029 - 01/01/2030
बुध	01/01/2030 - 01/01/2031

गुरु 6 वर्ष

बुध	01/01/2031 - 01/01/2033
सूर्य	01/01/2033 - 01/01/2035
शनि	01/01/2035 - 01/01/2037

सूर्य 2 वर्ष

शनि	01/01/2037 - 01/09/2037
राहु	01/09/2037 - 01/05/2038
केतु	01/05/2038 - 01/01/2039

चन्द्र 1 वर्ष

सूर्य	01/01/2039 - 01/05/2039
शनि	01/05/2039 - 01/09/2039
राहु	01/09/2039 - 01/01/2040

शुक्र 3 वर्ष

केतु	01/01/2040 - 01/01/2041
चन्द्र	01/01/2041 - 01/01/2042
गुरु	01/01/2042 - 01/01/2043

मंगल 6 वर्ष

केतु	01/01/2043 - 01/01/2045
शुक्र	01/01/2045 - 01/01/2047
चन्द्र	01/01/2047 - 01/01/2049

बुध 2 वर्ष

राहु	01/01/2049 - 01/09/2049
केतु	01/09/2049 - 01/05/2050
सूर्य	01/05/2050 - 01/01/2051

शनि 6 वर्ष

मंगल	01/01/2051 - 01/01/2053
गुरु	01/01/2053 - 01/01/2055
शुक्र	01/01/2055 - 01/01/2057

राहु 6 वर्ष

केतु	01/01/2057 - 01/01/2059
बुध	01/01/2059 - 01/01/2061
मंगल	01/01/2061 - 01/01/2063

केतु 3 वर्ष

शुक्र	01/01/2063 - 01/01/2064
मंगल	01/01/2064 - 01/01/2065
बुध	01/01/2065 - 01/01/2066

गुरु 6 वर्ष

बुध	01/01/2066 - 01/01/2068
सूर्य	01/01/2068 - 01/01/2070
शनि	01/01/2070 - 01/01/2072

सूर्य 2 वर्ष

शनि	01/01/2072 - 01/09/2072
राहु	01/09/2072 - 01/05/2073
केतु	01/05/2073 - 01/01/2074

चन्द्र 1 वर्ष

सूर्य	01/01/2074 - 01/05/2074
शनि	01/05/2074 - 01/09/2074
राहु	01/09/2074 - 01/01/2075

शुक्र 3 वर्ष

केतु	01/01/2075 - 01/01/2076
चन्द्र	01/01/2076 - 01/01/2077
गुरु	01/01/2077 - 01/01/2078

मंगल 6 वर्ष

केतु	01/01/2078 - 01/01/2080
शुक्र	01/01/2080 - 01/01/2082
चन्द्र	01/01/2082 - 01/01/2084

बुध 2 वर्ष

राहु	
केतु	01/01/2084 - 01/09/2084
सूर्य	01/09/2084 - 01/05/2085
	01/05/2085 - 01/01/2086

शनि 6 वर्ष

मंगल	01/01/2086 - 01/01/2088
गुरु	01/01/2088 - 01/01/2090
शुक्र	01/01/2090 - 01/01/2092

राहु 6 वर्ष

केतु	01/01/2092 - 01/01/2094
बुध	01/01/2094 - 01/01/2096
मंगल	01/01/2096 - 01/01/2098

केतु 3 वर्ष

शुक्र	01/01/2098 - 01/01/2099
मंगल	01/01/2099 - 01/01/2100
बुध	01/01/2100 - 01/01/2101

गुरु 6 वर्ष

बुध	01/01/2101 - 01/01/2103
सूर्य	01/01/2103 - 01/01/2105
शनि	01/01/2105 - 01/01/2107

सूर्य 2 वर्ष

शनि	01/01/2107 - 01/09/2107
राहु	01/09/2107 - 01/05/2108
केतु	01/05/2108 - 01/01/2109

चन्द्र 1 वर्ष

सूर्य	01/01/2109 - 01/05/2109
शनि	01/05/2109 - 01/09/2109
राहु	01/09/2109 - 01/01/2110

शुक्र 3 वर्ष

केतु	01/01/2110 - 01/01/2111
चन्द्र	01/01/2111 - 01/01/2112
गुरु	01/01/2112 - 01/01/2113

मंगल 6 वर्ष

केतु	01/01/2113 - 01/01/2115
शुक्र	01/01/2115 - 01/01/2117
चन्द्र	01/01/2117 - 01/01/2119

बुध 2 वर्ष

राहु	01/01/2119 - 01/09/2119
केतु	01/09/2119 - 01/05/2120
सूर्य	01/05/2120 - 01/01/2121

शनि 6 वर्ष

मंगल	01/01/2121 - 01/01/2123
गुरु	01/01/2123 - 01/01/2125
शुक्र	01/01/2125 - 01/01/2127

राहु 6 वर्ष

केतु	01/01/2127 - 01/01/2129
बुध	01/01/2129 - 01/01/2131
मंगल	01/01/2131 - 01/01/2133

केतु 3 वर्ष

शुक्र	01/01/2133 - 01/01/2134
मंगल	01/01/2134 - 01/01/2135
बुध	01/01/2135 - 01/01/2136

गुरु 6 वर्ष

बुध	01/01/2136 - 01/01/2138
सूर्य	01/01/2138 - 01/01/2140
शनि	01/01/2140 - 01/01/2142

सूर्य 2 वर्ष

शनि	01/01/2142 - 01/09/2142
राहु	01/09/2142 - 01/05/2143
केतु	01/05/2143 - 01/01/2144

चन्द्र 1 वर्ष

सूर्य	01/01/2144 - 01/05/2144
शनि	01/05/2144 - 01/09/2144
राहु	01/09/2144 - 01/01/2145

शुक्र 3 वर्ष

केतु	01/01/2145 - 01/01/2146
चन्द्र	01/01/2146 - 01/01/2147
गुरु	01/01/2147 - 01/01/2148

मंगल 6 वर्ष

केतु	01/01/2148 - 01/01/2150
शुक्र	01/01/2150 - 01/01/2152
चन्द्र	01/01/2152 - 01/01/2154

बुध 2 वर्ष

राहु	01/01/2154 - 01/09/2154
केतु	01/09/2154 - 01/05/2155
सूर्य	01/05/2155 - 01/01/2156

धर्मी टेवा

लाल किताब में कुछ कुन्डली धर्मी टेवा से प्रभावित होती है। लाल किताब के अनुसार राहु, केतु एवं शनि अशुभ ग्रह माने जाते है। मंगल का प्रभाव यदि अशुभ हो तो यह ग्रह भी अशुभ माना जाता है। धर्मी टेवा में अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है।
यदि टेवा में बृहस्पति, शनि के साथ किसी भी घर में स्थित हो या फिर शनि 11वें घर में हो, तो वह धर्मी टेवा कहलाता है। यदि बृहस्पति के साथ शनि हो तो वह कई कष्टों का निवारक होता है एवं जीवन को नियंत्रित कर देता है। खास तौर पर 6ठे, 9वें, 11वें या फिर 12वें घरों में बृहस्पति-शनि का सेंयोग बहुत फलदायक होता है। यदि किसी टेवा में राहु या केतु में से कोई ग्रह 4थे घर में स्थित हो तो भी वह धर्मी टेवा कहलाता है। टेवा में चंद्र का सेंयोग राहु या फिर केतु के साथ किसी भी घर में हाने पर भी वह धर्मी टेवा हो जाता है।
धर्मी टेवा वाले जातक को परेशानियों के समय ईश्वर की सहायता एवं कृपा प्राप्त हाती है। शनि जो कि भाग्य एवं मुश्किलों का कारक होता है, बृहस्पति के सेंयोग से जातक के जीवन में शुभ फल प्रदान करता है। वैसे ही राहु अथवा केतु जो कि अशुभ ग्रह माने जाते है, यदि 4थे घर में स्थित हो या फिर चंद्र के साथ किसी भी घर में हो, तो वह जातक को कोई हानि नहीं पहुंचाते। धर्मी टेवा में अशुभ ग्रहों कि अशुभता तथा सारी समस्याओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में धर्मी टेवा हैं।

रतांध ग्रह / अर्द्ध-अंधे ग्रह

लाल किताब के अनुसार कुछ कुन्डली में ग्रहों की स्तिथी अनुकूल होने पर भी वह शुभ फल प्रदान नहीं करते। इस प्रकार का टेवा व्यावसायिक जीवन, मन की शांति एवं ग्रहस्थ जीवन के लिए अशुभ सिद्ध होते है। इस प्रकार के टेवे (रतांध ग्रह) उस इन्सान कि तरह होते है जो दिन में देख सकते है परंतु रात्रि में अंधे हो जाते हैं।
यदि टेवा में 4थे घर में सूर्य और 7वें घर में शनि स्थित हो तो वह अर्द्ध-अंधा टेवा कहलाता है। एसी स्थिती में शनि अपनी दसवीं पूर्ण दृष्टि से सूर्य को प्रभावित करता है। शनि की दृष्टि सूर्य पर पड़ने से सूर्य के शुभता, अशुभता में बदल जाती है क्यों कि शनि, 7वें घर में होने से बहुत शक्तिशाली हो जाता है। शनि कि

स्थिती से नवम, प्रथम तथा चतुर्थ भाव (जो कि भाग्य, स्वास्थ्य तथा सुख के स्थान है) भी प्रभावित होते हैं और उनके शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाते है।
अतः एसी स्थिती में सूर्य के उपायों कि कोई मान्यता नहीं है। शनि के अशुभ फलों को नष्ट करने के लिए, जातक को मात्र शनि के उपायों का ही पालन करना चाहिए।

निष्कर्ष
आपकी पत्री में रतांध ग्रह / अर्द्ध-अंधे ग्रह से प्रभावित नहीं हैं।

अंधा ग्रह

कुन्डली में दशम भाव का बहुत महत्व होता है क्यों कि यह भाव कर्म से सम्बन्धित होता है। शारीरिक तौर पर यह भाव हड्डीयाँ, पीठ तथा घुटनो के जोड़ से सम्बन्धित है। इस भाव से ओहदा, कीर्ति, उद्योग, व्यापार, बड़ी पदवी की प्राप्ति, अधिकार, नौकरी, राज्य, सत्ता, ऐश्वर्य-भोग एवं प्रतिष्ठा का विचार किया जाता है। इस से सम्बन्धित रोग एंव विकार चर्म रोग तथा घुटनो का दर्द है। यदि टेवा में, 10वें घर में कोई भी ग्रह न हो अर्थात खाली हो या फिर 10वें घर में शत्रु ग्रह स्थित हो तो वह अंधा टेवा कहलाता है।
उदाहरण के तौर पर चंद्र-केतु, शनि-सूर्य, सूर्य-राहु आदि शत्रु ग्रह हैं। इस तरह के ग्रह 10वें भाव में होने से, अपना प्रभाव दूसरे ग्रहों कि शुभता पर डालते है और वह अशुभ फल में परिणत हो जाते हैं।

निष्कर्ष
आपकी पत्री में अंधा ग्रह से प्रभावित नहीं हैं।

नाबालिग ग्रहों से प्रभावित हैं।

लाल किताब के अनुसार चंद कुन्डली कुछ हालतो में बारह साल की उम्र तक नाबालिक टेवे होते है। इस तरह कि कुन्डली वाले जातक की किस्मत 12 साल तक शक्की होती है। एसे बालक के जीवन पर 12 साल तक, कुन्डली का नहीं बलकि उसके पिछले जन्म के भाग्य के असर का प्रभाव रहता है। इस तरह कि कुन्डली के ग्रहों का प्रभाव उस नाबालिक के समान होता है, जो अपने परिवार के बड़ों पर निर्भर हैं और अपने बल पर ज्यादा कुछ हासिल नहीं कर सकता। वैसे ही नाबालिग टेवा में ग्रहों की स्तिथी अनुकूल होने

पर भी वह अपना पूर्ण शुभ फल प्रदान नहीं कर पाते।
यदि टेवा में प्रथम, चतुर्थ, सप्तम और दशम भाव (केंद्र स्थान) में कोई भी ग्रह न हो अर्थात खाली हो अथवा उनमें सिर्फ पापी ग्रह (शनि, राहु या केतु) हो, या फिर इनमें से किसी स्थानो में अकेला बुध स्थित हो, तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा कहलाता है। लाल किताब के अनुसार, नाबालिक टेवा वाले जातक के जीवन पर हरेक ग्रह का प्रभाव, प्रत्येक वर्ष, 12 साल की आयु तक निम्नलिखित अनुसार पड़ता है।
जातक को अपने जीवन पर इन ग्रहों से पड़ने वाले अशुभ फलों को शुभ फल में परिणत करने के लिए प्रत्येक वर्ष, उन ग्रहों का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में नाबालिग ग्रहों से प्रभावित नहीं हैं।

जातक की आयु	प्रभाव डालने वाला घर
1	सांतवें घर के ग्रह
2	चौथे घर के ग्रह
3	नौवें घर के ग्रह
4	दसवें घर के ग्रह
5	ग्यारहवें घर के ग्रह
6	तीसरे घर के ग्रह
7	दूसरे घर के ग्रह
8	पांचवें घर के ग्रह
9	छठे घर के ग्रह
10	बारहवें घर के ग्रह
11	पहले घर के ग्रह
12	आठवें घर के ग्रह

कुन्डली में कुछ ग्रहों की स्तिथी अनुकूल न होने के कारण जातक अपने जीवन में कई प्रकार से ऋणी हो जाता है। इस स्तिथी में जातक के विकास पर भी असर होता है क्यों कि उन दुषित ग्रहों के प्रभाव से शुभ ग्रह भी अपना अनुकूल फल देना बंद कर देते है। इसलिए इस तरह कि कुन्डली वाले जातको को चाहिए कि वह इन ऋण भार से अपने आप को मुक्त करें ताकि ग्रहों के शुभ फल पा सके एवं अपना शेष जीवन सुख पूर्वक व्यतीत कर सके। नीचे ऋणो के कई प्रकार एवं उनके लक्षण दिए गए हैं जिससे जातक के जीवन पर असर पड़ सकता है। साथ में एसी स्थिती के हाने पर उनके उपाय भी दिए गए हैं।

पितृ ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में शुक्र, बुध या फिर राहु, इनमें से कोई भी ग्रह दूसरे, पांचवे, नौंवे या बारहवें खाने में स्थित हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

पाप का कारणः- घर के पास बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना या फिर खानदान के कुल पुरोहित को बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना।

उपाय

1. कुल खानदान के हरेक सदस्य जहाँ तक खून का सम्बंध है (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन-बेटी, बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर का हिस्सा लेकर के उसी दिन मंदिर में दान कर देना।
2. पीपल के पेड़ पर 43 दिन लगातार जल चडाए।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में पितृ ऋण का दोष हैं। ऋण मुक्ति के लिए कृप्या ऊपर दिए उपाय का पालन करें।

स्वदोष ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में शुक्र, शनि, राहु या फिर केतु पांचवे खाने में स्थित हो तो जातक पर स्वदोष ऋण होता है।

पाप का कारणः- कुल के पुराने रस्मों-रिवाजों का पालन न करना या नास्तिक होना।

उपाय

1. कुल खानदान के हरेक सदस्य जहाँ तक खून का प्रभाव हो सबका बराबर का हिस्सा लेकर के सूर्य या विश्नू यज्ञ करना या हवन करना।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में स्वदोष ऋण का दोष नहीं हैं।

मातृ ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में केतु चौथे खाने में स्थित हो तो जातक पर मातृ ऋण होता है।

पाप का कारणः- अपनी संतान पैदा होने के बाद माता को दरबदर जुदा करना, दुर्व्यवहार करना या दुःखी करना या उनका खुद ही दुःखी हो जाने पर लापरवाही करना, उनके सुख-दुःख का ख्याल नही खरना।

उपाय

1. चाँदी का सिक्का लेकर उसे दरिया या बहते पानी में बहाया जाए।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में मातृ ऋण का दोष नहीं हैं।

भ्रातृ/पारिवारिक ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में बुध अथवा शुक्र प्रथम अथवा अष्टम खाने में स्थित हो तो जातक पर भ्रातृ/पारिवारिक ऋण होता है।

पाप का कारणः- किसी के पके हुए खेत को आग लगा देना या किसी का मकान बनने पर आग लगा देना। भाईयों या रिश्तेदारों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन एवं पारिवारिक त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

उपाय

1. किसी खैराती संस्था को दवाईयाँ दान करें।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में भ्रातृ/पारिवारिक ऋण का दोष हैं। ऋण मुक्ति के लिए कृप्या ऊपर दिए उपाय का पालन करें।

स्त्री ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में सूर्य, चंद्र या फिर राहु इनमें से कोई भी ग्रह दूसरे अथवा सातवें खाने में स्थित हो तो जातक पर स्त्री ऋण होता है।

पाप का कारणः- अपनी पत्नी या कुल की किसी स्त्री का किसी लालच या सम्बंध के कारण मार देना या किसी स्त्री को बच्चे जनने की हालत में किसी लालच के कारण जान से मार देना।

उपाय

1. 100 गायों को एक ही दिन में चारा खिलाएँ।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में स्त्री ऋण का दोष हैं। ऋण मुक्ति के लिए कृप्या ऊपर दिए उपाय का पालन करें।

कन्या/बहन ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में चंद्र तीसरे अथवा छठे खाने में स्थित हो तो

जातक पर कन्या/बहन का ऋण होता है।

पाप का कारणः- किसी की लड़की या बहन की हत्या करना या हद से ज्यादा जुल्म करना। बहन का ख्याल न रखना या किसी लड़की को धोखा देना।

उपाय

1. पीले रंग की कौड़ियां खरीद कर एक जगह इकट्ठी करके जलाकर राख कर उसी दिन दरिया या बहते पानी में बहा दे।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में कन्या/बहन ऋण का दोष नहीं हैं।

क्रूर/जालिमाना ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में सूर्य, चंद्र या फिर मंगल, इनमें से कोई भी ग्रह दशम अथवा ग्यारहवें खाने में स्थित हो तो जातक पर क्रूर/जालिमाना ऋण होता है।

पाप का कारणः- किसी का मकान अथवा जमीन धोखेसे ले लेना, उसकी कीमत किसी तरह भी अदा न करना।

उपाय

1. 100 मजदूरों को अथवा अलग-अलग जगह की 100 मछलियों को एक ही दिन में खाना खिलाएँ।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में क्रूर/जालिमाना ऋण का दोष हैं। ऋण मुक्ति के लिए कृप्या ऊपर दिए उपाय का पालन करें।

अजन्म/पैदा न हुए का ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में सूर्य, शुक्र अथवा मंगल, इनमें से कोई भी ग्रह बारहवें खाने में स्थित हो तो जातक पर आजन्मकृत ऋण होता है।

पाप का कारणः- ससुराल से धोखा या आपसी रिश्तेदारी में धोखा फरेब की घटनाएँ, ऐसे ढंग से कि दूसरों का कुल ही तबाह हो गया हो।

उपाय

1. एक नारियल लेकर उसी दिन दरिया या बहते पानी में बहा दे।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में अजन्म/पैदा न हुए का ऋण का दोष नहीं हैं।

प्रकृती ऋण

लक्षण :- लाल किताब के अनुसार यदि जातक की कुन्डली में चंद्र या फिर मंगल छठे खाने में स्थित हो तो जातक पर प्रकृती/कुदरती ऋण होता है।

पाप का कारणः- कुत्तों को मारना या मरवाना, बदचलनी या अपने भतीजे से धोखा करना, ऐसे ढंग से कि हद से अधिक तबाही हो जाए।

उपाय

1. 100 कुत्तों को एक ही दिन में खाना खिलाएँ।
2. किसी विदवाह की सेवा करके उसका आशीर्वाद प्राप्त करें।

निष्कर्ष

आपकी पत्री में प्रकृती ऋण का दोष नहीं हैं।

सूर्य ग्रह का प्रभाव

इस घर में अकेला बैठा सूर्य विरासत, पिता का सुख, आँखों की रोशनी तथा लोहे की चीजों पर बुरा असर दिया करता है। ससुराल में रहना या बिजली से सम्बन्धित कार्य करना आपके लिए अनुचित है क्योंकि यह शनि का घर है इसलिए नीले और काले कपड़े शरीर पर धारण करना मंदा असर देगा। यथा सम्भव भूरी भैंस को चारा इत्यादि खिलाकर सेवा करें, ।

उपाय

1. सिर पर हमेशा सफेद टोपी पहनें।
2. अपनी परेशानियों को दूसरों को न बताएं।
3. बहते हुए पानी में ताँबे का पैसा बहाएं।

चन्द्र ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली में चंद्रमा सातवें घर में होने से आपको अच्छा जीवन-साथी मिलेगा। नेता, वकील या व्यापार आदि के द्वारा आपका जीवन यापन हो सकता है। खेती योग्य जमीन एवं युवाकाल में पढ़ाई-लिखाई का योग है। आप सुख समृद्ध होंगे परंतु विवाह के पश्चात् माता के स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें। विवाह योग एवं संतान योग चौबीसवें वर्ष में बन सकता है। आप अपने परिश्रम से मिट्टी को भी सोना बना सकते हैं। जीवन में धार्मिकता से लाभ प्राप्त होगा तथा अपने देश से दूसरे देश की यात्रा पर जाने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

उपाय

1. जल और दूध को न बेंचे।
2. अच्छे आचरण को अपनाएं।
3. विवाह सोचसमझकर करें तथा हो सके तो जल्दबाजी में विवाह के सम्बन्ध में कोई निर्णय न लें।

मंगल ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली के आठवें घर में मंगल होने से भाईयों के लिए अच्छा नहीं है। आपके घर का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा की ओर मंदे भाग्य की निशानी है। आपके साथ आकस्मिक दुर्घटनाएँ हो सकती हैं अतः सावधान रहे। विधवा स्त्री का आर्शीवाद लें तथा भाईयों से सावधान रहे। शत्रुओं का मुकाबला करने के लिए आप तत्पर रहते हैं जिससे आप पर आक्रमण हो सकता है इसलिए शत्रुओं एवं हथियारों से सावधान रहे।

उपाय

1. कुत्तों को रोटी खिलाऐं।
2. त्रि-धातु की अंगूठी (सोना, चांदी तथा तांबा) धारण करें।
3. गुड़ की रेवड़ियां बहते पानी में बहाएँ।
4. विधवाओं को मिठाई दें एवं पैर छू कर उनका आशीर्वाद लें।

बुध ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली के ग्यारहवें भाव में बुध होने से पैरों तथा कान के रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। आप अपनी बुद्धि का प्रयोग करके लाभ प्राप्त करेंगे। आपको व्यवसाय से लाभ होगा। आपकी संतानों का विवाह अच्छे घर में होगा। 34 वर्ष की आयु तक आपको कष्ट रहेंगे उसके बाद आपका भाग्योदय होगा। आपकी आयु के ग्यारह, तेईस, छत्तीस, अड़तालीस तथा छप्पन साल स्मरणीय होंगे।

उपाय

1. गले में तांबे का पैसा धारण करना धन हानि से बचाव करेगा।
2. 34 वर्ष की आयु के बाद हीरा धारण करने से आसातीत लाभ होगा।
3. किसी साधु एवं फकीर से यंत्र, ताबीज न लें।

गुरु ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली के छठे भाव में बृहस्पति होने से आपके पिताजी एवं लड़का-लड़की के लिए अधिक अच्छा नहीं है। गृहस्थ जीवन में रहने पर भी आप संत स्वभाव के हैं जिससे आप घर परिवार की अधिक

चिन्ता नहीं रखेंगे । आपका मामा पक्ष समृद्ध होगा। आपके जीवन में सब कुछ होने पर भी आपको उसका कम ही लाभ होगा । अपनी धर्मपत्नी का आदर करना आपके लिए भाग्य वर्द्धक रहेगा। धार्मिक कृत्यों को करने में अधिक रुचि लें, आपके शत्रु बहुत कम होंगे तथा शत्रुओं से आपको हानि आदि कम होगी एवं शत्रुता होने पर आप विजयी रहेंगे।

उपाय

1. देवालय में ब्राह्मणों को कपड़े दान करें।
2. स्वर्ण (सोना) धारण करें।
3. कौओं को रोटी दें तथा पीपल के वृक्ष में पानी देते रहें।
4. पत्नी का मान-सम्मान करें।

शुक्र ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म पत्रिका के नवें भाव में शुक्र होने से 24 वर्ष के बाद आपका भाग्य चमकेगा। तीर्थ यात्रा करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। विवाह के बाद आपको धन यश तथा व्यवसाय से अच्छा लाभ मिलेगा। आप धर्म-कर्म के कार्यों में रुचि रखेंगे जिससे आपके भाग्य में वृद्धि होगी। किसी भी तरह का नशा करना आपकी तबाही का कारण बन सकता है । शुक्र का मंदा फल होने पर आप स्वास्थ्य और धन-दौलत के सम्बन्ध में परेशान हो सकते हैं।

उपाय

1. भूरी या काली गाय की सेवा करें।
2. शुक्र ग्रह की चीजें घर में रखें, लाभ होगा।
3. नीम के वृक्ष के नीचे चांदी दबाएं।

शनि ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म कुण्डली के नौवें भाव में शनि होने से आप दूसरों के मददगार होंगे तथा आप इससे अच्छा यश, लाभ प्राप्त करेंगे। आपको भवन सम्बन्धी कार्यों तथा लंबी चलती-फिरती यात्राओं से लाभ होगा। आप

भाग्यवान् होंगे तथा आपकी धर्म पत्नी भी अच्छे घराने से होगी। संतान की प्राप्ति में कुछ देरी हो सकती है। माता-पिता की ओर से सुख लाभ रहेगा। तीर्थ यात्राओं पर अवश्य जाएंगी और धर्म-कर्म में आपकी प्रवृत्ति होगी।

उपाय

1. दूसरों की भलाई करते रहें।
2. धार्मिक जीवन यापन करें।
3. अपने मकान की छत्त के ऊपर लकड़ी व घास-फूस न रखें।

राहु ग्रह का प्रभाव

सातवें खाने में राहु होने से आपको धन सम्बन्धी चिन्ता तथा जीवन-साथी के सुख में कमी हो सकती है। आपका सरकारी कार्यों से सम्बन्ध होगा। आपको साझेदारी के व्यापार तथा विद्युत उपकरणों के व्यापार कार्य से नुकसान होने की सम्भावना रहेगी। पत्नी का स्वास्थ्य खराब रहेगा। आपके गृहस्थ जीवन में पति-पत्नी के मध्य मतभेद हो सकते हैं। राजपक्ष आपके अनुकूल रहेगा। जीवन में अपयश अपमान होने की सम्भावना बनती है। लड़के के होने में देरी हो सकती है। बाहरी देशों की यात्रा के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। पारिवारिक रूप से आप अधिक संतुष्ट नहीं रह पाएंगी। सरकारी नौकरी आदि में उन्नति होती रहेगी।

उपाय

1. नारियल अथवा बादाम शनिवार को बहते पानी में प्रवाह करें।
2. स्त्री के कष्ट के समय चांदी की ईंट घर में रखना शुभ रहेगा।
3. राहु की वस्तुओं का दान करते रहें।

केतु ग्रह का प्रभाव

आपकी जन्म पत्रिका में केतु प्रथम भाव में होने से आप ऐश्वर्यशाली एवं पराक्रमी व्यक्ति हैं। आपको संतति की प्राप्ति में कुछ विलम्ब हो सकता है। आपके पिता के साथ आपके अच्छे सम्बन्ध रहेंगे। केतु ग्रह की

लग्न में स्थिति होने से आपको मानसिक तनाव तथा चिंताएँ रहेंगी एवं गृहस्थ जीवन में भी आपको कम ही शांति मिलेगी । आपके मन में व्यर्थ की आशंका तथा भय व्याप्त रहेगा। आपको रक्त विकार सम्बन्धी बीमारियाँ होने की सम्भावना हो सकती हैं। राजयोग आपके अनुकूल रहेगा तथा सरकारी कार्यों के द्वारा लाभ प्राप्त होगा।

उपाय

1. मानसिक चिन्ताओं से बचने के लिए धर्म-कर्म में रुचि रखें।
2. बकरी को चारा खिलाएं एवं कम्बलदान करें।
3. मस्तक पर केशर का तिलक लगाएं।

वर्ष 2016 - 2017 लाल किताब वर्ष कुण्डली

जन्म लग्न

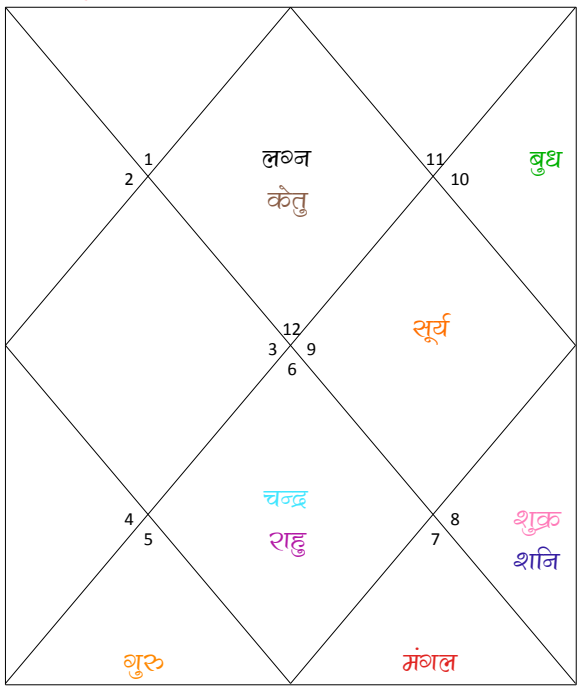

लाल किताब कुण्डली

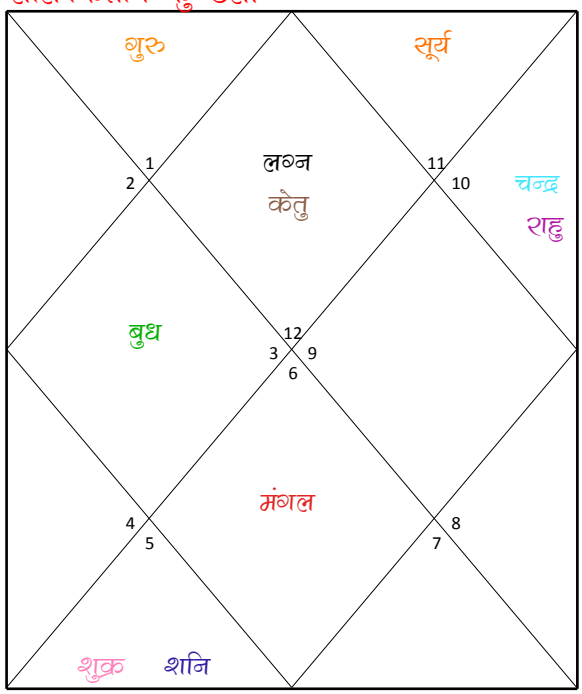

लाल किताब उपाय

ग्रह	उपाय
सूर्य	घरेलु यंत्रों की मरम्मत स्वयं न करें। किसी मकैनिक को रोजगार देने से आपकी किस्मत चमकेगी।
चन्द्र	शुक्रवार के दिन खुशियों में शरीक न हों। 11 किलो दूध भैरो अथवा शनि मंदिर में दान करें।
मंगल	बहन, बेटी और साली को कभी -कभी मिठाई दें।
बुध	घर में तोता, भेड़ न रखें। घर में हरे पौधे रखना अशुभ फल देगा।
गुरु	माथे पर हल्दी अथवा केसर का तिलक लगाएँ। यदि आपके घर / दफ्तर के पास गड्ढे हैं तो उन्हे फौरन भरवा।
शुक्र	नहाने के पानी में कुछ दही मिलाकर स्नान करें।
शनि	बदकिस्मती व बेवजह की दुश्मनी से बचने के लिए इस साल चमड़े का नया जूता या लोहे द्वारा निर्मित नयी वस्तुएँ खरीदें।
राहु	भाग्य आकर्षण के लिए चाँदी के गिलास में ही पानी पियें। घर में हथियार न रखें।
केतु	गली के कोने वाले घर में न रहें।

नाम	Rakesh Khanna	अक्षांश	028:39:N	नक्षत्र	उ फाल्गुनी-3
जन्म तिथि	01/01/2016 शुक्रवार	रेखांश	077:13:E	योग	सौभाग्य
जन्म समय	11:34:29	विषुव काल	17: 54: 42	चन्द्र तिथि	7
जन्म स्थान	DELHI	सूर्योदय	7: 13: 44	अयनांश	24:4:50
भोग्य दशा	सूर्य 1व 11मा 20दि	सूर्यास्त	17: 37: 48	नामाक्षर	पा

जन्म लग्न

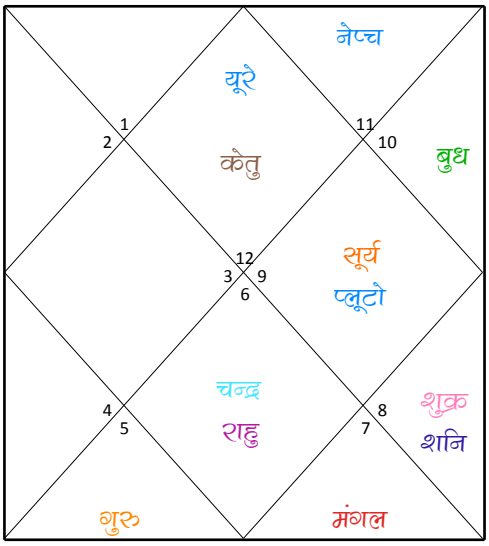

चलित

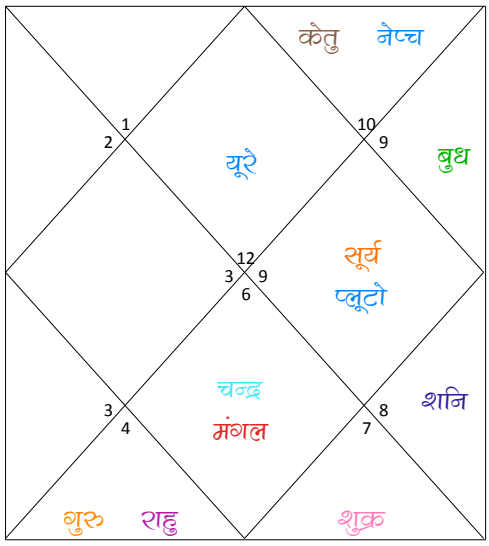

विंशोत्तरी दशा

सूर्य	21/12/2011 - 21/12/2017
चन्द्र	21/12/2017 - 21/12/2027
मंगल	21/12/2027 - 21/12/2034
राहु	21/12/2034 - 21/12/2052
गुरु	21/12/2052 - 21/12/2068
शनि	21/12/2068 - 21/12/2087
बुध	21/12/2087 - 21/12/2104
केतु	21/12/2104 - 21/12/2111
शुक्र	21/12/2111 - 21/12/2131

अन्तरदशा

सूर्य बुध	09/10/15-15/08/16
सूर्य केतु	15/08/16-20/12/16
सूर्य शुक्र	20/12/16-21/12/17
चन्द्र चन्द्र	21/12/17-21/10/18
चन्द्र मंगल	21/10/18-22/05/19
चन्द्र राहु	22/05/19-20/11/20
चन्द्र गुरु	20/11/20-22/03/22
चन्द्र शनि	22/03/22-21/10/23
चन्द्र बुध	21/10/23-22/03/25

(प्रत्यंतर)

सू बु श	26/06/16-15/08/16
सू के के	15/08/16-22/08/16
सू के शु	22/08/16-12/09/16
सू के सू	12/09/16-19/09/16
सू के च	19/09/16-29/09/16
सू के मं	29/09/16-07/10/16
सू के रा	07/10/16-26/10/16
सू के गु	26/10/16-12/11/16
सू के श	12/11/16-02/12/16
सू के बु	02/12/16-20/12/16
सू शु शु	20/12/16-19/02/17
सू शु सू	19/02/17-10/03/17
सू शु च	10/03/17-09/04/17
सू शु मं	09/04/17-30/04/17
सू शु रा	30/04/17-24/06/17
सू शु गु	24/06/17-12/08/17
सू शु श	12/08/17-09/10/17
सू शु बु	09/10/17-30/11/17
सू शु के	30/11/17-21/12/17
च च चं	21/12/17-15/01/18
चं चं मं	15/01/18-02/02/18
चं चं रा	02/02/18-20/03/18
चं चं गु	20/03/18-29/04/18
चं चं श	29/04/18-16/06/18

Nadi Co_Ordinates

ग्रह	केतु	1,6,7,10,11,12	चन्द्र	6,7	गुरु	1,6,10,11
नक्षत्र स्वामी	गुरु	1,6,10,11	सूर्य	10	सूर्य	10
उपस्वामी	मंगल	2,7,9	बुध	4,5,7,11	मंगल	2,7,9
ग्रह	शुक्र	3,8	मंगल	2,7,9	शनि	9,12
नक्षत्र स्वामी	शनि	9,12	मंगल	2,7,9	बुध	4,5,7,11
उपस्वामी	शुक्र	3,8	शुक्र	3,8	बुध	4,5,7,11
ग्रह	सूर्य	10	राहु	4,5,6,7,11	बुध	4,5,7,11
नक्षत्र स्वामी	शुक्र	3,8	सूर्य	10	सूर्य	10
उपस्वामी	सूर्य	10	राहु	4,5,6,7,11	बुध	4,5,7,11
ग्रह	यूरे	1,11	नेप्च	1,12	प्लूटो	9,10
नक्षत्र स्वामी	बुध	4,5,7,11	राहु	4,5,6,7,11	शुक्र	3,8
उपस्वामी	चन्द्र	6,7	बुध	4,5,7,11	गुरु	1,6,10,11

Pla	Sgn	Deg	Lrd	N.L.	S.L.	SSL
सूर्य	धनु	16:09'35''	गुरु	शुक्र	सूर्य	शुक्र
चन्द्र	कन्या	05:37'24''	बुध	सूर्य	बुध	शुक्र
मंगल	तुला	04:37'00''	शुक्र	मंगल	शुक्र	बुध
बुध	मकर	05:22'55''	शनि	सूर्य	बुध	केतु
गुरु	सिंह	29:04'48''	सूर्य	सूर्य	मंगल	शुक्र
शुक्र	वृश्चिक	08:17'05''	मंगल	शनि	शुक्र	शुक्र
शनि	वृश्चिक	17:05'23''	मंगल	बुध	बुध	शुक्र
राहु	कन्या	00:47'59''	बुध	सूर्य	राहु	शुक्र
केतु	मीन	00:47'59''	गुरु	गुरु	मंगल	गुरु
यूरे	मीन	22:29'37''	गुरु	बुध	चन्द्र	राहु
नेप्च	कुम्भ	13:28'16''	शनि	राहु	बुध	चन्द्र
प्लूटो	धनु	20:58'36''	गुरु	शुक्र	गुरु	केतु

HNo	Sgn	Deg	Lrd	N.L.	S.L.	SSL
1	मीन	4:1'53''	गुरु	शनि	शनि	केतु
2	मेष	11:56'43''	मंगल	केतु	बुध	शुक्र
3	वृष	10:36'20''	शुक्र	चन्द्र	चन्द्र	शनि
4	मिथुन	4:42'23''	बुध	मंगल	शुक्र	बुध
5	मिथुन	28:38'24''	बुध	गुरु	शुक्र	बुध
6	कर्क	26:46'31''	चन्द्र	बुध	गुरु	बुध
7	कन्या	4:1'53''	बुध	सूर्य	शनि	शुक्र
8	तुला	11:56'43''	शुक्र	राहु	शनि	मंगल
9	वृश्चिक	10:36'20''	मंगल	शनि	सूर्य	गुरु
10	धनु	4:42'23''	गुरु	केतु	चन्द्र	शुक्र
11	धनु	28:38'24''	गुरु	सूर्य	मंगल	गुरु
12	मकर	26:46'31''	शनि	मंगल	गुरु	बुध

ॐ श्री गणेशाय नमः

नाम	Rakesh Khanna
लिंग	पुरुष
जन्म तिथि	01/01/2016
दिन वार	शुक्रवार
जन्म समय	11:34:29
विषुव काल	17: 54: 42
भोग्य दशा	सूर्य 1व 11मा 20दि
लग्न	मीन
राशि	कन्या
नक्षत्र	उ फाल्गुनी

जन्म स्थान	DELHI
अक्षांश	028:39.m
रेखांश	077:13.i
स्थानीय समय	11:13:21
स्थानीय तिथि	01/01/2016
चन्द्र तिथि	7
चित्रपक्षीय अयनांश	24:4:50
लग्नेश	गुरु
राशीश	बुध
नक्षत्र स्वामी	सूर्य

भाव	राशि	अंश	स्वामी	नक्षत्र स्वामी	उपस्वामी	
1	मीन	4:1'53''	गुरु	शनि	शनि	केतु
2	मेष	11:56'43''	मंगल	केतु	बुध	शुक्र
3	वृष	10:36'20''	शुक्र	चन्द्र	चन्द्र	शनि
4	मिथुन	4:42'23''	बुध	मंगल	शुक्र	बुध
5	मिथुन	28:38'24''	बुध	गुरु	शुक्र	बुध
6	कर्क	26:46'31''	चन्द्र	बुध	गुरु	बुध
7	कन्या	4:1'53''	बुध	सूर्य	शनि	शुक्र
8	तुला	11:56'43''	शुक्र	राहु	शनि	मंगल
9	वृश्चिक	10:36'20''	मंगल	शनि	सूर्य	गुरु
10	धनु	4:42'23''	गुरु	केतु	चन्द्र	शुक्र
11	धनु	28:38'24''	गुरु	सूर्य	मंगल	गुरु
12	मकर	26:46'31''	शनि	मंगल	गुरु	बुध

ग्रहादि अंश

ग्रह	राशि	अंश	स्वामी	नक्षत्र स्वामी	उपस्वामी	
सूर्य	धनु	16:09'35''	गुरु	शुक्र	सूर्य	शुक्र
चन्द्र	कन्या	05:37'24''	बुध	सूर्य	बुध	शुक्र
मंगल	तुला	04:37'00''	शुक्र	मंगल	शुक्र	बुध
बुध	मकर	05:22'55''	शनि	सूर्य	बुध	केतु
गुरु	सिंह	29:04'48''	सूर्य	सूर्य	मंगल	शुक्र
शुक्र	वृश्चिक	08:17'05''	मंगल	शनि	शुक्र	शुक्र
शनि	वृश्चिक	17:05'23''	मंगल	बुध	बुध	शुक्र
राहु	कन्या	00:47'59''	बुध	सूर्य	राहु	शुक्र
केतु	मीन	00:47'59''	गुरु	गुरु	मंगल	गुरु
यूरे	मीन	22:29'37''	गुरु	बुध	चन्द्र	राहु
नेप्च	कुम्भ	13:28'16''	शनि	राहु	बुध	चन्द्र
प्लूटो	धनु	20:58'36''	गुरु	शुक्र	गुरु	केतु
फॉरच्यूना	वृश्चिक	23:29'42''	मंगल	बुध	मंगल	राहु

भाव सूचक

भाव	निवासी के नक्षत्र में स्थित ग्रह	निवासी ग्रह	अधिपति के नक्षत्र में ग्रह	
1			केतु	गुरु
2			मंगल	मंगल
3			सूर्य	शुक्र
4			शनि	बुध
5			शनि	बुध
6	केतु	गुरु राहु		चन्द्र
7	मंगल	चन्द्र मंगल	शनि	बुध
8	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शुक्र
9	शुक्र	शनि	मंगल	मंगल
10	चन्द्र बुध गुरु राहु	सूर्य	केतु	गुरु
11	शनि	बुध	केतु	गुरु
12		केतु	शुक्र	शनि

ग्रह	भावो के सूचक
सूर्य	3,8,8,10
चन्द्र	6,7,10
मंगल	2,2,7,7,9,9
बुध	4,5,7,10,11
गुरु	1,6,10,10,11
शुक्र	3,8,8,9,12
शनि	4,5,7,9,11,12
राहु	6,10
केतु	1,6,10,11,12

ग्रहो कि ग्रहो पर दृष्टि

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	यूरे
सूर्य	.		पंचांश				अर्धषष्ट्यांश		पंचांश	
चन्द्र		.	अर्धषष्ट्यांश	त्रियांश		षष्ट्यांश	पंचांश	युति	वियुति	
मंगल	पंचांश	अर्धषष्ट्यांश	.	कोणीय			अर्धकोणीय		द्विपंचांश	
बुध		त्रियांश	कोणीय	.		षष्ट्यांश		त्रियांश	षष्ट्यांश	
गुरु					.	पंचांश		युति	वियुति	
शुक्र		षष्ट्यांश		षष्ट्यांश	पंचांश	.				डेढ़
शनि	अर्धषष्ट्यांश	पंचांश	अर्धकोणीय				.			त्रियांश
राहु		युति		त्रियांश	युति			.	वियुति	
केतु	पंचांश	वियुति	द्विपंचांश	षष्ट्यांश	वियुति			वियुति	.	
यूरे						डेढ़	त्रियांश			.

ग्रहो कि भाव पर दृष्टि

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
सूर्य		त्रियांश	द्विपंचांश					षष्ट्यांश				
चन्द्र	वियुति	द्विपंचांश	त्रियांश	कोणीय			युति		षष्ट्यांश	कोणीय	त्रियांश	द्विपंचांश
मंगल	पंचकोणीय	वियुति	द्विपंचांश	त्रियांश	कोणीय		अर्धषष्ट्यांश			षष्ट्यांश	कोणीय	
बुध	षष्ट्यांश		त्रियांश	पंचकोणीय	वियुति		त्रियांश	कोणीय	षष्ट्यांश	अर्धषष्ट्यांश		
गुरु	वियुति	डेढ़		कोणीय	षष्ट्यांश		युति	अर्धकोणीय	पंचांश	कोणीय	त्रियांश	पंचकोणीय
शुक्र	त्रियांश		वियुति				षष्ट्यांश		युति			
शनि		द्विपंचांश	वियुति				पंचांश					पंचांश
राहु	वियुति			कोणीय	षष्ट्यांश		युति		पंचांश	कोणीय	त्रियांश	द्विपंचांश
केतु	युति		पंचांश	कोणीय	त्रियांश	द्विपंचांश	वियुति			कोणीय	षष्ट्यांश	
यूरे				पंचांश		त्रियांश			डेढ़		कोणीय	षष्ट्यांश

युति	युति	0 . 6	अंश	त्रियांश	त्रियांश	114 . 126 अंश
अर्धषष्ट्यांश	अर्धषष्ट्यांश	28 . 32	अंश	डेढ़	डेढ़ द्विधातीय	132 . 138 अंश
अर्धकोणीय	अर्धकोणीय	43 . 47	अंश	द्विपंचांश	द्विपंचांश	141 . 147 अंश
षष्ट्यांश	षष्ट्यांश	54 . 66	अंश	पंचकोणीय	पंचकोणीय	148 . 153 अंश
पंचांश	पंचांश	69 . 76	अंश	वियुति	वियुति	172 . 188 अंश
कोणीय	कोणीय	84 . 96	अंश			

जन्म लग्न

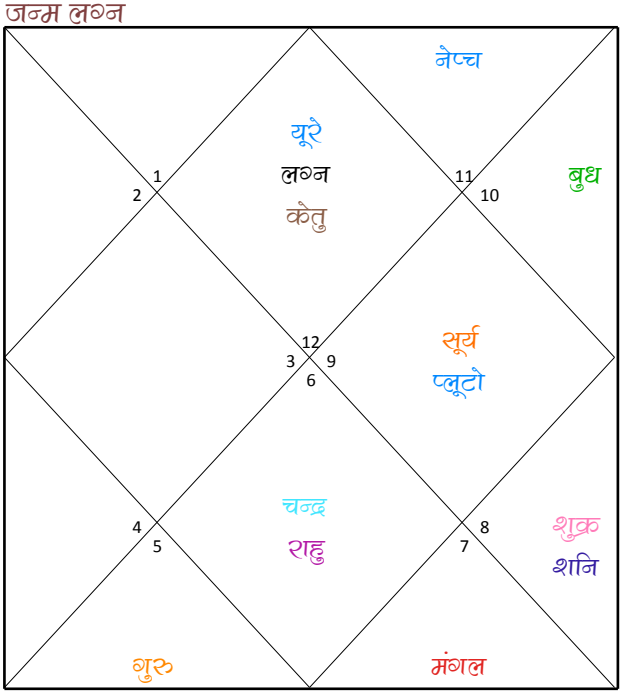

चलित

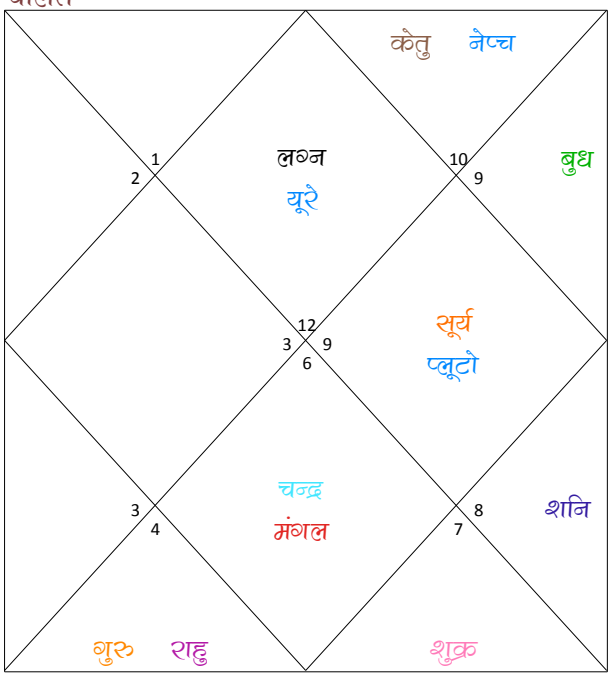

मुख्य सूचक ग्रह

	भावो के सूचक		भावो के सूचक
सूर्य	3]8	सूर्य	3]8
चन्द्र	7]10	बुध	10
मंगल	2]7	शुक्र	9
बुध	10	बुध	10
गुरु	10	मंगल	2]7
शुक्र	9	शुक्र	9
शनि	4]5]11	बुध	10
राहु	6]10	राहु	6]10
केतु	1]6]12	मंगल	2]7

अधिपतिग्रह

लग्न-उपाधिपति	शनि
लग्न-नक्षत्राधिपति	शनि
लग्नाधिपति	गुरु
चंद्र-उपाधिपति	बुध
चंद्र-नक्षत्राधिपति	सूर्य
चंद्राधिपति	बुध
दिन का स्वामी	शुक्र

ॐ श्री गणेशाय नमः

नाम	Rakesh Khanna
लिंग	पुरुष
जन्म तिथि	01/01/2016
दिन वार	शुक्रवार
जन्म समय	11:34:29
विषुव काल	17: 54: 42
भोग्य दशा	सूर्य 1व 11मा 20दि
लग्न	मीन
राशि	कन्या
नक्षत्र	उ फाल्गुनी

जन्म स्थान	DELHI
अक्षांश	028:39.m
रेखांश	077:13.i
स्थानीय समय	11:13:21
स्थानीय तिथि	01/01/2016
चन्द्र तिथि	7
चित्रपक्षीय अयनांश	24:4:50
लग्नेश	गुरु
राशीश	बुध
नक्षत्र स्वामी	सूर्य

भाव	राशि	अंश	नक्षत्र स्वामी	उपस्वामी	
1	मीन	4:1'53''	शनि	शनि	केतु
2	मेष	11:56'43''	केतु	बुध	शुक्र
3	वृष	10:36'20''	चन्द्र	चन्द्र	शनि
4	मिथुन	4:42'23''	मंगल	शुक्र	बुध
5	मिथुन	28:38'24''	गुरु	शुक्र	बुध
6	कर्क	26:46'31''	बुध	गुरु	बुध
7	कन्या	4:1'53''	सूर्य	शनि	शुक्र
8	तुला	11:56'43''	राहु	शनि	मंगल
9	वृश्चिक	10:36'20''	शनि	सूर्य	गुरु
10	धनु	4:42'23''	केतु	चन्द्र	शुक्र
11	धनु	28:38'24''	सूर्य	मंगल	गुरु
12	मकर	26:46'31''	मंगल	गुरु	बुध

ग्रहादि अंश

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र स्वामी	उपस्वामी	
सूर्य	धनु	16:09'35''	शुक्र	सूर्य	शुक्र
चन्द्र	कन्या	05:37'24''	सूर्य	बुध	शुक्र
मंगल	तुला	04:37'00''	मंगल	शुक्र	बुध
बुध	मकर	05:22'55''	सूर्य	बुध	केतु
गुरु	सिंह	29:04'48''	सूर्य	मंगल	शुक्र
शुक्र	वृश्चिक	08:17'05''	शनि	शुक्र	शुक्र
शनि	वृश्चिक	17:05'23''	बुध	बुध	शुक्र
राहु	कन्या	00:47'59''	सूर्य	राहु	शुक्र
केतु	मीन	00:47'59''	गुरु	मंगल	गुरु
यूरे	मीन	22:29'37''	बुध	चन्द्र	राहु
नेप्च	कुम्भ	13:28'16''	राहु	बुध	चन्द्र
प्लूटो	धनु	20:58'36''	शुक्र	गुरु	केतु
फॉरच्यूना	वृश्चिक	23:29'42''	बुध	मंगल	राहु

जन्म लग्न

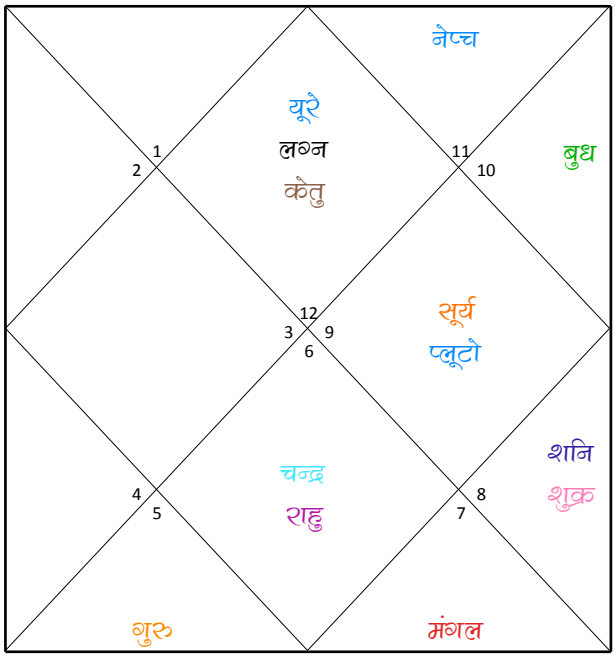

चलित

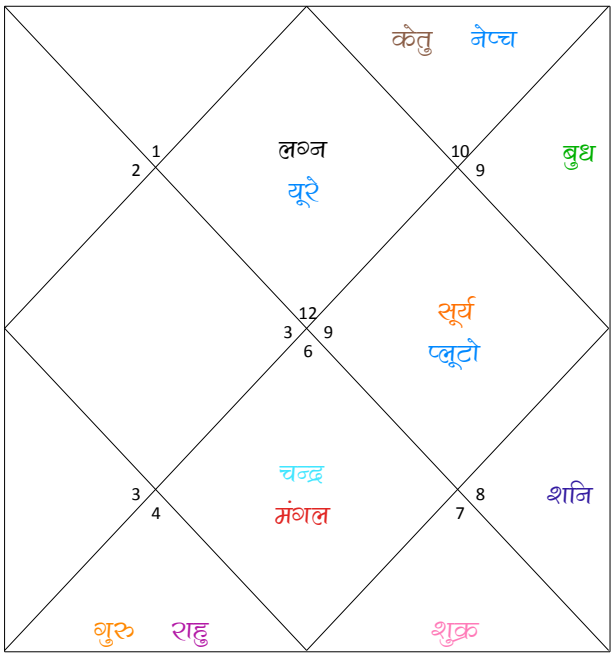

Co_Ordinates Of Planets

ग्रह	केतु 1,6,7,10,11,12	चन्द्र 6,7	गुरु 1,6,10,11	यूरे 1,11
नक्षत्र स्वामी	गुरु 1,6,10,11	सूर्य 10	सूर्य 10	बुध 4,5,7,11
उपस्वामी	मंगल2,7,9	बुध 4,5,7,11	मंगल2,7,9	चन्द्र 6,7
ग्रह	शुक्र 3,8	मंगल2,7,9	शनि 9,12	नेप्च 1,12
नक्षत्र स्वामी	शनि 9,12	मंगल2,7,9	बुध 4,5,7,11	राहु 4,5,6,7,11
उपस्वामी	शुक्र 3,8	शुक्र 3,8	बुध 4,5,7,11	बुध 4,5,7,11
ग्रह	सूर्य 10	राहु 4,5,6,7,11	बुध 4,5,7,11	प्लूटो 9,10
नक्षत्र स्वामी	शुक्र 3,8	सूर्य 10	सूर्य 10	शुक्र 3,8
उपस्वामी	सूर्य 10	राहु 4,5,6,7,11	बुध 4,5,7,11	गुरु 1,6,10,11

PLANET - SUB LORD OF HOUSE NO. / DASA PERIODS

केतु	21/12/2104-21/12/2111	चन्द्र	3,10 21/12/2017-21/12/2027	गुरु	6,12 21/12/2052-21/12/2068
शुक्र	4,5 21/12/2111-21/12/2131	मंगल	11 21/12/2027-21/12/2034	शनि	1,7,8 21/12/2068-21/12/2087
सूर्य	9 21/12/2011-21/12/2017	राहु	21/12/2034-21/12/2052	बुध	2 21/12/2087-21/12/2104